MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | मंगलवार, 21 अप्रैल, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-108

ट्रंप जाने...

इस्लामाबाद वार्ता संकट में, न अमेरिका पहुँचा न ईरान

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पाकिस्तान रवाना होने का दावा गलत है। एपी रिपोर्ट के मुताबिक, वह सोमवार सुबह वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस में नजर आए। उनका काफिला सुबह करीब 11 बजे व्हाइट हाउस पहुंचा। इससे साफ हो गया कि ट्रम्प का दावा गलत था।

इससे पहले ट्रम्प ने न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में दावा किया था कि वेंस इस्लामाबाद के लिए निकल चुके हैं। हालांकि सुएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने ट्रम्प के इस दावे पर सवाल उठाए थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक जेडी वेंस मंगलवार को ईरान रवाना हो सकते हैं। इस बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने ईरानी राजदूत रेजा अमीरी मोगद्दम से मुलाकात की, जिसमें अमेरिका के साथ संभावित वार्ता और क्षेत्रीय तनाव कम करने के मुद्दे पर चर्चा हुई।

होर्मुज में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान में दोनों देशों के बीच दूसरी दौर की बातचीत होगी या नहीं, इसे लेकर सस्पेंस बना हुआ है। ईरान ने कहा कि अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी सीजफायर के समझौते का उल्लंघन है और अमेरिका की धमकी भरी भाषा से हालात और खराब हो रहे हैं। इन परिस्थितियों में बातचीत की उम्मीद बहुत कम है। वहीं अल जजीरा की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि बातचीत एक नहीं बल्कि कई दिनों तक चल सकती है। ▶8पर

मोदी ने अमेरिका के इशारे पर किया इजरायल दौरा : राहुल

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
तमिलनाडु के तूतीकोरिन में एक चुनावी रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कई बड़े आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कहने पर इजरायल गए, एपस्टीन फाइल्स और अडानी के जरिए ट्रंप प्रधानमंत्री को कंट्रोल करते हैं और भाजपा तमिलनाडु में बिहार जैसा मॉडल लाना चाहती है। यह रैली का आयोजन 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले की गई।

राहुल गांधी ने कहा कि ईरान में जंग शुरू होने से पहले अचानक प्रधानमंत्री मोदी को इजरायल जाने का आदेश मिला। वो विमान में बैठे, इजरायल गए और वापस आ गए। राहुल का कहना था कि यह सब ट्रंप के कहने पर हुआ. उन्होंने कहा कि ट्रंप जब भी कहें, मोदी तुरंत कूद पड़ते हैं।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिका के पास दो हथियार हैं जिनसे वो प्रधानमंत्री मोदी को कंट्रोल करते हैं। पहला है एपस्टीन फाइल्स जिनमें प्रधानमंत्री मोदी के संदर्भ का जिक्र है और दूसरा है अडानी से मोदी के वित्तीय संबंध।

राहुल ने कहा कि अमेरिका इन दोनों चीजों को जानता है और इन्हीं दो हथियारों से ट्रंप प्रधानमंत्री को पूरी तरह कंट्रोल करते हैं और भारत को अमेरिका के हाथ बेचवाते हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार पहले ही एपस्टीन फाइल्स में प्रधानमंत्री मोदी के संदर्भ को पूरी तरह खारिज कर चुकी है और कहा है कि यह एक दोषी अपराधी की बकवास है जिसे पूरी तरह नकारा जाना चाहिए। ▶8पर

पीएम का उद्घाटन कार्यक्रम स्थगित

राजस्थान में एचपीसीएल रिफाइनरी धूँ-धूँ कर जलीं

बाड़मेर/बालोतरा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
राजस्थान में बाड़मेर के नजदीक बालोतरा में हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड की रिफाइनरी में सोमवार दोपहर 2 बजे भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक आग रिफाइनरी में कच्चे तेल को साफ करने वाली दो इकाइयों में लगी। इकाइयों से धुआं उठने पर कर्मचारियों ने अग्नि सुरक्षा तंत्र चालू किया। इसके बाद मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने 2 से 3 घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान इकाइयों से लपटें उठती रहीं।

करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस रिफाइनरी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को उद्घाटन करने वाले थे। इस घटना के बाद उनका दौरा स्थगित हो गया है। आग लगते ही पूरे इलाके को खाली करा लिया गया था और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि नुकसान और आग लगने के कारणों का आकलन बाकी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

सरकारी तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड की यह रिफाइनरी राजस्थान में नए बने जिले बालोतरा के पचपदरा में मौजूद है। करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से करीब 4500 एकड़ (7200 बीघा) में बनी रिफाइनरी में विदेशों से मंगाए जाने वाले कच्चे तेल को प्रसंस्कृत करने और उससे अलग-अलग उत्पाद तैयार करने के लिए पूरा परिसर बनाया गया है। यहां सालाना 9 मिलियन टन कच्चा तेल साफ किया जा सकता है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम की रिफाइनरी के दो हिस्सों में आग लगी। इनके नाम कच्चा आसवन इकाई और निर्वात आसवन इकाई हैं। पाइप लाइन के जरिए आने वाला कच्चा तेल इन्हीं इकाइयों में आता है। फिर उसे छानकर अलग-अलग इकाई में भेजा जाता है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आधिकारिक बयान जारी किया है। कंपनी का कहना है- पचपदरा में हिंदुस्तान पेट्रोलियम राजस्थान रिफाइनरी निगम लिमिटेड (पचपदरा, बालोतरा) में सोमवार दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी के कच्चा आसवन इकाई खंड में आग लग गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, ताप विनिमायक परिपथ में किसी वाल्व या फ्लैंज से हाइड्रोकार्बन के रिसाव के कारण आग लगी। आग लगते ही आपातकालीन प्रतिक्रिया दल ने प्रशासन की मदद से तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थिति पर नियंत्रण किया। इस घटना में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई और न ही कोई घायल हुआ।

आग केवल ताप विनिमायक स्तंभ तक सीमित रही। एहतियात के तौर पर कच्चा आसवन इकाई, निर्वात आसवन इकाई समेत कच्चा आसवन इकाई खंड की सभी इकाइयों को तुरंत अलग कर दिया गया। सभी इकाइयां पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी तरह का संरचनात्मक नुकसान नहीं हुआ है। रिफाइनरी के अन्य हिस्सों पर भी इस घटना का कोई असर नहीं पड़ा। फिलहाल आग लगने के कारणों और इसके संभावित प्रभाव का आकलन करने के लिए आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञों की टीम जांच में जुटी हुई है।

मोदी की झालमुड़ी ने तोड़ा 22 साल का रिकॉर्ड, 10 करोड़ व्यूज

नयी दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार, 19 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में चुनावी सभा के लिए गए थे। झाड़ग्राम से लौटते वक्त पीएम मोदी का काफिला कॉलेज मोड़ स्थित एक छोटी सी झालमुड़ी की दुकान पर रुका। पीएम ने यहां रुककर 10 रुपये की झालमुड़ी खरीदी। प्रधानमंत्री मोदी ने झाड़ग्राम से खरीदी हुई झालमुड़ी का वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया। पीएम के इस वीडियो को शेयर करने के साथ ही ये तेजी से वायरल हो गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी ये झालमुड़ी वाला वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो पर अब तक 100 मिलियन व्यूज आ चुके हैं। वहीं इस वीडियो पर 6.4 मिलियन लाइक्स हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जब अपनी चुनावी जनसभाओं के बीच झालमुड़ी विक्रेता विक्रम साव के पास पहुंचे, तो वो पीएम को अपनी दुकान पर देखकर हैरान रह गए। पीएम ने विक्रम से झालमुड़ी का दाम भी पूछा। ▶8पर

हैदराबाद-हुबली उड़ान को मोड़ा गया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
एयरलाइन फ्लाई91 ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उसकी हैदराबाद-हुबली उड़ान (आईसी3401) में कोई तकनीकी खराबी नहीं आई थी। एयरलाइन ने इस संबंध में कुछ मीडिया रिपोर्टों को झूठा और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है।

एक आधिकारिक बयान में एयरलाइन ने कहा कि यह उड़ान 19 अप्रैल को दोपहर तीन बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी। हुबली के करीब पहुंचने पर खराब मौसम के कारण विमान को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत बेंगलुरु की ओर मोड़ दिया गया था। बाद में यह उड़ान हुबली गई और अंततः अपने बेस हैदराबाद सुरक्षित लौट आई। ▶8पर

शेखपेट हनुमान मंदिर विवाद

हाईकोर्ट ने निजी संपत्ति के दावे को खारिज किया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना हाई कोर्ट ने शेखपेट स्थित एक हनुमान मंदिर और उससे जुड़ी भूमि को निजी संपत्ति घोषित करने की मांग वाली अपील को खारिज कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस तरह के विवादों का फैसला एंडोमेंट ट्रिब्यूनल (बंदोबस्ती न्यायाधिकरण) द्वारा किया जाना चाहिए, न कि सिविल कोर्ट द्वारा। इसके साथ ही कोर्ट ने इस रुख को बरकरार रखा कि उक्त भूमि धर्मस्व विभाग की है।

साल 2007 से लंबित यह अपील शेखपेट में 3.13 एकड़ में फैले मंदिर को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद से जुड़ी थी। न्यायमूर्ति के. लक्ष्मण और न्यायमूर्ति वकिटी रामकृष्ण रेड्डी की पीठ ने फैसला सुनाया कि राज्य बंदोबस्ती अधिनियम के तहत, कोई संपत्ति निजी है या सार्वजनिक बंदोबस्ती, इसका न्यायनिर्णयन बंदोबस्ती न्यायाधिकरण द्वारा ही किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति रामकृष्ण रेड्डी ने कहा कि जब कोई विशेष कानून कुछ विशिष्ट विवादों के लिए एक मंच (फोरम) बनाता है, तो सिविल कोर्ट का अधिकार क्षेत्र स्वतः बाहर हो जाता है ताकि विषय विशेषज्ञ ऐसे मामलों का फैसला कर सकें।

अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि कानून में ऐसी संस्थाओं के सार्वजनिक होने के पक्ष में एक कानूनी धारणा होती है, जिससे इसे निजी संपत्ति बताने वाले व्यक्ति पर सबूत पेश करने का भार बढ़ जाता है।

अपीलकर्ता का दावा था कि यह मंदिर एक निजी पारिवारिक संस्थान है, जिसे उनके पूर्वजों ने 120 साल पहले निजी धन से बनवाया था। उन्होंने स्वामित्व की घोषणा और बंदोबस्ती विभाग को संपत्ति में हस्तक्षेप करने से रोकने के लिए निषेधाज्ञा की मांग की थी।

पारिवारिक विरासत बनाम सरकारी गजट

अपीलकर्ता ने 1977 में निष्पादित एक पंजीकृत वसीयत और रैयतवारी पट्टा सहित राजस्व रिकॉर्ड का हवाला देते हुए तर्क दिया कि संपत्ति उनके मामा की थी। उन्होंने यह भी दलील दी कि मंदिर का रखरखाव परिवार द्वारा किया जाता था न कि सार्वजनिक दान से, इसलिए इसे सार्वजनिक बंदोबस्ती नहीं माना जा सकता।

दूसरी ओर, धर्मस्व विभाग ने इन दावों का विरोध करते हुए कहा कि भूमि विशेष रूप से मंदिर सेवाओं के लिए दी गई थी और अपीलकर्ता के पूर्वज केवल एक मुतवल्ली (ट्रस्टी/प्रबंधक) थे, न कि पूर्ण मालिक। विभाग ने 1989 की एक गजट अधिसूचना भी रिकॉर्ड पर रखी, जिसमें मंदिर को एक सार्वजनिक संस्थान घोषित किया गया था, जिसे दशकों तक किसी ने चुनौती नहीं दी थी।

निचली अदालत के 2007 के आदेश की पुष्टि करते हुए, हाई कोर्ट ने अपीलकर्ता को बंदोबस्ती न्यायाधिकरण से संपर्क करने की छूट दी है।

कोर्ट ने न्यायाधिकरण को वर्तमान निर्णय की टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना, कानून के अनुसार स्वतंत्र रूप से मामले का फैसला करने का निर्देश दिया है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 26^0

मैं सरेंडर नहीं करूंगी : स्वर्णकांता

शर्मा को हटाने की माँग वाली केजरी की याचिका खारिज

नयी दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा लगाए गए पक्षपात के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि न्यायाधीश राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकते हैं। उन्होंने दिल्ली शराब नीति मामले की सुनवाई से हटने से इनकार कर दिया। केजरीवाल ने शराब नीति मामले में सीबीआई की याचिका की सुनवाई से जस्टिस शर्मा को हटाने की मांग को लेकर यह याचिका दायर की थी।

अपनी याचिका में केजरीवाल ने तर्क दिया था कि उन्हें गंभीर, वास्तविक और उचित आशंका है कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की पीठ के समक्ष इस मामले में निष्पक्ष कार्यवाही नहीं होगी। आम आदमी पार्टी प्रमुख ने

जस्टिस शर्मा पर कई आरोप लगाए थे, जिनका दिल्ली हाई कोर्ट की इस जज ने एक-एक करके जवाब दिया। केजरीवाल का आरोप था कि जस्टिस शर्मा आरएसएस से जुड़े संगठन अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि चार बार शामिल हुई थीं।

इस आरोप का जवाब देते हुए जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा, ये कार्यक्रम नए आपराधिक कानूनों और महिला दिवस के आयोजनों से संबंधित थे, या फिर युवा वकीलों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए आयोजित किए गए थे। पूर्व में भी कई न्यायाधीश इन आयोजनों में शामिल होते रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम में मेरे शामिल होने को वैचारिक पक्षपात का संकेत बताने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। देशभर में न्यायाधीशों को न्यायालय के प्रतिनिधि के रूप में आमंत्रित किया जाता है, वहां किसी भी राजनीतिक विचारधारा के लिए कोई स्थान नहीं होता। उनकी भूमिका केवल बेंच और बार के बीच संबंध तक सीमित होती है।

उन्होंने कहा, ऐसे आयोजनों का होना असामान्य नहीं है, जहां बार और बेंच आपस में संवाद करते हैं। किसी भी वादी को बेंच और बार के इस संबंध को तोड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ▶8पर

हड़ताल पर अड़े आरटीसी कर्मचारी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना की राज्य सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में एक बड़ा व्यवधान देखने को मिल सकता है, क्योंकि तेलंगाना स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन की यूनियनों ने संयुक्त कार्रवाई समिति के बैनर तले 22 अप्रैल से राज्यव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। जेएसी सदस्यों के अनुसार, यह निर्णय लंबे समय से लंबित शिकायतों पर राज्य सरकार के साथ बातचीत विफल होने का परिणाम है। जेएसी के उपाध्यक्ष थॉमस रेड्डी ने कहा कि सदस्य पूरे राज्य का दौरा कर रहे हैं और बैठकें आयोजित कर रहे हैं, जिसमें कार्यकर्ताओं से आग्रह किया जा रहा है कि वे यूनियनों से ऊपर उठकर हड़ताल में भाग लें और इसे सफल बनाएं।

थॉमस रेड्डी ने कहा, हमने श्रमिकों से अनुरोध किया है कि वे प्रबंधन या सरकार के दबाव में न झुकें। यह अक्सर होता है कि श्रमिक दबाव मान लेते हैं, लेकिन इस बार हम मजबूत हैं। जेएसी नेता ने मांग की कि राज्य सरकार कांग्रेस पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में ▶8पर

अमेरिका के लुइसियाना में बंदूकधारी ने आठ बच्चों की हत्या की

बैटन रूज (लुइसियाना) अमेरिका

अमेरिका के लुइसियाना प्रांत के श्रेवेपोर्ट में एक बंदूकधारी ने रविवार तड़के तीन घरों में घुसकर आठ बच्चों को गोली मारकर हत्या कर दी। जनवरी 2024 के बाद से यह देश की सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी की घटना है। इस घटना से श्रेवेपोर्ट के आसपास के लोग दहल गए। जो भी घटनास्थल पर पहुंचा, वह फूट-फूटकर रो पड़ा। लुइसियाना में कैडो पैरिश कोरोनर कार्यालय (मृत्यु के कारणों की जांच करने वाली स्वतंत्र एजेंसी) ने बताया है कि इस दौरान एक 13 वर्षीय लड़का घर की छत से कूदने के बाद घायल हो गया। उसकी कुछ हड्डियां टूट गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, श्रेवेपोर्ट पुलिस प्रवक्ता क्रिस बोर्डेलान ने प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि कुल 10 लोग गोलीबारी का शिकार हुए। संदिग्ध शूटर की पहचान शमार एल्किन्स के रूप में हुई है। वह पुलिस गोलीबारी में मारा गया। मारे गए बच्चों में तीन लड़के और पांच लड़कियां हैं। इनमें सात सगे भाई-बहन हैं। उन्होंने बताया कि इस गोलीबारी में जयला एल्किन्स (3), शायला एल्किन्स (5), कायला प्यू (6), लेयला प्यू (7), मार्केडान प्यू (10), सरियाह स्नो (11), खेडेरियन स्नो (6) और ब्रेयलान स्नो (5) की मौत हो गई।

श्रेवेपोर्ट पुलिस ने बयान में कहा कि गोलीबारी के दौरान दो महिलाओं का गंभीर चोट आई है। गोलीबारी में एक किशोर भी घायल हुआ है। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध ने सबसे पहले सड़क पर एक महिला को गोली मारी। इसके बाद वह पास के एक घर में घुस गया, वहां आठ लोगों को गोली मार दी। लुइसियाना की अटार्नी जनरल लिज मुरिल ने एक्स पोस्ट पर कहा कि कई कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस घटना की जांच कर रही हैं। राज्य प्रतिनिधि टैमी फेल्प्स ने बताया कि गोलीबारी के दौरान कुछ बच्चों ने पीछे के दरवाजे से भागने की कोशिश भी की।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना के संदिग्ध एल्किन्स 2019 को हथियारों से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। अमेरिकी आर्मी के अनुसार, एल्किन्स ने सात साल तक लुइसियाना आर्मी नेशनल गार्ड में भी सेवा दी थी। श्रेवपोर्ट के मेयर टाम आर्सेनो ने कहा, इस घटना से पूरा शहर हिल गया है। गन वायलेंस आर्काइव के अनुसार, इस साल अब तक अमेरिका में कम से कम 114 सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं।

नगर परिषद की सदस्य तबाथा एच. टेलर घटनास्थल पर मंजर देखकर फूट-फूटकर रो पड़ीं। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद है। यह श्रेवेपोर्ट के इतिहास की सबसे बुरी घटना है। उन्होंने कहा, मेरा दिल सन्न रह गया है। श्रेवेपोर्ट पुलिस चीफ वेन स्मिथ ने कहा, मैं तो यह सोच भी नहीं पा रहा कि ऐसी घटना कैसे हो सकती है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूं। यूएस हाउस के स्पीकर माइक जानसन ने इन हत्याओं को दिल तोड़ने वाला बताया। जानसन कांग्रेस में श्रेवेपोर्ट इलाके का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, इस बेहद मुश्किल समय में हम पीड़ितों के साथ खड़े हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री नेपाल के तीन दिन के दौरे पर काठमांडू पहुंचे

काठमांडू । अमेरिकी विदेश मंत्रालय में दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेशमंत्री समीर पाल कपूर तीन दिनों के नेपाल दौरे पर सोमवार को काठमांडू पहुंचे। काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास के अनुसार, वे त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे। हवाईअड्डे पर उनका स्वागत नेपाल के विदेश मंत्रालय के अधिकारी और अमेरिकी दूतावास के कार्यवाहक राजदूत ने किया। भारतीय मूल के समीर पाल कपूर, नेपाल के बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली नई सरकार के साथ संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से काठमांडू पहुंचे हैं। नेपाल में नई सरकार बनने के बाद विदेशों से आने वाले कपूर सबसे बड़े अधिकारी है। काठमांडू में कपूर उच्चस्तरीय बैठकों में सहभागी होंगे और सरकार के कुछ मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। पिछले वर्ष अक्टूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण एशियाई सुरक्षा विशेषज्ञ कपूर को दक्षिण एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री के रूप में नियुक्त किया था। इससे पहले यह जिम्मेदारी डोनाल्ड लू संभाल रहे थे। कपूर का काठमांडू दौरा तीन दिनों का बताया गया है। वे बुधवार को वापस लौटेंगे। बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद नेपाल आने वाले कपूर सबसे वरिष्ठ विदेशी कूटनीतिज्ञ हैं ।

छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के विकास पर फोकस कर रहे हैं दुनिया के कई देश

वाशिंगटन। दुनियाभर में सामरिक हालात हर दिन बदल रहे हैं और इसके साथ ही युद्ध के मोर्चे पर खतरे भी बढ़ते जा रहे हैं। लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों और मानवरहित ड्रोन्स ने रक्षा विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। एरियल थ्रेट को रोकने के लिए रडार और एयर डिफेंस सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, लेकिन हालिया युद्धों में देखा गया है कि कभी-कभी आयरन डोम और थाड जैसे आधुनिक डिफेंस सिस्टम भी पूरी तरह कारगर साबित नहीं होते। ऐसे में दुनिया के तमाम शक्तिशाली देश अब डिफेंस के साथ-साथ अटैक के उन साधनों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो दुश्मन के मजबूत एयर डिफेंस को भेद सकें। इसी कड़ी में छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों का विकास अब वैश्विक फोकस में आ गया है। यूरोप जहां नेक्स्ट जनरेशन काम्बैट एयरक्राफ्ट की योजना बना रहा है और भारत अपने एमसीए प्रोजेक्ट पर तेजी से काम कर रहा है, वहीं अमेरिका ने इस दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। अमेरिका ने छठी पीढ़ी के फाइटर जेट विकसित करने का अरबों डालर का ठेका बोइंग को दिया है, जिसे एफ-47 नाम दिया गया है। इसे भविष्य के स्वार्म लीडर के रूप में देखा जा रहा है, जो हवाई युद्ध की पूरी रणनीति को बदलने की क्षमता रखता है। एफ-22 रैप्टर के अगले चरण के रूप में विकसित किए जा रहे इस विमान में आल-एंगल स्टील्थ, एडैप्टिव इंजन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मिशन सिस्टम जैसी उन्नत क्षमताएं शामिल होंगी। हालांकि, इस अत्याधुनिक तकनीक की कीमत भी बेहद चौंकाने वाली है। एफ-47 की प्रति यूनिट लागत लगभग 300 मिलियन डालर (करीब 2500-3000 करोड़ रुपये) आंकी गई है, जो इसे दुनिया का सबसे महंगा फाइटर जेट बनाती है।

ईरान-अमेरिका जंग से चीन की लगी लाटरी, क्लीन टेक्नोलाजी निर्यात में आया उछाल

बीजिंग। ईरान-इजराइल-अमेरिका युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया है। दुनिया के हर देश पर इस जंग का असर पड़ा है। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से दुनिया के सामने ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है, लेकिन चीन के लिए यह आपदा एक बड़े अवसर में बदल गई है। चीन के क्लीन टेक्नोलाजी निर्यात में उछाल से चीन की लाटरी लग गई है। होर्मुज से दुनिया का एक-तिहाई तेल गुजरता है। इसके बंद होने से ईंधन आयात पर निर्भर देशों की सांसे फूलने लगी हैं। ऐसे में दुनिया भर के उपभोक्ता और उद्योग वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर भाग रहे हैं। चीन के सोलर पैनल और बैटरी पैक खरीदने को दुनिया में होड़ मच गई है और इसी वजह से ड्रैगन जमकर कमाई कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन आफ कस्टम्स के आंकड़े बताते हैं कि मार्च के महीने में चीन के क्लीन टेक निर्यात में जबरदस्त तेजी देखी गई है। लिथियम-आयन बैटरियों के निर्यात में सालाना आधार पर 34फीसदी की वृद्धि हुई। इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात 53फीसदी उछल गया तो सोलर सेल्स के निर्यात में मासिक आधार पर 80फीसदी की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज हुई।

नेपाल में भ्रष्टाचार पर चोट से राजनीति गरमाई, मचा हड़कंप पूर्व राजा, 3 राष्ट्रपति और 7 पीएम की संपत्ति जांच के दायरे में

काठमांडू

नेपाल की राजनीति में उस समय हड़कंप मच गया जब बालेन शाह सरकार ने देश के इतिहास की सबसे बड़ी भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई का ऐलान किया। सरकार ने एक शक्तिशाली पांच सदस्यीय न्यायिक पैनल का गठन किया है, जो साल 2006 से लेकर वर्तमान समय (2025-26) तक सार्वजनिक पदों पर रहे शीर्ष नेताओं और अधिकारियों की संपत्ति की गहन जांच करेगा। इस जांच की सबसे खास बात यह है कि इसके दायरे में देश के पूर्व राजा, तीन पूर्व व वर्तमान राष्ट्रपति और सात पूर्व प्रधानमंत्री भी शामिल किए गए हैं। जांच के रडार पर आए पूर्व प्रधानमंत्रियों में पुष्प कमल दहल, शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली, माधव कुमार नेपाल, झलनाथ खनाल, बाबूराम भट्टराई और स्वर्गीय सुशील कोईराला के नाम शामिल हैं। इसके अलावा अंतरिम सरकारों के प्रमुख रहे खिलराज रेग्मी और सुशीला कार्की को भी पैनल के सवालों का सामना करना पड़ सकता है। राजशाही के अंत के बाद के पूरे दौर को कवर करने वाली यह जांच पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह तक भी पहुंचेगी। साथ ही, पूर्व राष्ट्रपति राम बरन यादव, विद्या देवी भंडारी और मौजूदा राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल की संपत्ति की भी समीक्षा की जाएगी। यह अभियान केवल बड़े राजनीतिक चेहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें 100 से अधिक पूर्व मंत्री, संवैधानिक निकायों के सदस्य और वरिष्ठ नौकरशाह भी शामिल हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जो नेता अब इस दुनिया में नहीं हैं, उनके परिवारों और राजनीतिक वारिसों की संपत्ति की भी जांच की जाएगी ताकि अवैध धन के प्रवाह का पता लगाया जा सके। चौंकाने वाली बात यह है कि इस जांच की आंच मौजूदा सरकार के करीबियों और स्वयं बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख रवि लामिछाने व अन्य मंत्रियों तक भी पहुंच सकती है। साल 2006 के जनआंदोलन के बाद नेपाल में लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुरुआत हुई थी, लेकिन तब से ही राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। अब तक होने वाली जांचें अक्सर राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित मानी जाती थीं, लेकिन पहली बार सत्ता पक्ष, विपक्ष और पूर्व राजशाही सब एक साथ जांच के दायरे में हैं।

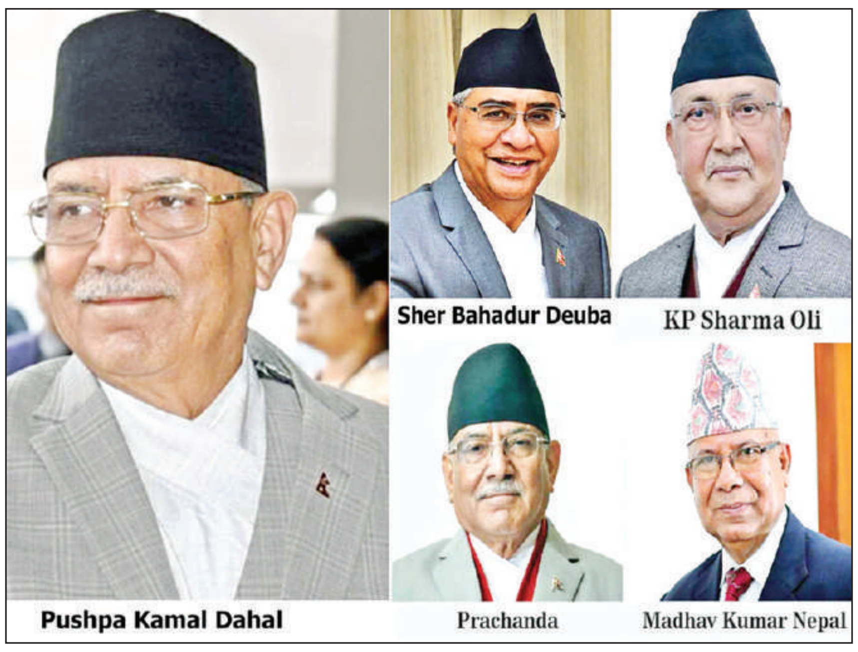

Pushpa Kamal Dahal
Sher Bahadur Deuba
KP Sharma Oli
Prachanda
Madhav Kumar Nepal

अमेरिका-ईरान जंग के बीच कौन जीता और कौन हरा...........दोनों कर रहे अपने जीत के दावे, जंग में इजरायल ने क्या पाया-क्या खोया

वाशिंगटन। करीब सवा महीने तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और शांति स्थापित होने की उम्मीद बनी है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा केंद्र होर्मुज जलडमरूमध्य रहा, जो वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हाल के घटनाक्रमों में ईरान ने अपने संवर्धित यूरेनियम को पवित्र बताते हुए उसे किसी भी देश, खासकर अमेरिका को सौंपने से इनकार कर दिया और डोनाल्ड ट्रंप के दावों को खारिज कर दिया। ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स ने होर्मुज से गुजरने वाले नागरिक जहाजों के लिए सख्त नियम लागू किए हैं। अब सभी जहाजों को तय रूट का पालन करना होगा और आईआरजीसी नेवी से अनुमति लेनी होगी, जबकि सैन्य जहाजों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। ईरान ने साफ किया कि जलडमरूमध्य तभी खुला रहेगा जब युद्धविराम कायम रहेगा। दुनिया के लिए यह राहत की खबर है क्योंकि होर्मुज से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल व्यापार होता है। संघर्ष के दौरान सप्लाई बाधित होने से भारत सहित कई देशों में ऊर्जा संकट गहराने लगा था। अब मार्ग खुलने से तेल-गैस की आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद है। अमेरिका ने सैन्य दबाव और नौसैनिक नाकाबंदी के जरिए ईरान को झुकाने में सफलता पाई। ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने और प्राक्सी संगठनों से दूरी बनाने के संकेत देने पड़े। इस लिहाज से यह अमेरिका की रणनीतिक जीत मानी जा सकती है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में विद्रोहियों से झड़प में तीन पुलिस जवान मारे गए

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान पुलिस-सुरक्षाबलों की बदमाशों और विद्रोहियों के बीच हुई झड़प में तीन पुलिस वालों की जान चली गई। दोनों घटनाओं में कई अन्य घायल गए। पुलिस और सुरक्षा बलों ने इलाके घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया है। उधर, क्वेटा प्रेस क्लब के सामने आम नागरिकों का लंबे समय से चल रहा अनशन जारी है। यह लोग पाकिस्तान सरकार से जबरन गायब किए गए और किए जा रहे लोगों का विवरण जारी करने की मांग कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को बलोचिस्तान प्रांत के शहर खुजदार में कुछ बदमाशों ने पुलिस की टीम पर गोलीबारी की,। इस गोलीबारी में एक महिला कांस्टेबल सहित दो जवानों की जान चली गई। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, यह घटना खुजदार की उप तहसील बागबाना में हुई। यह पुलिस टीम सोलर पैनलों की चोरी की शिकायत मिलने के बाद छापा मारने गई थी। छापा के दौरान हथियारबंद बदमाशों ने पुलिस पर गोलीबारी की। पुलिस ने पुष्टि की कि इस हमले में हेड कांस्टेबल समीउल्लाह और महिला कांस्टेबल मलिक नाज शहीद हो गए। अतिरिक्त थाना प्रभारी इब्राहिम शेख और कांस्टेबल नजीबुल्लाह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सिविल अस्पताल खुजदार ले जाया गया। इस बीच, घटना के बाद पुलिस ने इलाके को घेर लिया है और अपराधियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मस्तुंग जिले के दश्त कंबेला इलाके में जोरदार झड़प में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान हेड कांस्टेबल रहमतुल्लाह खिलजी के रूप में हुई है, जबकि छह अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार, पाकिस्तान की सेना ने कंबेला के मैदानी इलाके को घेरकर अभियान शुरू किया। इस दौरान सेना को विद्रोहियों के हमलों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा सशस्त्र विद्रोहियों ने दश्त कुंड मुसुरी में सुरक्षा बलों के एक शिविर को निशाना बनाया। इसके अलावा क्वेटा प्रेस क्लब के सामने आयोजित जबरन गुमशुदगी के खिलाफ स्थापित धरना- प्रदर्शन और अनशन का सिलसिला 6139वें दिन भी जारी रहा। यह आंदोलन बलोच लापता व्यक्तियों की आवाज (वीबीएमपी) ने शुरू किया था।

यूक्रेन युद्ध अब सिर्फ कीव तक सीमित नहीं रहेगा: रूस

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने स्पष्ट कर दिया है कि यूक्रेन युद्ध अब सिर्फ कीव तक सीमित नहीं रहेगा और जो देश पर्दे के पीछे से यूक्रेन की मदद कर रहे हैं, वे रूसी हमलों के निशाने पर आ सकते हैं। हाल ही में रूस ने यूक्रेन के अलावा अन्य 11 देशों पर हमले की धमकी दी है, जिससे दुनिया भर में खलबली मच गई है। क्रेमलिन ने आधिकारिक तौर पर एक हिटलिस्ट जारी की है, जिसमें उन ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही गई है जो यूक्रेन को सैन्य सहायता दे रहे हैं। रूस की सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख दिमित्री मेदवेदेव ने इस सूची को जारी करते हुए सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लिखा, यूरोपीय पार्टनर्स, चैन की नींद सो जाओ। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि जिन फैक्ट्रियों में यूक्रेन के लिए ड्रोन और अन्य हथियार बनाए जा रहे हैं, वे अब रूसी मिसाइलों के निशाने पर हैं।इस सूची में नाटो के सदस्य देश ब्रिटेन और जर्मनी के साथ-साथ एक प्रमुख मुस्लिम देश तुर्किये का नाम भी शामिल है, जिसने भू-राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव ला दिया है।

अमेरिका ने ईरानी जहाज पर गोली चलाई, कब्जे में लिया, तेहरान की बदला लेने की धमकी

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान और अमेरिका में संघर्ष विराम की अवधि के बीच ओमान की खाड़ी में घटी घटना से दोनों देशों के बीच चल रहे शांति वार्ता के प्रयासों को झटका लगा है। ईरान की सेना ने रविवार को चेतावनी दी कि अमेरिका से कंटेनर जहाज पर गोलीबारी करने और उसे कब्जे में लेने का बदला लिया जाएगा। ईरान के सरकारी ब्राडकास्ट आईआरआईबी के अनुसार, ईरान की सेना ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, हमलावर संयुक्त राज्य अमेरिका ने ओमान सागर के जल क्षेत्र में युद्धविराम का उल्लंघन करते हुए और समुद्री रास्ते पर डाका डाला है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सेना ने कहा कि अमेरिका ने जहाज के नेविगेशनल उपकरणों को नष्ट कर दिया। जहाज के डेक पर अपने सैनिक तैनात कर दिए हैं। पोस्ट में कहा गया है कि ईरान की सेना जल्द ही अमेरिका की इस सशस्त्र समुद्री डकैती का जवाब देंगी। इस बीच अमेरिकी सेना ने इस बात की पुष्टि की है कि एक अमेरिकी डिस्ट्रायर ने ईरान के झंडे वाले एक जहाज पर कई राउंड फायरिंग की। यह जहाज अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने रविवार को बाकायदा इस पूरे घटनाक्रम पर बयान जारी किया है। कमांड ने कहा कि नाकाबंदी शुरू होने के बाद से अमेरिका ने 25 कमर्शियल जहाजों को वापस मुड़ने या ईरान के किसी बंदरगाह पर लौटने का निर्देश दिया। ओमान की खाड़ी में हुई इस घटना से कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह ईरान के साथ बातचीत के लिए अपनी टीम इस्लामाबाद भेज रहे हैं। अब ईरान ने कहा है कि जब तक अमेरिका अपनी नाकाबंदी नहीं हटाता, तब तक किसी भी तरह की बातचीत नहीं होगी। इस बीच ईरान फार्स न्यूज़ एजेंसी ने बताया है कि ईरान ने युद्ध के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सरकारी इमारतों की बिक्री करने का फैसला किया है। इस बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने रविवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के साथ एक फोन बातचीत में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका की नाकाबंदी संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन है।

बार-बार थका हुआ महसूस करने से बच्चों में तनाव पनप सकता है कई कारणों से

लंदन

अभिभावकों के लिए अपने छोटे बच्चों को पढ़ाते समय अत्यधिक धैर्य की जरुरत होती है। कई बार बच्चे नहीं पढ़ने के बहाने बनाने लगते हैं और बार-बार थका हुआ महसूस करते हैं। अभिभावक इसे अक्सर बच्चों का आलस मान बैठते हैं, लेकिन यह हकीकत में पढ़ाई के अत्यधिक दबाव और तनाव का परिणाम हो सकता है।

बच्चे अपनी भावनाओं को ठीक से व्यक्त नहीं कर पाते, जिसके कारण उनके व्यवहार में इस प्रकार का परिवर्तन देखने को मिलता है। वे सिर्फ पढ़ाई से भागना नहीं चाहते, बल्कि पढ़ाई के नाम से डरने लगते हैं। बच्चों में इस तरह का तनाव कई कारणों से पनप सकता है। सबसे पहला कारण माता-पिता की अत्यधिक उम्मीदें हो सकती हैं। जब माता-पिता अपने बच्चे से हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं, तो बच्चे पर दबाव बढ़ जाता है।

दूसरा, बार-बार बच्चे की तुलना दूसरे बच्चों से करना, जैसे देखो शर्मा जी का बेटा कितना पढ़ता है, बच्चे के आत्मविश्वास को कमजोर करता है और उनमें हीन भावना पैदा करता है। इसके अलावा, बिना किसी ब्रेक के लगातार पढ़ाई करना या छोटी-छोटी गलतियों पर अत्यधिक डांट-फटकार भी बच्चे को मानसिक रूप से थका देती है और उन्हें पढ़ाई से दूर करती है। बच्चा मन ही मन डरने लगता है और पढ़ाई को एक बोझ समझने लगता है। अब सवाल यह है कि ऐसे में माता-पिता बच्चे को कैसे समझें और उसकी मदद कैसे करें। इसके लिए कुछ जरूरी बातों पर ध्यान देना आवश्यक है। सबसे पहले, बच्चे के साथ अधिक से अधिक गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं। उनसे खुलकर बात करें, उनकी दुनिया को समझने का प्रयास करें और यह जानने की कोशिश करें कि उनके मन में क्या चल रहा है और वे किस बात से परेशान हैं। दूसरा, पढ़ाई के वक्त बच्चे के साथ अत्यधिक सख्ती न बरतें।

ज्यादा सख्ती बच्चे को मन से कमजोर और डरा हुआ महसूस करा सकती है, जिससे वह और अधिक तनावग्रस्त हो सकता है। इसके बजाय, प्यार और धैर्य से उन्हें पढ़ाने और समझाने की कोशिश करें। ऐसा करने से बच्चे का आधा तनाव अपने आप ही कम हो जाता है और उनमें पढ़ाई के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। इसके साथ ही, बच्चे की जीवनशैली में कुछ सकारात्मक बदलाव लाना भी जरूरी है। बच्चों को रोज सुबह कुछ बादाम और अखरोट खाने के लिए दें, क्योंकि ये दिमागी विकास के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करते हैं। बच्चों को प्रकृति के साथ जोड़ें और उनकी शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाएं। उन्हें ऐसे खेल खेलने दें जो उनके शारीरिक विकास को तेजी से बढ़ावा दें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप की सहकर्मी के साथ लोकप्रियता बढेगी । व्यावसायिक रूप से चीजें ठीक ठाक चलेगी आपकी प्रगति होगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी और आपको आर्थिक लाभ प्राप्त करने के नये रास्ते बनेंगे. भाई–बहनों मे संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे. परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा की योजना बन सकती है. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदमय और खुशहाल रहेगा । हल्का और तंदरुस्ती वाला भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें आप का दिन पाजिटिव रहेगा । आज आपके पहले किये गये प्रयास सफल होंगे अगर आप बिजनेसमैन है तो मेहनत ज्यादा करनी पडेगी। परिवार वालो के साथ समय बिताए उत्साह पूर्ण माहौल रहेगा. छात्रों के लिये आज का दिन ठीक है. कुछ ना कुछ नया सिखने को मिलेगा. आप को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा. शारीरिक रुप से आप फिट रहेगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज परिवार की सभी जरूरी और आवश्यक बातो पर गंभीर रुप से विचार करना चाहिए । परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. बिजनेस में बढ़ोतरी के लिये नए मौके मिल सकते हैं. मित्र और सम्बन्धी आप की मदद कर सकते हैं आप को लाभ पहुचा सकते हैं जीवनसाथी से प्यार और सहयोग मिलेगा. पति–पत्नी के बीच आपसी तालमेल बना रहेगा. भाइयों का सहयोग मिलेगा. संतान के कार्यों से आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को योग एवं प्राणायाम करते रहना चाहिए आप का कोई पुराना रोग परेशान कर सकता हैं पेट , कमर से जुडा मरज आप के व्यवस्थित जीवन को अस्त व्यस्त कर सकता हैं आर्थिक रुप से कमजोरी के कारण आप को कर्ज की रकम लेनी पड सकती हैं कार्यस्थल पर आप को सदैव अपने सहकर्मियों का समर्थन लेने के लिए मृदु भाषी होना पडेगा अगर आप प्रॉपर्टी–डीलर है या कन्स्ट्रक्शन का कार्य करते है तो सभी दस्तावेजों को गौर करके ही आगे बढाना चाहिए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज पहले जो जरूरी खास काम है उस को पूरा करने की कोशिश करें. अपने काम मे फुर्ती दिखाए आप ईनाम के हकदार होंगे। छात्रों को कम मेहनत करने पर भी प्रबल भाग्य के बल पर सफलता हासिल हो सकती है. विवाहित जोडें आज एक दूसरे की भावनाओं को समझे और एक दूसरे की मन की बात जानने की कोशिश करें, रिश्तों में मधुरता बढेगी. अगर आप किसी निजी समस्या से परेशान चल रहे हैं तो, उससे निजात पाने के लिये कोई ठंडा स कदम उठाना पडेगा जिससे आपकी मुश्किल आसान हो सकती है.स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप के लिए जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसानदेह साबित हो सकता हैं , इसलिए सोच विचार करके ही नतीजे पर पहुंचे ताकि जिन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जैसे जैसे समय बितता जाएगा वित्तीय तौर पर सुधार आएगा.पारिवारिक सदस्य की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत पडेगी. परन्तु सुधार जल्दी ही देखने को मिलेगा । जमीन का सौदा करना अभी के समय मे लाभकारी हैं दूसरे को खुश करने के लिए खुद को तनाव से न थकाएँ. थकान को दूर करने के लिए मैडिटेशन करते रहें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज पुरानी परियोजनाए जल्दी ही अपने अन्तिम रुप मे पहुंचेगी आपको विभिन्न निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है. आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी हो सकती हैं और आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आप एक समृद्ध और सुखी पारिवारिक जीवन जिएंगे, परिवार में उत्सव हो सकता है. आपके बच्चों का प्रदर्शन आपके मन में गर्व और खुशी की भावना पैदा करेगा. आज मौसम सम्बन्धित बिमारी घर के सदस्यों को परेशान कर सकती हैं , आयुर्वेदिक वस्तुओं का इस्तेमाल करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज भैरव मंदिर के दर्शन करें तेल का दीपक प्रज्वलित करें, अटके हुए कोर्ट–कचहरी के मामलें सुलझ सकते हैं . कुछ लोगों का व्यवहार आज आपकी समझ से बाहर रहेगा. जरुरत पड़ने पर साथ के कुछ लोग आपकी मदद नहीं करेंगे. ऐसी स्थितियों में पुराना घनिष्ठ मित्र जरूर याद आएगा ज्यादातर समय बच्चों का घर पर बितेगा, और उनसे कुछ बातें करेंगे. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. घर का माहौल खुशनुमा रहेगा. अचानक धनलाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन कुछ तकलीफ़े ला सकता हैं आपकी मुलाकात ईष्ट मित्रों से हो सकती है। किस्मत का साथ मिलेगा। घर परिवार में किसी सदस्य को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। इलाज में खर्च ज्यादा होने की संभावना है। दूसरों की मदद कर सकते हैं।अपनी दिनचर्या में बदलाव लाना होगा जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक बना रहे। अपरिचित लोगों से वार्ता नही करना चाहिए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज हनुमान मंत्र का जप करें तेल से अभिषेक करना चाहिए परन्तु आज का दिन व्यस्तता में बीतेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको परिवार का सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। कार्य क्षेत्र में भी नुकसान उठाना पड सकता है। प्रभु की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी। आपकी किसी समस्या का समाधान होगा। युवाओं को नौकरी मिल सकती है। कुसंगति को छोड़ें। निवेश के अवसर आएंगे। छात्रों को सफलता निश्चित हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का माहौल खुशनुमा रहेगा पारिवारिक सुख शांति भी रहेगी। आज का दिन ठीक रहेगा। वाहन चलाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज धार्मिक कार्यों में आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंतित रहेंगे। जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे कुछ भूल हो सकती है। आपको विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। किसी से विवाद हो सकता है। घनिष्ठ मित्रों के साथ समय व्यतीत करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भाग्य प्रबल हैं कर्मों के आधार पर निश्चित ही सफलता मिलेगी किस्मत का साथ मिलेगा। किसी से विवाद होने के बाद मन में नकारात्मक सोच ज्यादा रहेगी। स्वभाव में कुछ चिड़चिड़ापन दिखाई देगा। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है। बुजुर्गों को सेहत से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको निवेश पर अच्छा फायदा मिलेगा । छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। भोजन बहुत ही हल्का करें स्वास्थ्य एकदम चुस्त दुरुस्त रहेगा

आज का पंचांग

दिनांक : 21 अप्रैल 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 01:22 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 11:59 तक
योग : शोभन दोपहर 12:31 तक
करण : बव दोपहर 02:47 तक
चन्द्रराशि : वृषभ दोपहर 01:02 तक
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री शंकराचार्य जयंती , श्री सूरदास जयंती

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

रामदेव सेवा समिति द्वारा 'जल ही जीवन' के आधार पर जल सेवा का आयोजन

मंचेरियाल, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल में मारवाड़ी समाज की रामदेव सेवा समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मंचेरियाल रेल्वे स्टेशन पर जल सेवा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मंचेरियाल स्टेशन मास्टर रविंद्र और उनके सहयोगी यादव जी के हाथों नारियल फोड़कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर से मारवाड़ी समाज में खुशियों की लहर छा गई। स्टेशन पर आने वाली ट्रेनों में यात्री गर्मी के मौसम से राहत पाने के लिए पानी की तलाश में रहते हैं। यह सेवा मंचेरियाल रेल्वे स्टेशन पर मारवाड़ी समाज की रामदेव सेवा समिति द्वारा संभव हुई है। समिति के सदस्य यात्रियों को जल पिलाकर सेवा करते हुए अपना कर्तव्य का पालन कर रहे हैं और समाज में नाम रोशन कर रहे हैं।

इस कार्य में रेल्वे के इंचार्ज रविंद्र, उनके सहयोगी तथा रेल्वे के अन्य कर्मचारियों द्वारा पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

इस कार्यक्रम में मंचेरियाल मारवाड़ी समाज में सबसे आगे रहने वाले शांतिलाल गहलोत, कृष्णा सोलंकी, हरचंद माली, राजू माली, वागाराम सोलंकी, प्रेमचंद गहलोत और अन्य मारवाड़ी समाज के लोगों ने भाग लिया।

अशोक महुलकर को मानद डॉक्टरेट उपाधि

आसिफाबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) कोमुरंभीम आसिफाबाद जिले के भारतीय बौद्ध महासभा अध्यक्ष अशोक महुलकर को उनकी तीन दशकों की निरंतर सामाजिक सेवा के लिए इंटरनेशनल लूसियाना रिसर्च अमेरिकन यूनिवर्सिटी, पुणे द्वारा मानद डॉक्टरेट प्रदान किया गया।

1995–97 में उस्मानिया विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में एम.फिल करने के बाद महुलकर ने सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में मुफ्त चिकित्सा शिविर आयोजित किए, आदिवासी उत्थान से जुड़कर काम किया और अंबेडकर व बुद्ध के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने में योगदान दिया। भूटान में आयोजित बुद्ध धम्म यात्रा में भाग लेने पर उन्हें बेस्ट प्रमोटर अवॉर्ड भी मिला।

मानद डॉक्टरेट मिलने पर महुलकर ने कहा कि समाज के उत्थान और चैतन्य के लिए किए गए सतत प्रयासों की मान्यता ही यह सम्मान है। हर व्यक्ति को जीवनकाल में समाज के लिए कुछ करना चाहिए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय निदेशक डॉ. अन्नी कृष्ण भारद्वाज समेत अन्य गणमान्य व्यक्तिपूर्व उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति शिवदास म., रिटायर्ड आर्मी कैप्टन डॉ. सुमित्रा सेन, पूर्व आईएएस/आईपीएस अधिकारी और राजनीतिक नेता उपस्थित रहे।

मंचेरियाल में धन दुरुपयोग उजागर करने पर बीआरएस नेता पर हमला

मंचेरियाल, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के भीमराम मंडल में विकास कार्यों में धन के दुरुपयोग को सोशल मीडिया पर उजागर करने के लिए बीआरएस नेता सुनकारी गोपाल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया।

गोपाल ने फेसबुक और व्हाट्सएप पर स्थानीय प्रतिनिधियों की अनियमितताओं और श्रम मंत्री डॉ. जी. विवेक की आलोचना के पोस्ट किए थे। आरोप है कि रविवार रात मंदिर निर्माण बैठक के दौरान सुरेश यादव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गोपाल पर हमला किया। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने जवाबी कार्रवाई की, जिससे हल्का तनाव उत्पन्न हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने अवुला सुरेश यादव, उस्केमल्ला पुन्नम चंदू समेत आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

प्रजावाणी कार्यक्रम में जिला कलेक्टर ने दिए निर्देश

आसिफाबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर हरिता ने समेकित कलेक्टरेट भवन परिसर में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों की जाँच क्षेत्रीय स्तर पर कर शीघ्र समाधान किया जाए। इस अवसर पर राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विभिन्न मंडलों से आए आवेदकों ने अपनी समस्याएँ प्रस्तुत कींइंदिरम्मा आवास मंजूरी, नाम परिवर्तन, इंटरनेट सेवा, बोरवेल व बिजली सुविधा, विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष आदि। कलेक्टर ने आवेदकों से सीधे आवेदन प्राप्त कर अधिकारियों को प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में अधिकारी और बड़ी संख्या में आवेदक उपस्थित रहे।

गर्मियों में पेयजल संकट न हो : कलेक्टर हरिता

आसिफाबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर हरिता ने सोमवार को मिशन भागीरथ कार्यालय और पंचायत राज इंजीनियरिंग विभाग का आकस्मिक निरीक्षण किया। हाजिरी रजिस्टर जांचने के बाद उन्होंने समयपालन और बेहतर सेवा पर जोर दिया।

गर्मी में दूरदराज गांवों तक पानी पहुंचाने, खराबी तुरंत ठीक करने तथा वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। समन्वय से ग्रामीणों को राहत दिलाने का आह्वान किया। मिशन भागीरथ ईई सिद्दीक, पंचायत राज अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

छात्रों को बिना परेशानी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएं : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बिना किसी परेशानी के सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

सोमवार को उन्होंने राजीव नगर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया, अतिरिक्त कक्षों के निर्माण कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पौष्टिक भोजन समय पर उपलब्ध कराने, रसोईघर की साफ–सफाई और इंटरमीडिएट फेल विद्यार्थियों की विशेष कक्षाओं की भी समीक्षा की।

इसके बाद उन्होंने आदर्श विद्यालय छात्रावास तथा निर्माणाधीन सरकारी अस्पताल एवं क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण कर कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रजावाणी में आई शिकायतों का शीघ्र समाधान करें : कलेक्टर

मंचेरियाल, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त जन शिकायतों और आवेदनों का शीघ्र समाधान किया जाए।

सोमवार को नस्पूर स्थित समेकित जिला कार्यालय भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कलेक्टर ने अतिरिक्त कलेक्टर पी. चंद्रैया और रामुलु के साथ जनता से आवेदन स्वीकार किए।

कार्यक्रम में भूमि विवाद, नामांतरण, ऑनलाइन रिकॉर्ड अपडेट, पेंशन, दिव्यांग सहायता और पारिवारिक भरण–पोषण संबंधी कई शिकायतें प्राप्त हुईं।

कलेक्टर ने कहा कि सभी आवेदनों की जमीनी जांच कर संबंधित विभागों के समन्वय से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि लोगों को समय पर न्याय मिल सके।

बेल्लमपल्ली सुनार संघ के चुनाव संपन्न, नए पदाधिकारी चुने गए

बेल्लमपल्ली, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । बेल्लमपल्ली सुनार संघ के चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुए।अध्यक्ष पद के लिए मनोहराचारी और सचिव पद के लिए उपेन्द्र चारी को चुना गया।

राज्य नेता श्रीनिवास और वेंकटेस्वर के देखरेख में चुनाव का आयोजन किया गया। राज्य नेताओं ने विजेताओं को शपथ दिलाई। अध्यक्ष मनोहराचारी ने सुनारों की समस्याओं के समाधान के लिए हर समय तत्पर रहने का वादा किया। इस अवसर पर स्थानीय सुनारों ने विजेताओं को बधाई दी और सम्मानित किया।

आसिफाबाद में जनगणना–2027 प्रशिक्षण कार्यक्रम

आसिफाबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर हरित ने जनगणना 2027 के पहले चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कहा कि जनगणना प्रक्रिया में शामिल प्रत्येक एन्यूमरेटर और सुपरवाइज़र को हर पहलू की पूरी जानकारी होनी चाहिए।

सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित जिला परिषद सेकेंडरी बालक विद्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण में कलेक्टर ने बताया कि 11 मई से जिले में इल्लु (इमारत/इकाई) गणना की प्रक्रिया शुरू होगी। घर के मालिक से लिए जाने वाले विवरणों पर स्पष्ट समझ रखने और बिना किसी त्रुटि के गणना कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही हाउसिंग ब्लॉक की जानकारी आवश्यक बताई गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में एन्यूमरेटर, सुपरवाइज़र, प्रशिक्षक और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डेवलपमेंट कार्य 45 दिनों में पूरे करने के निर्देश : कलेक्टर कोया श्री हर्ष

पेद्दापल्ली, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने कहा कि विकास के सभी कार्य 45 दिनों के अंदर पूरे किए जाएं। सोमवार को फील्ड विजिट के दौरान उन्होंने आईटीआई के रेनोवेशन कार्य और मार्केट यार्ड में बन रहे इनडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि काम तय समय सीमा में पूरे हों, गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और देरी से बचा जाए। उन्होंने समन्वय बनाए रखते हुए जरूरी संसाधन समय पर उपलब्ध कराने को भी कहा।

इस दौरान संबंधित अधिकारी और इंजीनियरिंग स्टाफ उनके साथ थे।

मंचेरियाल जिले में नए डायलिसिस केंद्रों की तैयारी तेज

मंचेरियाल, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) मंचेरियाल जिले में डायलिसिस सुविधा बढ़ाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लक्षेट्टीपेट, वेमनपल्ली और भीमिनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया।

प्रस्तावित सुविधाएं: लक्षेट्टीपेट, वेमनपल्ली और भीमिनी में 5–5 नए डायलिसिस बेड और जिला सरकारी अस्पताल में 2 अतिरिक्त बेड। निरीक्षण के दौरान डॉक्टरों की उपलब्धता, पानी, लैब और मरीजों के परिजनों की सुविधाओं की समीक्षा की गई।

यह कदम डायलिसिस मरीजों को नजदीकी केंद्रों पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। समिति जल्द ही अपनी रिपोर्ट जिला कलेक्टर को सौंपेगी।

तिरयानी में पी. सुब्बा राव ने एसआई पद संभाला

बेल्लमपल्ली, 20 अप्रैल। मंचेरियाल जिले के चेन्नूर से तिरयानी पुलिस थाने में नए एसआई पी. सुब्बा राव ने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। कर्मचारियों ने उनका भव्य स्वागत किया।

उन्होंने लोगों से मंडल में शांति बनाए रखने में सहयोग की अपील की। संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत सूचना देने को कहा और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

कार्यक्रम में एसआई लाल सिंह, हेड कांस्टेबल श्रीनिवास, महिला कांस्टेबल ज्योति, मल्लेश्वरी आदि उपस्थित थे।

क्या आप जानते हैं जनेऊ पहनने के इन पांच फायदो के बारे में

जनेऊ पहनने वाला व्यक्ति हर वक्त नियमों से बंधा हुआ होता है। वह मल-मूत्र विसर्जन के पश्चात अपनी जनेऊ उतार नहीं सकता। आज के जमाने में लडके इसे पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनके फैशन में बाधा डालता है।

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग जनेऊ पहने हुए होते हैं। यह तीन धागों वाला एक सूत्र होता है जो लडके के दस से बारह वर्ष की आयु हो जाने के बाद उसे पहनाया जाता है। जनेऊ पहनने वाला व्यक्ति हर वक्त नियमों से बंधा हुआ होता है। वह मल-मूत्र विसर्जन के पश्चात अपनी जनेऊ उतार नहीं सकता। आज के जमाने में लडके इसे पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनके फैशन में बाधा डालता है। लेकिन इसे पहनने से हमारे शरीर को कई बडे फायदे होते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से जनेऊ पहनना बहुत ही लाभदायक है। यह केवल धर्माज्ञा ही नहीं, बल्कि आरोग्य का पोषक भी है, अत: इसको सदैव धारण करना चाहिए।

क्या है हिंदू धर्म जनेऊ पहनने का महत्व

चिकित्सकों अनुसार यह जनेऊ के हदय के पास से गुजरने से यह हृदय रोग की संभावना को कम करता है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुचारू रूप से संचालित होने लगता है। ऐसे ही अनेको और भी बडे फायदे हैं जनेऊ धारण करने के जिसके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, तो जरा ध्यान दें।

आइये जानें, क्या फायदे हैं जनेऊ पहनने के

यह बीमारियों से बचाता है

इसे पहनने वाले व्यक्ति को साफसफाई का काफी ध्यान रखना पडता है। अगर वह मल-मूत्र त्यागने गया है तो उसे जनेऊ को अपने कानों पर टांगना होगा और फिर हाथ पैर धो कर कुल्ला कर के ही जनेऊ को कानों से उतारता है। यह सफाई उसे दांत, मुंह, पेट, कृमि, जीवाणुओं के रोगों से बचाती है।

रक्त संचार बनें सुचारू

चिकित्सकों अनुसार यह जनेऊ के हदय के पास से गुजरने से यह हदय रोग की संभावना को कम करता है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुचारू रूप से संचालित होने लगता है।

कान पर बांधने के फायदे

जब जनेऊ को कान पर बांधा जाता है, तो उससे स्मरण शक्ति बढती है। इसके अलावा ऐसा करने से कान के अंदर की नसें दबती हैं, जिनका संबंध सीधे आंतों से होता है।

नसों पर दबाव पडने से कब्जी की शिकायत नहीं होती और पेट अच्छे से साफहो जाता है।

बुरे कार्यो से बचाए

जनेऊ से पवित्रता का अहसास होता है। यह मन को बुरे कार्यों से बचाती है। कंधे पर जनेऊ है, इसका मात्र अहसास होने से ही मनुष्य भ्रष्टाचार से दूर रहने लगता है।

शुक्राणुओं की रक्षा होती है

जनेऊ को जब कान में लपेट जाता है तब कान की एक और नस दबती है, जिसका सीधा संबंध अंडकोष और गुप्तेंद्रियों से होता है। ऐसे में शुक्राणुओं की रक्षा होती है।

धर्म क्या है, क्या हम सब सही रूपों में इसे समझ पाए हैं

धर्म किसी एक या अधिक परलौकिक शक्ति में विश्वास और उसके साथ जुडी रिति, रिवाज, परम्परा, पूजा-पद्धति और दर्शन का समूह है। जिंदगी में हमें जो धारण करना चाहिए, वही धर्म है। नैतिक मूल्यों का आचरण ही धर्म है।

धर्म वह पवित्र अनुष्ठान है जिससे चेतना का शुद्धिकरण होता है। धर्म वह तत्व है जिसके आचरण से व्यक्ति अपने जीवन को चरितार्थ कर पाता है। यह मनुष्य में मानवीय गुणों के विकास की प्रभावना है, सार्वभौम चेतना का सत्संकल्प है। मध्ययुग में विकसित धर्म एवं दर्शन के परम्परागत स्वरूप एवं धारणाओं के प्रति आज के व्यक्ति की आस्था कम होती जा रही है। मध्ययुगीन धर्म एवं दर्शन के प्रमुख प्रतिमान थे- स्वर्ग की कल्पना, सृष्टि एवं जीवों के कर्ता रूप में ईश्वर की कल्पना, वर्तमान जीवन की निरर्थकता का बोध, अपने देश एवं काल की माया एवं प्रपंचों से परिपूर्ण अवधारणा।

उस युग में व्यक्ति का ध्यान अपने श्रेष्ठ आचरण, श्रम एवं पुरुषार्थ द्वारा अपने वर्तमान जीवन की समस्याओं का समाधान करने की ओर कम था, अपने आराध्य की स्तुति एवं जय गान करने में अधिक था। धर्म के व्याख्याताओं ने संसार के प्रत्येक क्रियाकलाप को ईश्वर की इच्छा माना तथा मनुष्य को ईश्वर के हाथों की कठपुतली के रूप में स्वीकार किया। दार्शनिकों ने व्यक्ति के वर्तमान जीवन की विपन्नता का हेतु कर्म-सिद्धान्त के सूत्र में प्रतिपादित किया। इसकी परिणति मध्ययुग में यह हुई कि वर्तमान की सारी मुसीबतों का कारण भाग्य अथवा ईश्वर की मर्जी को मान लिया गया। आज के युग ने यह चेतना प्रदान की है कि विकास का रास्ता हमें स्वयं बनाना है। किसी समाज या देश की समस्याओं का समाधान कर्म-कौशल, व्यवस्था-परिवर्तन, वैज्ञानिक तथा तकनीकी विकास, परिश्रम तथा निष्ठा से सम्भव है। आज के मनुष्य की रुचि अपने वर्तमान जीवन को सँवारने में अधिक है। उसका ध्यान भविष्योन्मुखी न होकर वर्तमान में है। वह दिव्यताओं को अपनी ही धरती पर उतार लाने के प्रयास में लगा हुआ है।

इस सत्य में छुपा है भगवान शिव की खंडित मूर्ति पूजा करने का रहस्य

शिव को सभी देवताओं में सबसे विशेष दर्जा दिया गया है क्योंकि सांसरिक मोह-माया से दूर शिव अपने तप में लीन रहते है। वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं। इसके अलावा शिव को भौतिक नियमों से कोई सरोकार नहीं है।

हिंदू धर्म की मान्यता अनुसार किसी मूर्ति के खंडित होते ही उसे विसर्जित करने या किसी वटवृक्ष के पास रखा जाता है। ऐसा करने के पीछे सभी लोगों के अपने-अपने तर्क है। जहां एक ओर कुछ लोगों का मानना है कि भगवान की प्रतिमा में प्राण होते हैं इसलिए उनकी प्रतिमा टूट जाने पर उन्हें भी किसी भक्त की भांति ही पीडा होती है। दूसरी ओर कुछ लोगों का तर्क है कि यदि हमारे शरीर के किसी अंग में चोट लग जाए तो हम उस चोट को यूं ही नहीं छोड देते बल्कि उसका उपचार करवाते हैं तो भला भगवान की प्रतिमा को खंडित होने पर उन पर बिना कोई ध्यान दिए मंदिर में कैसे रख सकते है। हम में से कई लोग मूर्ति और प्रतिमा को एक समान ही समझते हैं। दोनों के अर्थ में कोई अधिक अंतर नहीं है लेकिन भगवान की मूरत को प्रतिमा कहा जाता है, क्योंकि लोगों को विश्वास होता है कि भगवान की मूर्ति सजीव होती है। जबकि किसी कला, जीव आदि की बनाई हुई छवि को मूर्ति कहा जाता है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली में भगवान की मूरत को मूर्ति ही कहा जाता है। अब बात करें खंडित चीजों की तो, इनमें एक प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा होती है। लेकिन इन सभी तर्कों से परे भगवान शिव एक ऐसे देवता हैं जिनकी खंडित मूर्ति की भी पूजा होती है।

इसलिए होती है शिव की खंडित मूर्ति की पूजा

शिव को सभी देवताओं में सबसे विशेष दर्जा दिया गया है क्योंकि सांसरिक मोह-माया से दूर शिव अपने तप में लीन रहते है। वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं। इसके अलावा शिव को भौतिक नियमों से कोई सरोकार नहीं है। उनके लिए हर चीज की परिभाषा अलग है। शिव को निरंकारी माना जाता है। यानि शिव को वास्तव में किसी ने नहीं देखा है। तस्वीरों और मूर्तियों में उनका जो रूप दिखाई पडता है वो भक्तों की कल्पना मात्र है। इस प्रकार जिसका कोई आकार, रंग, रूप आदि न हो उसे भला क्या क्षति हो सकती है। महादेव का न तो आदि है और न ही अंत। इस प्रकार शिव की मूर्ति कितनी भी खंडित क्यों न हो जाए हमेशा पूज्यनीय होती है। साथ ही शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग का पूजन किसी भी दिशा से किया जा सकता है लेकिन पूजन करते वक्त भक्त का मुख उत्तर दिशा होना सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

आइये जाने, हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम

जब कोई भक्त हनुमानजी को सच्चे मन से समर्प्रित होकर याद करता है तब आसानी से हनुमानजी उस पर प्रसन्न हो जाते है । हम जानते है की वो राम के परम भक्त है और खुद वानर है अत: प्रभु राम की भक्ति और वानरों को गुड चन्ने और केले का प्रसाद खिलाना , अचूक उपाय है हनुमान जी को खुश करने का इसके अलावा हनुमान जी को सिंदूर लगाना भी सबसे प्रिय पूजा के भागो में से एक है। श्री हनुमान पूजा हनुमान जी अपने माँ पिता के बडे लाडले थे अत: माँ अंजना और पिता केसरी के जयकारे से भी हनुमान प्रसन्न होते है।

आइये जाने हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम और कार्य

हर मंगलवार को अगर हो सके तो श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन कर। सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान से पढे। हनुमान भक्त के लिए राम और माँ जानकी की भी पूजा प्रसन्नता दायक है। हो सके तो मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी का व्रत करना चाहिए। हर मंगलवार या शनिवार को हनुमान मंदिर में बालाजी की लाल मूर्ति पर सिंदूर चढाना चाहिए फिर उन्हें गुड चन्ना या केले का प्रसाद चढा कर हो सके तो वानरों को यह प्रसाद खिलाना चाहिए।

जो लोग अज्ञानी हैं, उनमें ही अहंकार जन्म लेता है

प्रकृतेः क्रियमाणानि गुणैः कर्माणि सर्वशः।
अहङ्कारविमूढात्मा कर्ताहमिति मन्यते॥

अर्थ : संपूर्ण कर्म सब प्रकार से प्रकृति के गुणों द्वारा किए जाते हैं। फिर भी जिसका अंत:करण अहंकार से मोहित हो रहा है, ऐसा अज्ञानी 'मैं कर्ता हूं' यह मानता है।

भावार्थ : जो लोग अज्ञानी हैं, उनमें ही अहंकार जन्म लेता है। उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं होता कि सभी कर्म प्रकृति द्वारा ही किए जाते हैं। अज्ञानियों को यह भ्रम हो जाता है कि कोई कार्य उन्होंने स्वयं किया है। मान लें कोई मूर्तिकार सुंदर मूर्ति गढता है और उसमें यह अहंकार हो जाता है कि इस मूर्ति को मैंने रचा है।

दरअसल, मूर्तिकार ने जो संवेदना और कल्पना उस मूर्ति में डाली, वह उसकी भीतरी प्रकृति की देन थी। उसने जिन हाथों से उसे बनाया या जिन वस्तुओं को उसने प्रयोग किया, वे सब प्रकृति की ही देन हैं। फिर यह अहंकार करना कि यह मेरा है, व्यर्थ है। जिस क्षण यह अहंकार व्यक्ति के अंदर आ जाता है, उसकी कर्म की गुणवत्ता घटती जाती है। वह उतना दत्तचित्त होकर कर्म नहीं कर पाता, जितना अहंकार रहित कर्म करने से होता है। अहंकार से व्यक्ति कर्म पर अपना अधिकार जमाने लगता है और जब वह कर्म उससे विमुख होता है, तो उसे पीडा पहुंचती है। इसलिए अहंकार रहित कर्म ही श्रेष्ठ है। मौन मन की शक्ति है।

यह ध्यान की ऊर्जा और सत्य का द्वार है। दैनिक जीवन में मौन के महत्व को पहचानने का प्रयास करें। सिर्फ श्वासों के आवागमन पर ही अपना ध्यान केंद्रित करें। मौन अवस्था में अपने जीवन का सिंहावलोकन कर ही अपने भविष्य का चिंतन करें।

वचन

हम वर्षों से व्यर्थ की बातें बोलते आए हैं। हमारे बोलने से न देश बदलता है और न समाज। यहां तक कि हमारी बातों का असर बगल में बैठे व्यक्ति पर भी लेश मात्र नहीं पडता है। फिर क्यों हम बोलकर निरंतर अपनी ऊर्जा खर्च करते रहते हैं। यदि जरूरत पडने पर बोला जाए, तो उसका दूरगामी प्रभाव होता है, पर ध्यान रहे कि जो भी बोलें, सकारात्मक बोलें।

कर्म

किसी क्षण में मिली जय-पराजय से विचलित हुए बिना हमें अपना कर्म करते रहना चाहिए। पराजय से ही हमारे मन में उत्कृष्ट विचार जन्म लेते हैं। यह हमें दृढनिश्चयी बनाता है और सफलता के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

हाई हील सैंडल

कहीं बीमार न बना दे आपको

हाई हील और स्किन टाइट कपड़े लड़कियों को खास पसंद होती हैं। लेकिन उन्हें यह मालूम नहीं कि ऐसा करके वह पैरों की एक खास बीमारी वैरिकोज वेन्स यानी की पैरों की नसों में सूजन को दावत दे रही हैं। करीब 7 फीसदी युवा इस बीमारी से परेशान हैं। आगे की स्लाइड्स पर क्लिक कर देखें कैसे होती है ***ये बीमारी और बचने के उपाय....***

मुसीबत न बन जाए हाई हील

जानकारों के अनुसार जब निचले अंगों की नसों के वॉल्व क्षतिग्रस्त हो जाते हैं तब वैरिकोज नसों का गठन होता है। इसकी वजह से हृदय के निचले अंगों से हृदय की ओर रक्त का प्रवाह कम हो जाता है।

पैरों में सूजन

इससे नसों में खून एकत्रित होता रहता है और पैरों में सूजन आ जाती है। यह रोग आमतौर पर पैरों में पाया जाता है।

दर्द, थकान, खुजली

इंडियन मेडिकल असोसिएशन (आईएमए) के नैशनल प्रेसीडेंट डॉ. के के अग्रवाल बताते हैं कि पैर में कई वॉल्व होते हैं जो रक्त को हृदय की दिशा में प्रवाहित होने में मदद करते हैं। वैरिकोस अल्सर दोनों पैरों में हो सकता है। जब ये वॉल्व क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, तो सूजन, दर्द, थकान, खुजली और रक्त के थक्के बनना शुरू हो होता है।

समय पर इलाज जरूरी

यह एक धीमी लेकिन परेशानी करने वाली बीमारी है। यद्यपि लक्षण शुरुआत में हल्के होते हैं, जिस वजह से लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते। इसका इलाज समय पर कराना जरूरी है अन्यथा अल्सर विकसित हो सकता है और इससे एक्जिमा और उच्च रक्तचाप हो सकता है।

पहली बार दौड़ते वक्त न करें ये गलतियां

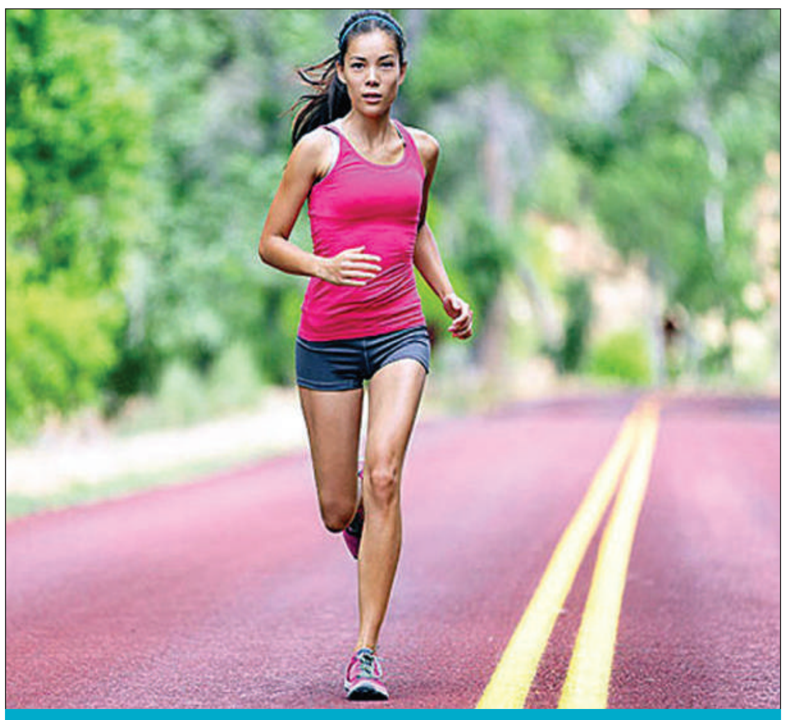

ऐसे बहुत से लोग हैं जो न तो जिम जाते हैं और न ही एक्सरसाइज करते हैं, मगर जब बात दौड़ने की आती है तो वे हर सुबह जूते बांध कर दौड़ने के लिए निकल पड़ते हैं। अगर आप भी दौड़ने वालों की श्रेणी में आना चाहते हैं तो आपको जानना होगा कि ऐसी कौन सी आम गलतियां हैं, जो अच्छे से अच्छे दौड़ने वाले कर जाते हैं। अगर आप लंबे समय से रनिंग करने की सोच रहे हैं, तो कुछ खास बातों का खयाल रखें। इससे आपको दौड़ने में आसानी हो जाएगी।

एड़ियां कम यूज करें

रनिंग के दौरान कभी भी जमीन पर जोर से एड़ियों का दबाव नहीं डालना चाहिए। इससे शरीर पर दबाव भी बढ़ेगा। यह गलती आमतौर पर ज्यादातर लोग करते हैं। इससे आपके जोड़ और हड्डियां चोटिल हो सकती हैं। वहीं खाली पेट नहीं दौड़ना चाहिए।

तेज ना दौड़ें

जो लोग रनिंग के मामले में नए होते हैं, वे तुरंत ही तेजी के साथ भागना शुरू कर देते हैं, जिससे वह आगे चल कर बुरी तरह से थक जाते हैं। इससे रनिंग आपके लिए एक कठिन काम बन जाती है।

आसान लक्ष्य रखें

लोग जोश में आकर लंबा दौड़ने की सोच लेते हैं, लेकिन ध्यान रखना है कि आपकी प्रतिस्पर्द्धा खुद से हो। अगर आप दौड़ में नए हैं और एक ही बार में 5 किमी दौड़ लेना चाहते हैं, तो केवल निराशा ही हाथ लगेगी। इसलिए दौड़ते समय छोटे-छोटे गोल बनाएं और उसे पूरा करें।

गलत जूते ना पहनें

दौड़ने से पहले अपने जूते चेक कर लें कि कहीं उन्हें पहनने से आपके पैरों में दर्द, हिप पेन, जोड़ों में दर्द या कंधे में दर्द तो शुरू नहीं हो गया। अगर आप सही जूते पहनेंगे तो बिना दर्द के लंबा दौड़ पाएंगे।

सराहाह डाउनलोड करने से पहले यह पढ़ें नहीं तो पछताना पड़ेगा

हाल ही में एक नया एप्प तेज़ी से दुनिया भर में पॉपुलर हो रहा है। और भारत में इस एप्प को लेकर लोगों की उत्सुकता इस कदर है कि यह केवल गूगल एप्प स्टोर पर ही नहीं बल्कि हर जगह ट्रेंड कर रहा है। साथ ही सभी फेमस सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी यह चर्चा का विषय बना हुआ है। और इस एप्प का नाम है सराहाह, जो कि एक अरबी शब्द है जिसका मतलब है इमानदारी। इस एप्प को सउदी अरब के एक सॉफ्टवेयर डेवेलपर जैनुल आबेदीन ने बनाया है। अब तक इस एप्प को 50 लाख से भी ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। और भारत में यह एप्प गूगल प्ले स्टोर पर नंबर-1 पर ट्रेंड कर रहा है।

सराहाह एप्प की खासियत यह है कि इस एप्प से मैसेज भेजने वाले की आइडेंटिटी ज़ाहिर नहीं होती है। इस पर मैसेज किसने भेजा है यह पता नहीं लगाया जा सकता है। इसे एप्प की सबसे बड़ी कमी व खूबी, दोनों कह सकते हैं। माना जा रहा है कि इस तरह के एप्प से साइबर बुलिंग का खतरा बढ़ सकता है। क्योंकि कोई भी किसी को किसी भी तरह के आपत्तिजनक मैसेज भेज सकता है। चूंकि सेंडर की पहचान छुपी रहती है तो ऐसे में कोई भी आपको वह सब खुलकर बता पाता है जो वह आपके बारे में सोचता है या फिर आसानी से धमकी भरा संदेश भी भेज सकता है। वैसे भी आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की घटना काफी बढ़ी हुई है। ऐसे में इस एप्प को यूज़ करने के कई संभावित खतरे भी हो सकते हैं।

कैसे करता है ये एप्प काम?

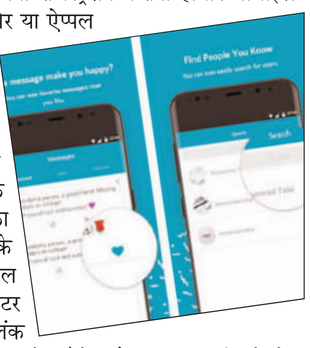

इस एप्प को इस्तेमाल करने के लिए आपको इसकी वेबसाइट पर या मोबाइल एप्प पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। मोबाइल एप्प को आप गूगल प्ले स्टोर या ऐप्पल स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके बाद रजिस्ट्रेशन करने के लिए आपको ईमेल आईडी देनी होगी। रजिस्टर करने के बाद आपको इसका लिंक फेसबुक पर पोस्ट करने का ऑप्शन मिलता है। इसके अलावा आप सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे ट्विटर और स्नैपचैट पर भी यह लिंक पोस्ट कर सकते हैं या फिर प्राइवेट मैसेज के ज़रिए किसी को भेज सकते हैं। दिए हुए लिंक को क्लिक करके कोई भी आपको मैसेज भेज सकता है। लेकिन मैसेज भेजने वाले शख्स के बारे में आपको कोई जानकारी नहीं होगी। आपके सराहाह एप्प पर जैसे ही लिंक के ज़रिए कोई आपको मैसेज भेजता है, आपको एप्प में नोटिफिकेशन मिलेगा, जहां आप मैसेज पढ़ सकते हैं। हालांकि इसके द्वारा भेजे गए मैसेज का फिलहाल रिप्लाई नहीं किया जा सकता है। इस एप्प का यूज़र इंटरफेस काफी आसान है और आने वाले समय में इसमें कुछ नए फीचर्स और लाने की तैयारी है, जिसका ऐलान जल्द किया जाएगा।

कितना सिक्यॉर है ये एप्प?

यह एप्प कितनी सुरक्षित है या कितनी नहीं, इसका पता आपको खुद ही लग जाएगा। क्योंकि इसमें सेंडर की पहचान नहीं हो पाती है, ऐसे में कोई भी आपको कैसा भी मैसेज कर सकता है। वहीं एप्प की सिक्यॉरिटी को लेकर यूज़र्स के मन में कई सवाल हैं। जैसे कि इसमें रजिस्टर करने के लिए आपको अपनी ईमेल आईडी देनी होती है। इमेल आईडी, आईपी अड्रेस और ब्राउज़र की कूकीज़ के जरिये हैकर्स आपको ट्रेस भी कर सकते हैं। साथ ही कुछ यूज़र्स का कहना है कि इस एप्प पर अपने राज़ व खुफिया बातें खोल देने का खामियाजा, फिरौती देकर या ब्लैकमेल होकर न भुगतना पड़े। इस एप्प पर रजिस्टर्ड यूज़र्स को सिर्फ मेसेज रिसीव होते हैं। रिसीवर का डेटा और फेवरिट मेसेज ही सेव होते हैं। भेजने वाले यूज़र की आइडेंटिफिकेशन का कोई तरीका नहीं है क्योंकि वह एक लिंक के जरिये मेसेज भेजता है। ऐसे में यूज़र्स को काफी सोच-समझकर ही इस एप्प पर लॉग-इन करना होगा और नेगेटिव रिस्पॉन्स के लिए भी तैयार रहना होगा। ताकि भविष्य में आपको किसी भी तरह की मुसीबत का सामना ना करना पड़े।

किचन में रखें वास्तु का ख्याल, मिलेंगे कई सारे फायदे

रसोई घर (किचन), घर के सबसे जरूरी हिस्सों में से एक है इसलिए वास्तु के अनुसार किचन की जमावट करने पर घर की सकारात्मक ऊर्जा में ब ?तेरी होती है। किचन में वास्तु उपाय अपनाकर सारे अशुभ प्रभावों को खत्म किया जा सकता है।

– जिस घर में किचन के अंदर ही मंदिर होता है, वहां रहने वाले लोग गरम मिजाज के होते हैं। परिवार के किसी सदस्य को रक्त संबंधी शिकायत भी हो सकती है। इसलिए मंदिर के लिए किचन से बाहर अलग जगह होना चाहिए।

– जिस घर में किचन मेन गेट से जु ?ा हो, वहां पति-पत्नी के बीच बिना कारण आपस में मतभेद पैदा होने लगते हैं। निर्माण में इस बात का

विशेष ध्यान रखना चाहिए।

– जिस घर में किचन व बाथरूम एक सीध में हों, वहां रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। साथ ही जीवन अशांति रहती है। इससे बचने के लिए बाथरूम में कटोरीभर नमक रखें, समय-समय पर इसे बदलते भी रहें।

– जहां किचन के अंदर स्टोर रूम हो और कबा? रखा रहता हो तो गृहस्वामी नौकरी या व्यापार में काफी कठिनाइयों का सामना करना प ?ता है। बचाव के लिए किचन में चांदी का सिक्का रखें।

शादी के लिए यूं बनाएं अपनी मुस्कान चमकदार

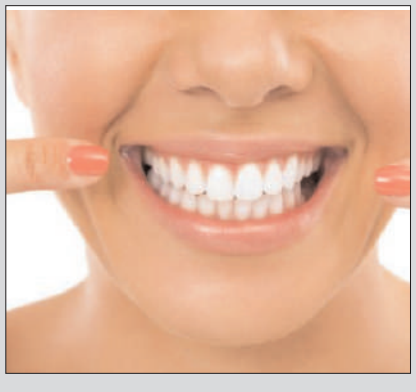

शादी के दिन जहां खूबसूरत दिखने वाले कपड़ों और मेहमानों की मेहमाननवाजी का खास ध्यान रखा जाता है, वहीं कुछ छोटी-छोटी चीजें ऐसी भी

होती हैं जो इस दिन को आपके लिए खास और शानदार बना सकती हैं. ठीक ऐसे ही लाल जोड़े में खूबसूरत सफेद दांतों के साथ शर्माती हुई दुल्हन की मुस्कुराहट उसकी खूबसूरती में चार-चांद लगाती है.

रीजोव क्लीनिक की प्रियंका गोयत और चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान परास्नातक संस्थान (चंडीगढ़) के सोमवीर सिंह ने शादी के इस खास दिन को खूबसूरत सफेद दांतों से खास बनाने के लिए दांतों की देखरेख के संबंध में ये सुझाव दिए हैं =

» जिन खाने की चीजों से दांतों पर दाग, धब्बे पड़ जाते हैं, उन्हें लेने से बचें. सोडा, कॉफी, चाय, ब्लूबेरी, चेरी और सोया सॉस ऐसी चीजों में आते हैं. इसके अलावा शराब नहीं पिएं और धूम्रपान से भी बचें. अगर आप स्टेनिंग वाले पेय पदार्थों को लेना बंद नहीं कर सकती हैं तो फिर इन्हें स्ट्रॉ से पिएं या हर तीन महीने पर दांतों को क्लीनिक में साफ कराएं.

» पानी खूब पिए. इससे न केवल आपके चेहरे पर चमक आती है बल्कि दांतों में भी चमक आती है. शादी के खास दिन भी आप पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं, जिससे आपके शरीर और होंठों पर नमी बरकरार रहेगी और आप सहजता से मुस्कुरा सकेंगी। साथ ही लिपस्टिक भी देर तक टिका रहेगा.

महिलाओं के अलावा पुरुषों के लिए भी स्किन केयर जरूरी

» आप टीथ व्हाइटनिंग ट्रीटमेंट कराएं या न कराएं, लेकिन अपने दांतों की देखभाल जरूर करें. रोज इन्हें अच्छी तरह से साफ करें. रोजाना कम से कम दो बार ब्रश करें और अच्छी तरह गरारा करें. इसके अलावा फ्लॉसिंग भी करें. स्वस्थ सफेद दांतों के लिए नियमित रूप से चेकअप कराना नहीं भूलें.

» शादी के दिन दांतों को और भी ज्यादा खूबसूरत दिखाने के लिए आप चाहें तो प्रिसिजली कट और पॉलिश्ड स्वारोस्की टूथ क्रिस्टल वर्क अपने दांतों पर करा सकती हैं, इससे आपके दांतों को एक्स्ट्रा शाइन मिलेगी.

» शादी का दिन किसी भी लड़की के लिए उसकी लाइफ का खास दिन होता है, इसलिए खूबसूरत दांतों के साथ आकर्षक मुस्कान बिखेरना न भूलें.

ऑफिस टिप्सः जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है कोई काम

ऑफिस के काम से मनचुराने वाले लोगों के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है और इसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ता है. ऐसे में जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है ऑफिस में कोई काम...

हर एक ऑफिस में एक न एक ऐसा कर्मचारी जरूर होता है, जोकि हमेशा 9 से 5 के शेड्यूल में रहना पसंद करता है या फिर यूं कहे कि लंबे लंच ब्रेक के साथ 9:15 से 4: 59 की ऑफिस ड्यूटी ही करता है. इस तरह के लोगों की वजह से ऑफिस का माहौल खराब होता है और दूसरे कर्मचारियों का भी वर्क आउटपुट गिरता है. ऑफिस के काम से मनचुराने वाले लोगों के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है और इसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ता है. ऐसे में जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है ऑफिस में कोई काम...

काम नहीं करने वालों का काम करने से बचें

अगर आपके को-वर्कर के हिस्से का काम आपको करना पड़ रहा है, तो इस चीज को जल्द से जल्द करना बंद करें. जितना हो सके सिर्फ अपने काम पर फोकस रखें और अगर काम न करने वाला को-वर्कर आपसे कोई काम कहते है, तो विनम्र तरीके से उसे न कहना सीख लें. अगर आप ऐसा करना शुरु करते हैं तो इससे दो चीजें होने की संभावना है. पहली ये कि...या तो को-वर्कर की प्रोडक्टिविटी बढ़ जाएगी और दूसरी ये कि आपके मैनेजर को वर्क आउटपुट कम होता दिखने लगेगा.

एक बार जरूर कर लें बात

अगर ऑफिस में आपका साथी काम नहीं कर रहा है और उसकी वजह से आप पर एक्सट्रा प्रेशर पड़ रहा है, तो एक बार अपने साथी से जरूर बात कर लें. इस प्रॉब्लम से बचने के लिए आप उससे अकेले में वन ऑन वन बात क्लियर कर सकते हैं. क्योंकि कई बार पर्सनल लाइफ में चल रही उथल-पुथल के चलते कर्मचारी अपने काम पर 100 प्रतिशत नहीं दे पाता है.

मैनेजर से करें बात

एक टीम मैनेजर हमेशा यही चाहता है कि उसकी टीम अपना बेस्ट दे, क्योंकि अगर टीम का आउटपुट अच्छा नहीं होगा, तो सबसे पहले गाज मैनेजर पर ही गिरेगी. अगर आपको लगता है कि लाख कोशिशों के बावजूद को-वर्कर अपना काम आप पर थोप रहा है, तो एक बार उसके रवैये के बारे में मैनेजर को अवगत कराएं. मैनेजर को बताने का ये फायदा होगा कि इससे पूरी टीम को सफर नहीं करना पड़ेगा और काम से भागने वाला आपका साथी खुद से अपना काम करना शुरु कर देगा या फिर अपने लिए दूसरी नौकरी की तलाश में जुट जाएगा.

संपादकीय

'आधी आबादी' की लड़ाई शेष

महिला आरक्षण बिल नहीं गिरा। टीवी चैनलों के कुछ अधपके, गौरवर्णा एंकरों को यह जानकारी ही नहीं है कि सामान्य विधेयक, कानून और संविधान संशोधन बिल में क्या फर्क है। महिला आरक्षण बिल तो सितंबर, 2023 में संसद सर्वसम्मति से पारित कर चुकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 28 सितंबर, 2023 को पारित बिल पर हस्ताक्षर कर उसे कानून बना दिया था। हालांकि 932 दिनों के बाद कानून की अधिसूचना तब जारी की गई, जब लोकसभा में 131वें संविधान संशोधन बिल पर बहस जारी थी। अब 17 अप्रैल, 2026 को वह संविधान संशोधन बिल लोकसभा में पारित नहीं हो पाया, जो बुनियादी तौर पर महिला आरक्षण के मुद्दे से जुड़ा था। बिल पारित कराने के लिए 352 सांसदों का समर्थन अनिवार्य था, लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा-एनडीए के पक्ष में 298 वोट ही आए और विपक्ष की 230 सांसदों के समर्थन के बावजूद 'राजनीतिक जीत' हुई। संविधान संशोधन के लिए सदन में दो-तिहाई सांसदों का बहुमत अनिवार्य होता है। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कार्यकाल में यह पहला मौका है, जब उसका कोई बिल अथवा संविधान संशोधन लोकसभा में गिरा है। नवंबर, 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने, किसान आंदोलन के मद्देनजर, तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी, जिसकी प्रक्रिया संसद में ही पूरी की गई थी। बहरहाल संविधान संशोधन गिरने के बाद जो भी व्याख्याएं की जाएं, लेकिन महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर लटक कर रह गया है। 1996 से महिला आरक्षण बिल की यही नियति देखते रहे हैं। बिल गिरने के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और फिर विपक्ष के अन्य नेताओं ने यह आग्रह करना शुरू कर दिया है कि प्रधानमंत्री 2023 वाला कानून संसद में ले आएं, जरूरी संशोधन भी करा लें और उसके आधार पर ही महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण लागू कर दें। यह नहीं हो सकता, क्योंकि 2023 के कानून के साथ जनगणना और परिसीमन की अनिवार्यता भी नत्थी है। यदि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों पर ही आरक्षण लागू करना था, तो यह बिल 2010 में ही यूपीए सरकार पारित करा सकती थी। तब राज्यसभा में भाजपा के सहयोग, समर्थन से बिल पारित कराया गया था। मई, 2014 तक कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी, विपक्षी भाजपा भी समर्थन देने को तैयार थी, तो बिल लोकसभा में पेश क्यों नहीं किया गया? अंततः बिल 'लैप्स' हो गया। लोकसभा की मौजूदा संख्या के आधार पर 181 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जानी थीं। तब 'पुरुष वर्चस्ववादी' दलों के उन्हीं नेताओं ने पुरजोर विरोध किया था, जो शुरू से ही महिला आरक्षण के विरोधी थे और अलग-अलग सवाल, संदेह, आशंकाएं जता रहे थे। मनमोहन सरकार गिर भी सकती थी, लिहाजा बिल को नेपथ्य में फेंक दिया गया। अब उन्हीं के 'विरासती नेता' 543 सीटों पर महिला आरक्षण लागू करने की मांग कर रहे हैं। बहरहाल बिल गिरने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने देश की माताओं, बहनों, बेटियों से बात करने का बहाना बना कर राष्ट्र को संबोधित कर महिला आरक्षण को एक 'राजनीतिक मोहरा' बनाने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री ने नारी-शक्ति के सपनों, अरमानों को कुचलने, रौंदने और अंततः भ्रूण-हत्या करने सरीखे शब्दों का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कांग्रेस, सपा, तृणमूल, द्रमुक सरीखे विपक्षी दलों को निशाना बनाया और उन्हें नारी-शक्ति के गुनहगार, संविधान के अपराधी, पापी आदि करार दिया। प्रधानमंत्री ने उन सभी बदलावों, सुधारों को भी गिनाया और कांग्रेस को सुधार-विरोधी, महिला-विरोधी, परजीवी, देश में दरारें पैदा करने वाली पार्टी भी करार दिया। प्रधानमंत्री मोदी संविधान संशोधन गिरने के बाद गुस्से में लगते हैं, पराजय के कारण आक्रोश में भी हैं, लेकिन उन्होंने माताओं-बहनों से क्षमा भी मांगी है, क्योंकि वह बिल पारित नहीं करा सके। चूंकि 23 अप्रैल को बंगाल, तमिलनाडु में मतदान होने हैं, लिहाजा भाजपा और उसके सहयोगी दल सडक़ों पर बिछ गए हैं।

महिला आरक्षण बिल तो सितंबर, 2023 में संसद सर्वसम्मति से पारित कर चुकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 28 सितंबर, 2023 को पारित बिल पर हस्ताक्षर कर उसे कानून बना दिया था। हालांकि 932 दिनों के बाद कानून की अधिसूचना तब जारी की गई, जब लोकसभा में 131वें संविधान संशोधन बिल पर बहस जारी थी। अब 17 अप्रैल, 2026 को वह संविधान संशोधन बिल लोकसभा में पारित नहीं हो पाया, जो बुनियादी तौर पर महिला आरक्षण के मुद्दे से जुड़ा था। बिल पारित कराने के लिए 352 सांसदों का समर्थन अनिवार्य था, लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा-एनडीए के पक्ष में 298 वोट ही आए और विपक्ष की 230 सांसदों के समर्थन के बावजूद 'राजनीतिक जीत' हुई। संविधान संशोधन के लिए सदन में दो-तिहाई सांसदों का बहुमत अनिवार्य होता है। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कार्यकाल में यह पहला मौका है, जब उसका कोई बिल अथवा संविधान संशोधन लोकसभा में गिरा है। नवंबर, 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने, किसान आंदोलन के मद्देनजर, तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी, जिसकी प्रक्रिया संसद में ही पूरी की गई थी। बहरहाल संविधान संशोधन गिरने के बाद जो भी व्याख्याएं की जाएं, लेकिन महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर लटक कर रह गया है। 1996 से महिला आरक्षण बिल की यही नियति देखते रहे हैं।

मोदी ने हाल के दिनों में किसी भी दूसरे पुरुष नेता से ज़्यादा महिलाओं की शिकायतें सुनने का प्रयास किया

संवादहीनता के चलते महिला आरक्षण पर गतिरोध

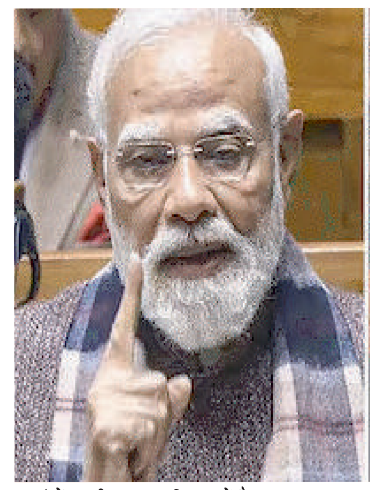

भारतीय राजनीति में 'महिला वोट बैंक' बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उल्लेखनीय परियोजना, जिसके जरिए वे जाति और वर्ग, दोनों की राजनीति को पछाड़ने की उम्मीद रखे हुए हैं, पिछले 12 सालों में वह कल्पनातीत रूप से काफी कारगर रही है। मोदी ने हाल के दिनों में किसी भी दूसरे पुरुष नेता से ज़्यादा महिलाओं की शिकायतें सुनने का प्रयास किया है- शुरुआत गांव के छोटे घरों में इस्तेमाल होने वाले, धुआं पैदा करने वाले चूल्हों को 'उज्ज्वला' स्कीम के तहत गैस सिलेंडर से बदलने की मुहिम से हुई, और फिर उनके बैंक खाते में पैसे डाले गए, खासकर उनके राज्यों में चुनावों से पहले। तो फिर, महिला आरक्षण बिल, जिसे पेश करने की अगुवाई प्रधानमंत्री ने लोकसभा में की, यहां तक कि कुछ राज्यों में जारी चुनाव प्रचार के बीच में संसद का विशेष सत्र बुलाया, वह स्वीकृत क्यों नहीं हो पाया? क्या भारत की महिलाएं राष्ट्रीय 'नारी शक्ति' का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं? इसका जवाब जटिल है, जाहिर है, शुरुआत इस तथ्य से होगी कि देवियों में हमारी गहरी आस्था के बावजूद, दुर्गा से लेकर काली, सरस्वती और लक्ष्मी और भी बहुत सारी, आप पूछ सकते हैं कि भारत में पुरुष-प्रधान समाज की जड़ें इतनी गहरी क्यों हैं। अवश्य ही, हम महिलाएं ही उन जड़ों को सींचने और अपना ही नुकसान करने के लिए ज़िम्मेदार हैं। वरना हरियाणा में महिला-पुरुष अनुपात (879/1,000), पंजाब (895/1,000) व दिल्ली (868/1,000) न होता —मानें या न मानें, 1000 पुरुषों पर 818 महिलाओं के साथ चंडीगढ़ का आंकड़ा देशभर में सबसे नीचे है, राष्ट्रीय सूची में ये सब नीचे क्यों है? (हालांकि हरियाणा का दावा है कि पिछले साल उसका आंकड़ा बढ़कर प्रति 1,000 पुरुषों पर 914 महिलाएं हो गया है।) सवाल उठता है कि केरल के बराबर आबादी वाला पंजाब, दोनों की आबादी लगभग 3 करोड़ है, लिंगानुपात के पैमाने पर देशभर में दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला राज्य क्यों है? केरल (1,084), तमिलनाडु (996), आंध्र प्रदेश और कर्नाटक (दोनों 993) जैसे दक्षिणी राज्यों का प्रदर्शन उत्तरी राज्यों की तुलना में इस पैमाने (और अन्य कई सामाजिक-आर्थिक मापदंडों पर भी) इतना बढ़िया क्यों है? दूसरा सवाल पूछना बनता है कि विपक्षी दल महिला आरक्षण बिल के खिलाफ क्यों हैं? उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लाए उस विधान का समर्थन क्यों नहीं किया, जिससे भारतीय राजनीति में उलटफेर होना तय है? क्या विपक्ष महिला विरोधी है? पिछले कुछ दशकों में महिला आरक्षण कानून का सफर काफी लंबा रहा, जैसा कि मेरी सहयोगी सूर्या पिल्लई ने इस विषय पर कुछ दिन पहले बहुत बढ़िया लिखा था। सच तो यह है कि 2008 में कांग्रेस नीत यूपीए ने ही संसद में महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पेश किया था, और सुनिश्चित किया कि 2010 में पास हो जाए, राज्य सभा में भी, ताकि यह 'लैप्स' न हो (तय अवधि में पास होना अनिवार्य है, परंतु जब कोई कानून राज्यसभा में पास हो जाए, तब 'लैप्स' नहीं होता)। कांग्रेस को अहसास था कि महिला आरक्षण बिल पर उसकी अपनी यूपीए बंटी हुई है (आरजेडी नेता शरद यादव ने 'पर कटी महिलाएं' जैसा कटाक्ष किया था और समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह यादव ने तो यह तक कह डाला कि अगर संसद महिला आरक्षण कानून पास कर देगी तो यह उन महिलाओं के लिए दरवाज़े खोल देगा 'जिन पर फब्ती कसी जाती और सीटियां बजती हैं', ये बिल पर आपसी मतभेद दर्शाता है), जिसका मतलब था कि उसके पास अपने समय की लोकसभाओं में इसे पास करा लेने को कभी भी पर्याप्त संख्या नहीं रही, लिहाजा उन्होंने दूसरा बेहतर विकल्प चुना। कांग्रेस के जोर देने पर मोदी सरकार ने 2023 में यह काम आगे बढ़ाया और सुधार करने के बाद कानून पास किया गया। इसीलिए 2023 में, कांग्रेस और बाकी विपक्ष ने, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एकमत से पास कराने में भाजपा का साथ दिया। और 2026 के बिल में भी यही संदेश मिलना चाहिए था- आम सहमति। जिस प्रकार 2023 में पूरी संसद इस मुद्दे पर सर्वसम्मत थी- केवल दो सांसदों ने बिल के ख़िलाफ़ वोट दिया था- संसद में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने के समर्थन में। इस बार प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और शेष वरिष्ठ भाजपा नेतृत्व को चाहिए था कि विपक्ष को बुलाकर महिला आरक्षण बिल पर उनका समर्थन मांगते। यह भी हो सकता था कि एक संयुक्त संसदीय समिति या कोई विशेष समिति, जिसमें सभी दलों के प्रतिनिधि होते, इस कानून की तमाम धाराओं पर बारीकी से बहस करते -मसलन, क्या इसमें अन्य पिछड़ी जातियों और दलित महिलाओं के लिए 'कोटे के अंदर कोटा' होगा?- और एक बार आम सहमति बन जाने के बाद, नया कानून और उसे लागू करने की रूपरेखा को सदन में रखा जाता। बदकिस्मती से, न तो आम सहमति बनानी चाही और न ही हासिल की जा सकी क्योंकि कोई संवाद नहीं हुआ। इन दिनों संसद इस कदर बंटी हुई है कि सांसद एक-दूसरे से अपमानजनक रूप से बोल रहे हैं, इसके लिए एक बड़े दिल वाले और छोटे अहम वाले नेता की ज़रूरत है, जो छोटी-मोटी बातों और चालबाजियों को भुलाकर दूसरे पक्ष से मेल-मिलाप रखे और संवाद करे। साफ है, महिला आरक्षण बिल का भी वही हाल हुआ है जो 2020 में तीन कृषि कानूनों का हुआ था। ठीक वैसे ही जिस प्रकार केंद्र को तीनों कानून वापस लेने पड़े, क्योंकि उन्हें लाने से पहले किसान संगठनों और राजनीतिक दलों के साथ बहुत कम संवाद या चर्चा की गई थी -शायद पंजाब के एक हिस्से में बतौर पायलट प्रोजेक्ट इन कृषि कानूनों का प्रयोग किया जा सकता था, जिससे दोनों पक्षों को कोई राह मिल जाती- उसी तरह सत्ता पक्ष महिला आरक्षण कानून पास कराने लायक संख्या नहीं जुटा पाया। प्रधानमंत्री लोकसभा में विपक्ष के नेता से कह सकते थेः 'आइए मिलकर इतिहास लिखें। अब समय आ गया है कि महिलाएं कम से कम एक-तिहाई आसमान छूएं। यूं तो देश की कुल आबादी में महिलाओं की गिनती 48-49 प्रतिशत है, लेकिन शुरुआत के लिए, उन्हें 33 फीसदी देते हैं'। इसपर विपक्ष के नेता का जवाब होताः 'हां, चलिए, हम साथ हैं'। दुर्भाग्यवश, मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी और के. कनिमोझी अपनी-अपनी दलीलें देते रहे। संसद किस हद तक बदल गयी है, यह तब साफ हो गया जब प्रियंका गांधी-अमित शाह की एक-दो टिप्पणियां– जिन्हें पुराने दिनों में संसदीय बहस में सलीके से बात काटने और हाजिर जवाबी का आम तरीका माना जाता था– इस पर कुछ सांसद हंसने लगे, कुछ तो घबराए से भी। सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद की कमी से संसद में महिलाओं के मुद्दे पर टकराव हो गया। एक और अहम बात यह कि शुक्रवार शाम को कानून में संवैधानिक संशोधन असफल रहने के 24 घंटे से भी कम समय पहले, सरकार ने गुरुवार देर शाम 2023 नारी शक्ति अधिनियम अधिसूचना जारी कर दी थी। इसका मतलब है कि कानून अभी सक्रिय है और इसे कभी भी लागू किया जा सकता है।

महिला आरक्षण बिल, जिसे पेश करने की अगुवाई प्रधानमंत्री ने लोकसभा में की, यहां तक कि कुछ राज्यों में जारी चुनाव प्रचार के बीच में संसद का विशेष सत्र बुलाया, वह स्वीकृत क्यों नहीं हो पाया? क्या भारत की महिलाएं राष्ट्रीय 'नारी शक्ति' का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं? इसका जवाब जटिल है, जाहिर है, शुरुआत इस तथ्य से होगी कि देवियों में हमारी गहरी आस्था के बावजूद, दुर्गा से लेकर काली, सरस्वती और लक्ष्मी और भी बहुत सारी, आप पूछ सकते हैं कि भारत में पुरुष-प्रधान समाज की जड़ें इतनी गहरी क्यों हैं। अवश्य ही, हम महिलाएं ही उन जड़ों को सींचने और अपना ही नुकसान करने के लिए ज़िम्मेदार हैं।

देश | दुनिया से

इन्फ्लुएंसर संस्कृति और संस्कारों का संकट

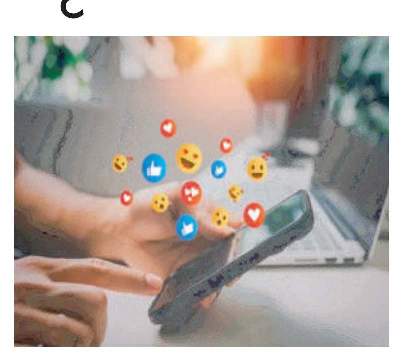

आज का युग तकनीक का युग है, जहां सोशल मीडिया ने सूचना, मनोरंजन और अभिव्यक्ति को हमारी हथेली पर समेट लिया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म्स ने दुनिया को छोटे-छोटे स्क्रीन्स में कैद कर दिया है। भारत में सोशल मीडिया यूजर्स की संख्या लगातार बढ़ रही है- 2025 तक युवा वर्ग में 83 प्रतिशत जेन-जेड खुद को कंटेंट क्रिएटर मानते हैं (यूट्यूब इंडिया रिपोर्ट)। इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग पर 2024 में 290 मिलियन डॉलर खर्च हुए, जो 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। लेकिन यह सुविधा कितनी खतरनाक साबित हो रही है? क्या हम अपने बच्चों को सही संस्कार दे पा रहे हैं, या उन्हें एक ऐसी आभासी दुनिया में अकेला छोड़ रहे हैं जहां वायरल होना ही जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य बन गया है। यह प्रश्न अब औपचारिक चिंता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकट बन चुका है। इन्फ्लुएंसर संस्कृति ने युवाओं की सोच को पूरी तरह बदल दिया है। पहले सफलता का मतलब था परिश्रम, शिक्षा, नैतिकता और मेहनत। आज सफलता का पैमाना व्यूज, लाइक्स, फॉलोअर्स और ट्रेंडिंग है। युवा सोचते हैं कि एक वायरल रील या प्रैंक उन्हें रातोंरात स्टार बना देगा। परिणामस्वरूप, भद्दे प्रैंक्स, अश्लील कंटेंट, विवादास्पद बयान और झूठी खबरों की बाढ़ आ गई है। मनोरंजन के नाम पर जो कुछ प्रस्तुत किया जा रहा है, वह समाज के नैतिक ताने-बाने को कमजोर कर रहा है। 14-16 वर्ष के बच्चों में 76 प्रतिशत सोशल मीडिया का उपयोग मनोरंजन के लिए करते हैं, जबकि शिक्षा के लिए केवल 57 प्रतिशत (सरकारी सर्वे 2024)। यह असंतुलन युवाओं को सस्ती लोकप्रियता की होड़ में धकेल रहा है। हिमाचल प्रदेश की यूट्यूबर इशिता पुंडीर का हालिया मामला इसका जीता-जागता उदाहरण है। अप्रैल 2026 में उन्होंने भारतीय सेना के जवानों की पत्नियों-गर्लफ्रेंड्स के प्रति निष्ठा पर अमर्यादित टिप्पणी की। 'आर्मी वाले अपनी बीवी या गर्लफ्रेंड के प्रति वफादार नहीं होते', जैसी बात कहकर उन्होंने लाखों फॉलोअर्स वाले अपने प्लेटफॉर्म पर वीडियो पोस्ट किया। इस पर भारी आक्रोश हुआ, एफआईआर दर्ज हुई और इशिता को माफी मांगनी पड़ी। यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि इन्फ्लुएंसर संस्कृति की बीमारी का प्रतीक है, जिसमें प्रसिद्धि के लिए किसी भी सीमा को लांघा जा सकता है। युवा देखते हैं कि विवाद खड़ा करके ट्रेंडिंग पर आना आसान है, तो नैतिकता की चिंता क्यों करें? इसी तरह, प्रैंक्स और रील्स की होड़ मनोरंजन की सीमा पार कर चुकी है। किसी को डराना, अपमानित करना, भावनाओं से खेलना- इसे हास्य नहीं माना जा सकता। बच्चे और किशोर जब ऐसे कंटेंट देखते हैं, तो इसे सामान्य व्यवहार समझने लगते हैं। इससे आक्रामकता बढ़ती है। हिमाचल के सरकाघाट (मंडी जिले) में 19 वर्षीय सिया गुलेरिया की दुखद हत्या इसका उदाहरण है। अप्रैल 2026 में एक युवक ने सिकल से उनका गला काट दिया। यह घटना केवल एक अपराध नहीं, बल्कि उस मानसिकता का प्रतिबिंब है जो सोशल मीडिया पर लगातार हिंसक, उग्र और असंवेदनशील कंटेंट से पनप रही है। हेट स्पीच, गाली-गलौज और साइबर बुलिंग अब रोजमर्रा की बात हो गई है। अध्ययनों से पता चलता है कि सोशल मीडिया पर तीन घंटे से ज्यादा समय बिताने वाले युवाओं में डिप्रेशन और एंग्जायटी का खतरा दोगुना हो जाता है। समाज में बढ़ती असहिष्णुता, आक्रामकता और भावनात्मक असंतुलन इसी का परिणाम है। बच्चों के संस्कार उनके वातावरण से बनते हैं। पहले घर में नैतिक शिक्षा, अनुशासन, बड़ों का सम्मान और संवाद होता था। आज हर घर में मोबाइल है, हर सदस्य अपनी स्क्रीन में खोया है। पारिवारिक संवाद लगभग समाप्त हो चुका है। अभिभावकों की भूमिका अब और महत्वपूर्ण हो गई है। बच्चों को मोबाइल के हवाले कर देना घातक है। उन्हें समझाना जरूरी है कि क्या सही है और क्या गलत। माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए, उनकी बात सुननी चाहिए और डिजिटल लिटरेसी सिखानी चाहिए। स्क्रीन टाइम सीमित करना, ऑफलाइन गतिविधियां बढ़ाना और सकारात्मक आदर्श प्रस्तुत करना आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षा प्रणाली को भी इस चुनौती का सामना करना होगा। स्कूल केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का केंद्र हैं। पाठ्यक्रम में डिजिटल नैतिकता, साइबर सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को शामिल करना चाहिए। शिक्षकों का सम्मान लौटाना आवश्यक है, क्योंकि वे समाज के सच्चे मार्गदर्शक हैं। पुस्तकों की ओर बच्चों को प्रेरित करना भी जरूरी है, क्योंकि सच्चा ज्ञान स्क्रीन से नहीं, किताबों से मिलता है। अध्ययनों में पाया गया है कि सोशल मीडिया की वजह से छात्रों का ध्यान भटकता है, नींद कम होती है और अकादमिक प्रदर्शन गिरता है। हिमाचल प्रदेश जैसे शांत राज्य में भी नशे की समस्या बढ़ रही है। 2025 के पहले तीन महीनों में 597 एनडीपीएस मामले दर्ज हुए, 29 प्रतिशत की वृद्धि। जेलों में 40-45 प्रतिशत कैदी नशीले पदार्थों से संबंधित हैं। 'चिट्टा' (हेरोइन) जैसी सिंथेटिक ड्रग्स युवाओं को बर्बाद कर रही हैं। सोशल मीडिया पर नशे को आकर्षक लाइफस्टाइल दिखाया जाता है, जो युवाओं को प्रभावित करता है। यह सामाजिक चेतना की कमी का प्रमाण है। दुनिया के कई देशों ने इस संकट को पहचाना और सख्त कदम उठाए। चीन ने इन्फ्लुएंसर्स पर कड़ा नियंत्रण लगाया, फाइनेंस, हेल्थ, लॉ जैसी संवेदनशील विषयों पर बोलने के लिए डिग्री या प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिया। अयोग्य कंटेंट पर खाते बंद किए गए। ऑस्ट्रेलिया ने दिसंबर 2025 से 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया- प्लेटफॉर्म्स पर भारी जुर्माना। ब्रिटेन भी इसी दिशा में कानून बना रहा है। यूएई में भ्रामक कंटेंट पर सख्त सजा है। ये उदाहरण साबित करते हैं कि इच्छाशक्ति हो तो सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोका जा सकता है। भारत में भी तत्काल कार्रवाई जरूरी है। अश्लीलता, हिंसा, नशा या घृणा फैलाने वाले इन्फ्लुएंसर्स के खातों को ब्लॉक करना चाहिए। आईटी एक्ट को और मजबूत बनाकर सख्त कानून लागू हों। समाज को मिलकर सकारात्मक कंटेंट प्रोत्साहित करना चाहिए।

कुछ | अलग

बकरा नहीं कटेगा

सरकारों के आचरण में यह खूबी है कि किसी भी वस्तु या व्यक्ति की कीमत तय कर दे। कई बार सुशासन की जरूरत में भी तय कीमतों की नुमाइश होती है और यही वजह थी कि जिला के डीसी महोदय ने बकरे के मीट तक के दाम तय कर दिए। हैरानी यह हुई कि बढ़ी हुई कीमत पर बकरा कटने को तैयार नहीं था। बकरा दरअसल कसाई से दोस्ती कर बैठा था, इसलिए अपनी मौत के बजाय उसे कसाई की खुशहाल जिंदगी का फिक्र था। वह किलो के हिसाब से नहीं बिकना चाहता था, बल्कि चाहता था कि पूरे शरीर का मोल तय हो। उसे मालूम था कि बिकना तो एक ही बार है, तो कम दाम पर क्यों बिके। लोगबाग अपना मूल्य तय करने के लिए राजनीतिक पार्टियां तक बदल देते हैं, ताकि सशरीर बिकें। वैसे बकरे और किसी नेता के बीच बिकने की कोशिश एक जैसी ही है। बस इतना सा अंतर है कि बकरे के पास एक ही बार बिकने का मौका होता है, जबकि राजनेता लगातार बिक सकता है और कई तरह से बिक सकता है। खैर डीसी साहेब कोशिश कर रहे थे कि बकरे के मीट से पालने, काटने व खाने वाले को कुछ न कुछ फायदा मिले, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। बढ़े हुए रेट पर भी इन तीनों की तसल्ली नहीं हो रही थी। डीसी को रिपोर्ट मिली कि इस तरह तो बकरे कटेंगे ही नहीं। प्रशासन और कसाइयों के बीच टकराव बढ़ता जा रहा था। बकरे पालने वाले चाहते थे कि एकमुश्त कीमत बढ़े। कसाई चाहते थे कि मीट प्रति किलो सौ रुपए बढ़ जाए, तो ग्राहक चाहते थे कि ज्यादा बकरे कटें, लेकिन मूल्य वही पुराना रहे। अंततः बकरा पालक डीसी के पास पहुंचे, 'सर बकरे चालाक हो गए हैं।

आप का | नज़रिया

बिगड़ता लेखा-जोखा

अभी हिमाचल के शिमला विश्वविद्यालय का वार्षिक खर्चा सामने आया तो लेखा-जोखा बताता है कि इसे चलाने के लिए एक साल में तकरीबन 341 करोड़ चाहिएं। अब इसमें कितना अनुदान और कितना छात्रों का योगदान है, यह तो हम सोचते नहीं। कई अन्य विश्वविद्यालय भी बूढ़ी अम्मा बन के रूठे हैं। पालमपुर के कृषि विश्वविद्यालय की औकात यह कि वेतन-पेंशन की ही देनदारी 110 करोड़ पहुंच गई। सोलन में बागबानी विश्वविद्यालय के अलग तरह के ठाठ हैं, तो किस्मत की फकीरी में मंडी यूनिवर्सिटी भी पत्ता-पत्ता, बूटा-बूटा गिन रही है। यानी इन चारों विश्वविद्यालय को चलाने के लिए हजार करोड़ तो चाहिएं और अगर मेडिकल कालेजों की फेहरिस्त को भी समेट लीजिए तो करीब इतना ही और धन मटके में चाहिए ताकि सरकारों के लटके-झटके कायम रहें। इसलिए पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल जब कहते हैं कि सरकारों को जनता की हर ख्वाहिश को अमल में लाने से पहले कसौटी पर सोचना होगा। अब मुसीबत यह कि छात्र संख्या के आधार पर कई स्कूलों को अपना बोरिया बिस्तर गोल करना पड़ रहा है, लेकिन इस पर भी सियासत का मूड विद्रोही हो जाता है। जमा दो स्कूलों में सारे विषयों की हिफाजत करते हुए जितने मास्टर जी चाहिएं, उतने बटोरते-बटोरते बजट बूढ़ा हो जाता है। ऐसा एक घाटे का मॉडल भी विजयी होता है क्योंकि विधायक महोदय को खालिस होर्डिंग चाहिए, जो जिक्र करे। अमूमन सौ-एक सौ बीस संख्या के सरकारी जमा दो स्कूलों में चौदह से सौलह तक लेक्चरर होते हैं और इस तरह के बजटीय आबंटन में हर महीने चाहिएं बीस से पच्चीस लाख। वैसे सरकार की एक इलेक्ट्रिक बस भी पौने दो करोड़ की आ रही है, तो यह मजमा है मेरे भाई, जितना चाहो सजा लो। किसी को कहां याद रहता है कि हर सरकार को अब कितने स्कूल-कालेज बंद करने पड़ेंगे या पर्यटन विकास निगम के होटल लीज पर बाहर निकालने पड़ेंगे। गनीमत यह है कि सरकारें निकम्मे होटलों की फेहरिस्त में भी नए परिसर बनाना जानती हैं। बनते रहे हैं, अब भी बन रहे हैं। ध्यान रखें जहां सरकारी होटल बन रहा होगा, वहां का नेता बड़े ही प्रभाव वाला होगा। आखिर जनता की मांग है, जो हाकिमों को मालूम है। ऐसे में एक लाख करोड़ तक पहुंचे ऋण की सफेद आलोचना करने के बजाय यह सोचें कि ऋण आखिर कर क्या रहा है। हमने इसे भी कलाकार मान लिया है या आलोचना का त्योहार बना दिया। एक निकम्मे स्कूल को अगर बंद करके 25 लाख बचा दें, तो ऐसे अनेक नासूर खोजने होंगे। इसी तरह कालेज और अनावश्यक विश्वविद्यालय व मेडिकल कालेज हिमाचल की मिट्टी को कर्ज में डुबो रहे हैं। हिमाचल की संपूर्णता में विकास चाहिए, लेकिन ख्वाहिशों के पतंग हर आसमान पर नहीं चाहिएं। कभी सरकारी संस्थान नौकरी का जरिया बने,, लेकिन अब यही हमारी आर्थिकी का प्रस्थान करवा रहे हैं। आश्चर्य यह कि हमने पढ़ाई की पाठशाला में तो पूरा ध्यान लगाया, मगर रोजगार के ढांचे पर गौर नहीं फरमाया। अगर आधा दर्जन ट्रांसपोर्ट नगर, आधा दर्जन आईटी पार्क, हर गांव से शहर तक निवेश केंद्र और बाजार विकसित किए होते, तो हमारे संसाधन रोजगार पैदा करते। तस्वीर का दूसरा पहलू यह कि हिमाचल प्रवासी मजदूरों, रेहड़ी पर विक्रेताओं, मैकेनिक तथा हुनरबाजों का प्रदर्शनी मैदान बन गया। कभी गौर करना आपके गांव और शहर से कितना रोजगार निर्यात हो रहा है। बेशक आर्थिकी बढ़ रही है, लेकिन हजारों करोड़ के धंधे बाहर के लिए बिक रहे हैं और हालत यह कि अब सिड्डू की रेहड़ी भी प्रवासी लगाते हैं। कहां हैं हमारे पालिटेक्नीक संस्थान और कहां जा रहा है औद्योगिक, पर्यटन व नवनिर्माण से जुड़ा रोजगार। ऐसे में स्कूलों-कालेजों के बजाय रोजगार पैदा करने वाली अधोसंरचना चाहिए।

सोलन में बागबानी विश्वविद्यालय के अलग तरह के ठाठ हैं, तो किस्मत की फकीरी में मंडी यूनिवर्सिटी भी पत्ता-पत्ता, बूटा-बूटा गिन रही है। यानी इन चारों विश्वविद्यालय को चलाने के लिए हजार करोड़ तो चाहिएं और अगर मेडिकल कालेजों की फेहरिस्त को भी समेट लीजिए तो करीब इतना ही और धन मटके में चाहिए ताकि सरकारों के लटके-झटके कायम रहें। इसलिए पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल जब कहते हैं कि सरकारों को जनता की हर ख्वाहिश को अमल में लाने से पहले कसौटी पर सोचना होगा। अब मुसीबत यह कि छात्र संख्या के आधार पर कई स्कूलों को अपना बोरिया बिस्तर गोल करना पड़ रहा है, लेकिन इस पर भी सियासत का मूड विद्रोही हो जाता है। जमा दो स्कूलों में सारे विषयों की हिफाजत करते हुए जितने मास्टर जी चाहिएं, उतने बटोरते-बटोरते बजट बूढ़ा हो जाता है। ऐसा एक घाटे का मॉडल भी विजयी होता है क्योंकि विधायक महोदय को खालिस होर्डिंग चाहिए, जो जिक्र करे। अमूमन सौ-एक सौ बीस संख्या के सरकारी जमा दो स्कूलों में चौदह से सौलह तक लेक्चरर होते हैं और इस तरह के बजटीय आबंटन में हर महीने चाहिएं बीस से पच्चीस लाख। वैसे सरकार की एक इलेक्ट्रिक बस भी पौने दो करोड़ की आ रही है, तो यह मजमा है मेरे भाई, जितना चाहो सजा लो। किसी को कहां याद रहता है कि हर सरकार को अब कितने स्कूल-कालेज बंद करने पड़ेंगे या पर्यटन विकास निगम के होटल लीज पर बाहर निकालने पड़ेंगे। गनीमत यह है कि सरकारें निकम्मे होटलों की फेहरिस्त में भी नए परिसर बनाना जानती हैं।

दृष्टि | कोण

अब भारत में बढ़ी महंगाई की चुनौती

यकीनन इस समय पश्चिमी एशिया में संघर्ष का असर भारत में महंगाई बढने के रूप में भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, माल ढुलाई के महंगा होने और तेल आपूर्ति बाधाओं के कारण दुनिया के साथ-साथ भारत में भी महंगाई बढ़ रही है। यद्यपि भारत में महंगाई अमरीका सहित दुनिया के अधिकांश देशों में तेजी से बढ़ती हुई महंगाई से बहुत कम है, लेकिन इस महंगाई का भारत की आर्थिकी और आम आदमी पर असर दिखाई देने लगा है। हाल ही में 13 अप्रैल को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर बढक़र 3.4 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 3.21 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई दर 3.63 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में खुदरा महंगाई दर 3.11 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई है। इसी प्रकार 15 अप्रैल को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मार्च 2026 में थोक महंगाई दर बढक़र 3.88 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई। यह फरवरी माह में 2.13 प्रतिशत के स्तर पर थी। स्थिति यह है कि थोक मूल्य की यह महंगाई 38 महीने के उच्चतम स्तर पर है। निःसंदेह खाड़ी देशों से आयातित कच्चे माल के महंगे होने और ईंधन, बिजली व गैस की कीमतों में वृद्धि से आम आदमी के जीवन से जुड़ी वस्तुएं, रसोई से लेकर कपड़े और घरेलू उपकरण आदि महंगे हुए हैं। खास तौर से आयातित पेट्रोकेमिकल से जुड़े कच्चा माल के महंगे होने से पेंट सहित विभिन्न उत्पादों की कीमतें अधिक बढ़ी हैं। साबुन, पेस्ट, बिस्किट जैसे एफएमसीजी प्रोडक्ट्स बनाने वाली कई कंपनियां पैकेट छोटे करने की रणनीति पर भी आगे बढ़ी हैं। इतना ही नहीं, देश में महंगाई बढने की एक नई चिंता यह भी है कि हाल ही में 13 अप्रैल को भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है, जिससे कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि भारतीय मौसम विभाग ने वर्ष 2023 के बाद पहली बार बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत रहने की संभावना बताई है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। यद्यपि पिछले आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मॉनसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव समान रहा तब खरीफ का उत्पादन कम नहीं हुआ, किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली दलहन और तिलहन जैसी फसलों के लिए जोखिम हो सकती है। साथ ही दलहन और तिलहन का कम उत्पादन खाद्य मुद्रास्फीति पर असर डाल सकता है। ऐसे में महंगाई नियंत्रण के लिए राहत और सुधारों को तेजी से लागू करने की बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। यह उल्लेखनीय है कि हाल ही में वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों व वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों में अमरीका और ईरान के बीच टकराव के लंबा खींचने पर भारत की विकास दर में कमी और महंगाई के बढने के अनुमान प्रस्तुत किए गए हैं। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध और ऊर्जा कीमतों व आपूर्ति बाधाओं के कारण भारत में विकास दर धीमी हो सकती है और महंगाई बढ़ सकती है। मूडीज रेटिंग्स ने भारत की विकास दर के अनुमान को घटाते हुए चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6 प्रतिशत कर दिया, जो पहले 6.8 प्रतिशत आंका गया था। मूडीज ने चालू वित्त वर्ष में औसत महंगाई दर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया, जो 2025-26 के 2.4 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में महंगाई दर के भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा निर्धारित चार प्रतिशत के लक्ष्य दायरे से ऊपर जाना चुनौतीपूर्ण होगा।

आईपीएल 2026 : कोनाली ने की प्रियांश आर्य की तारीफ कहा- हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखते हैं

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के युवा आलराउंडर कूपर कोनाली ने अपनी निरंतरता और समझदारी भरी बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 46 गेंदों पर 87 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि उनके साथी प्रियांश आर्य की 37 गेंदों में 93 रनों की तूफानी पारी ने ज्यादा सुर्खियां बटोरीं।

दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर महज 80 गेंदों में 182 रनों की बेहतरीन साझेदारी की, जो इस सीजन की सबसे प्रभावशाली साझेदारियों में से एक रही। मैच के बाद कोनाली ने कहा कि वह और आर्य एक-दूसरे से लगातार सीख रहे हैं और अपने खेल को बेहतर बना रहे हैं।

कोनाली ने कहा, हर खिलाड़ी का अपना तरीका होता है। हम इस पर चर्चा करते हैं कि किसके लिए क्या बेहतर काम करता है और हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखते हैं। हमारा लक्ष्य लगातार बेहतर बनना और टीम को आगे ले जाना है।

इस सीजन में कोनाली ने अब तक 223 रन बनाए हैं, जो टीम के अन्य प्रमुख बल्लेबाजों प्रियांश आर्य (211), प्रभसिमरन सिंह (211) और श्रेयस अय्यर (208) से ज्यादा हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी ताकत के अनुसार खेलने और अनावश्यक जोखिम न लेने को दिया।

उन्होंने कहा, हर खिलाड़ी को अपनी ताकत पहचाननी चाहिए और उसी पर टिके रहना चाहिए। विपक्षी टीम आपकी कमजोरी ढूंढती है, लेकिन जरूरी है कि आप उसे समझें और उस पर काम करें।

कोनाली के प्रदर्शन में टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग की भूमिका भी अहम रही है। पोंटिंग के मार्गदर्शन में उन्हें अपने खेल को निखारने का मौका मिला है। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर की नेतृत्व क्षमता की भी उन्होंने सराहना की।

कोनाली ने कहा, पोंटिंग और श्रेयस की जोड़ी टीम को सही दिशा दे रही है। श्रेयस एक शानदार लीडर हैं, जो टीम को सहज माहौल देते हैं और हर खिलाड़ी को बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं। पंजाब किंग्स का मौजूदा प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है और खिलाड़ियों के बीच तालमेल मजबूत हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बोस्टन मैराथन 2026: खिताब बचाने उतरेगी जान कोरिर और शेरोन लोकेडी

बोस्टन। बोस्टन मैराथन 2026 में मौजूदा चैंपियन जान कोरिर और शेरोन लोकेडी अपने-अपने खिताब बचाने के इरादे से सोमवार को दौड़ेंगे। इस बार दोनों वर्गों में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलने की उम्मीद है। पुरुष वर्ग में केन्या के धावक जान कोरिर लगातार चौथा मैराथन खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेंगे। उन्होंने पिछले साल शिकागो और वालेंसिया मैराथन में भी जीत दर्ज की थी। बोस्टन मैराथन 2025 में शुरुआती गिरावट के बावजूद उन्होंने 2:04:45 का समय निकालते हुए इतिहास का तीसरा सबसे तेज प्रदर्शन किया था। इस बार कोरिर को केन्या के बेन्सन किप्रूटो, तंजानिया के अल्फोंस फेलिक्स सिम्बू और केन्या के साइब्रियन कोटुट से कड़ी चुनौती मिलेगी। किप्रूटो, जिन्होंने न्यूयार्क सिटी मैराथन भी जीती है, 2:02:16 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ इस रेस के सबसे तेज धावक हैं। महिला वर्ग में शेरोन लोकेडी भी खिताब बचाने उतरेंगी। उन्होंने पिछले साल 2:17:22 का समय निकालकर कोर्स रिकार्ड तोड़ा था और हेलेन ओबिरी के दो साल के दबदबे का अंत किया था। लोकेडी को इस बार केन्या की इरीन चेप्टाई और इथियोपिया की वर्केनेश एदेसा से चुनौती मिलेगी, जिन्होंने हाल के मैराथन में शानदार प्रदर्शन किया है। जान कोरिर ने कहा कि इस बार प्रतिस्पर्धा का स्तर काफी ऊंचा है और अगर सब कुछ सही रहा तो वह कोर्स रिकार्ड को भी चुनौती देने की कोशिश करेंगे। बोस्टन मैराथन 2026 में दुनिया के शीर्ष धावकों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी, जहां तेज समय और नए रिकार्ड बनने की पूरी संभावना है ।

धोनी की वापसी को लेकर मुझे जानकारी नहीं : कोच हसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह अभी तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में एक भी मैच में नहीं उतरे हैं। इससे धोनी के प्रशंसक आशंकित हैं और उनको लग रह है कि कहीं धोनी संन्यास तो नहीं ले रहे क्योंकि वह 44 साल के हो रहे हैं और लीग शुरु हुए महीना पूरा होने जा रहा है। इसी को लेकर जब टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी से पूछा गया तो उनका भी कहना है कि धोनी की वापसी को लेकर उन्हें जानकारी नहीं है। धोनी आईपीएल की शुरुआत से पहले ही अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गये थे। उनकी पिंडली में चोट लगी थी जिससे वह उबर रहे हैं और टीम के साथ यात्रा भी कर रहे हैं। सीएसके प्रबंधने ने भी अभी तक ये नहीं जानकारी दी है कि वह कब तक वापसी करेंगे। हसी के अनुसार धोनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं पर अभी मैच के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। हसी से जब पूछा गया कि क्या धोनी की वापसी को लेकर कोई योजना है, तो उन्होंने कहा, नहीं, मुझे नहीं पता। मुझ बस इतनी जानकारी है कि वह अपनी रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और मैं उनकी बल्लेबाजी से उत्साहित हूं। हसी ने आगे कहा, वापसी इसपर आधारित रहेगी कि वह दौड़ने की स्थिति में हैं या नहीं क्योंकि वह पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करने उतरेंगे। ऐसे में उन्हें तेजी से एक या दो रन लेने होंगे। उन्हें देखना होगा कि दौड़ आसानी से लगा पा रहे हैं या नहीं।

शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को बाहर करे मुम्बई इंडियंस : श्रीकांत

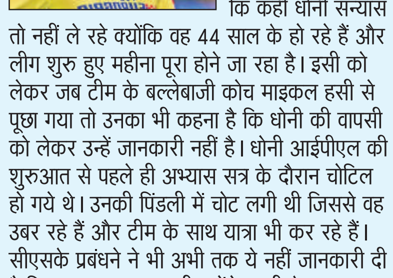

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन कर रहे मुम्बई इंडियंस के आलराउंडर शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को आड़े हाथों लिया है। श्रीकांत ने कहा है कि इन दोनो को ही घर वापस भेज देना चाहिये क्योंकि ये दोनो ही अंतिम ग्यारह में रखे जाने के योग्य नहीं दिखते। श्रीकांत ने मुंबई इंडियंस के प्रबंधन से कहा है कि इन दोनो को आगे के मैचों में शामिल न करे। श्रीकांत ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुंबई इंडियंस कैसे दीपक चाहर को अंतिम ग्यारह में शामिल किये हुए है। पहले ही ओवर में चाहर ने 21 रन दिए और फिर 22 रन दिए थे। 2.3 ओवर में 45 रन। वहीं शार्दुल ने 3 ओवर में 42 रन दिए। उन्होंने एक साथ 5.3 ओवर किए और 87 रन खर्च किए। उन्होंने साथ ही कहा, इस प्रकार के गेंदबाजों के साथ किया प्रकार से जीता जा सकता है। श्रीकांत इन दोनो से इतने नाराज दिखे की उन्होंने कहा कि इन्हें पैसे देकर आराम से घर बैठने को कहो। जब जरुरत होगी इन्हें बुला लिया जाएगा।

आईपीएल में लगातार 4 मैच हारने के बाद जीती मुंबई

गुजरात को 99 रन से हराया, तिलक वर्मा का शतक, अश्विनी कुमार को 4 विकेट

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल सीजन में लगातार 4 मैच हारने के बाद जीत हासिल कर ली है। टीम ने सोमवार को गुजरात टाइटंस को 99 रन से हराया। यह इस सीजन किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सोमवार को गुजरात ने टॉस जीता और गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 199 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम 15.5 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई।

तिलक वर्मा के शतक ने मुंबई को 199 तक पहुंचाया पहले बैटिंग कर रही मुंबई ने पावरप्ले में 48 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए थे। ओपनर क्विंटन डी कॉक 13, डेब्यू मैच खेल रहे दानिश मालेवर 2 और नमन धीर 45 रन बनाकर आउट हुए।

नंबर-5 पर उतरे तिलक वर्मा ने 45 बॉल पर 101 रन बनाकर मुंबई को 199 रन तक पहुंचाया। इस पारी में 8 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। नमन धीर ने 45 रन बनाए। त्रद्ध से कगिसो रबाडा ने 3 विकेट लिए।

गुजरात की खराब शुरुआत, पावरप्ले में 3 विकेट गंवाए 200 रन का टारगेट चेज कर रही गुजरात की शुरुआत खराब रही। टीम पहली बॉल पर विकेट गंवाया। जब बुमराह ने साई सुदर्शन को डेब्यू मैच खेल रहे क्रिष भगत के हाथों कैच कराया। टीम ने पावरप्ले में 45 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए थे। इनमें जोस बटलर (5 रन) और कप्तान शुभमन गिल (14 रन) के विकेट शामिल थे। पावरप्ले के आखिरी ओवर में गिल को आउट करने वाले अश्विनी कुमार ने 4 विकेट झटके। उन्होंने राहुल तेवतिया (8 रन), शाहरुख खान (17 रन) और राशिद खान (4 रन) को पवेलियन भेजकर गुजरात की वापसी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आखिरकार गुजरात की पूरी टीम 15.5 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई।

मुंबई इंडियंस इस जीत से इस सीजन की पॉइंट्स टेबल के 7वें नंबर पर आ गई है। टीम के पास 4 अंक हैं। वहीं, गुजरात हार के बावजूद छठे नंबर पर है।

गेंदबाजी और पिच के मिजाज पर बात करते हुए शुभमन गिल ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि हमने बीच के ओवरों में बहुत ज्यादा रन लुटा दिए। इस तरह की विकेट पर 160-170 रन का स्कोर काफी था। पिच थोड़ी धीमी थी और गेंद उम्मीद के मुताबिक बल्ले पर नहीं आ रही थी। कुछ गेंदें नीचे रह रही थीं तो कुछ रुककर आ रही थीं। मुझे लगता है कि हम बीच के ओवरों में सही लेंथ पर लगातार गेंदबाजी नहीं कर पाए, जो हमें करनी चाहिए थी। हार के बावजूद गिल ने इसे एक सबक की तरह लिया है। ओस के प्रभाव पर चर्चा करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि पिच में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया था। गिल ने कहा, 'मुझे लगता है कि पिच दोनों पारियों में लगभग एक जैसी ही थी। अगर कुछ बदलाव हुआ भी तो दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए स्थितियां थोड़ी बेहतर हुई थीं क्योंकि तब मैदान पर ओस मौजूद थी। यह हमारे लिए एक छोटी सी अड़चन है लेकिन इस मैच से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला है। अब हमारे अगले कुछ मैच बाहर हैं और मुझे उम्मीद है कि हम मजबूती से वापसी करेंगे और फिर से जीत की राह पर लौटेंगे।'

आलोचकों के निशाने पर आये पाकिस्तान के रिजवान

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान पिछले कुद समय से अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं। इसी कारण वह टीम में भी वापसी नहीं कर पा रहे हैं। यहां तक कि पाक सुपरलीग पीएसएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिससे उनकी टीम लीग से बहार हो गयी है।

टीम के प्लेआफ से बाहर होने के बाद रिजवान ने भी स्वीकार किया है कि उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने हालांकि माना है कि अभी उन्हें टी20 टीम में जगह नहीं मिल सकती पर वह इसके बाद भी हार न मानते हुए वापसी के लिए पूरा प्रयास करेंगे। रिजवान ने कहा कि उन्होंने पहले भी स्वीकार किया था कि खराब प्रदर्शन के आधार पर वह टीम में जगह के अधिकारी नहीं हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बिग बैश लीग (बीबीएल) खेल रहा था, तब भी मैंने कहा था कि इस प्रदर्शन के आधार पर मैं अभी पाक टीम में जगह हासिल नहीं कर सकता । रिजवान ने ये भी कहा कि अगर प्रशंसक चाहेंगे कि व रिटायर हो जायें तो वह ये भी कर सकते हैं1 इस क्रिकेटर ने कहा, हम सब इंसान हैं। मैंने अपनी गलतियां मानी हैं। अगर आप सोचते हैं कि मुझे इस उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा। वहीं अगर मैं ऐसा नहीं करता हूं तो खराब फार्म के बाद भी वापसी को तैयार हूं क्योंकि क्रिकेट से ही मुझे पहचान मिली है। ऐसे में वापस के लिए मैं पूरी ताकत लगा दूंगा ।उन्होंने कहा, क्रिकेट मेरा जुनून है। मैं इससे दूर नहीं जा सकता। अभी मैं फेल हुआ हूं, शायद मेहनत कम थी, लेकिन मैं और मेहनत करके वापसी करूंगा ।रिजवान का खराब प्रदर्शन आंकड़ों से साफ दिखता है। पिछले साल 14 पारियों में उन्होंने केवल 242 रन बनाये और उनका औसत 17.28 रहा जबकि पीएसएल मे में इस साल 7 पारियों में वह 107 रन ही बना पाये हैं।

सरताज अकादमी का 32वां ग्रीष्मकालीन बैडमिंटन शिविर 21 अप्रैल से

इंदौर। खेलों के प्रति बच्चों में उत्साह जगाने और उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के उद्देश्य से सरताज अकादमी द्वारा 32वां ग्रीष्मकालीन जूनियर बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। नारायण बाग बाल विकास केंद्र स्थित बैडमिंटन हाल में यह शिविर 21 अप्रैल से शुरू होगा। तीन चरणों में आयोजित होने वाले इस शिविर में 5 से 18 वर्ष तक की आयु के बालक-बालिकाएं हिस्सा ले सकेंगे। सरताज अकादमी के प्रबंध निदेशक और मुख्य प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने बताया कि अकादमी का उद्देश्य केवल खेल सिखाना ही नहीं, बल्कि बेहतर खिलाड़ी और बेहतर नागरिक बनाना है। शिविर की दैनिक गतिविधियों में तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रतिदिन योग, ध्यान और संकल्प सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास संतुलित हो सके। शिविर की चयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए यशलहा ने कहा कि इसमें चुनिंदा बच्चों को ही प्रवेश दिया जाएगा। विशेष रूप से कम आयु वर्ग के बच्चों और साल भर नियमित खेलने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशिक्षण के अंत में बच्चों के कौशल परीक्षण के लिए एक बैडमिंटन स्पर्धा भी आयोजित की जाएगी, जिसमें वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। नारायण बाग बाल विकास केंद्र में यह आयोजन विगत 31 वर्षों से निरंतर जारी है। शिविर में प्रवेश और अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभिभावक प्रतिदिन शाम 6 से 8 बजे के बीच प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा से सीधे सम्पर्क कर सकते हैं।

टेबल टेनिस: देहरादून में अब बायज के बीच छिड़ेगी खिताबी जंग

जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में 31 राज्यों के 600 से अधिक खिलाड़ी दिखाएंगे दम; तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल खिताबी दौड़ में सबसे आगे

देहरादून

देवभूमि देहरादून के न्यू मल्टीपर्पज हाल में जारी यूटीटी 87वीं इंटर-स्टेट जूनियर एवं यूथ नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का रोमांच अब चरम पर पहुंचने वाला है। बालिकाओं की स्पर्धाओं के समापन के बाद अब खेल प्रेमियों की नजरें बालक वर्ग पर टिक गई हैं। रविवार को देशभर से आए 600 से अधिक युवा पैडलर्स ने देहरादून की धरा पर कदम रखा। सोमवार से शुरू होने वाले मुकाबलों में जहाँ टीम भावना की परीक्षा होगी, वहीं व्यक्तिगत स्पर्धाओं में खिलाड़ी एक-एक अंक के लिए संघर्ष करते नजर आएंगे।

बालक वर्ग में इस बार तमिलनाडु की टीम को खिताब का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। शीर्ष वरीयता प्राप्त तमिलनाडु की टीम पी.बी. अभिनंद के नेतृत्व में खासी संतुलित नजर आ रही है। हालांकि, उन्हें दूसरी वरीयता प्राप्त पश्चिम बंगाल से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। बंगाल की टीम पुनीत बिस्वास और ओइशिक घोष जैसे धाकड़ खिलाड़ियों के दम पर फाइनल में जगह बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन दोनों दिग्गजों के बीच होने वाला मुकाबला इस चैंपियनशिप का मुख्य आकर्षण केंद्र होगा। प्रतियोगिता में तीसरी वरीयता प्राप्त असम की टीम प्रियानुज भट्टाचार्य और दिव्यज राजखोवा राय की जोड़ी के साथ उलटफेर करने में सक्षम है। वहीं, चौथे स्थान पर काबिज महाराष्ट्र की टीम कुशल चोपड़ा और अनुभवी नील मुले के भरोसे अपनी चुनौती पेश करेगी। दिल्ली और पीएसपीबीए की टीमें भी नाकआउट दौर के लिए दमखम दिखाएंगी। हिमाचल प्रदेश की उम्मीदें नमन भटनागर पर टिकी हैं, जो अपने जुझारू खेल के लिए पहचाने जाते हैं। हरियाणा के वत्सक दुलकन और ओडिशा के सार्थक आर्य भी अपनी लय से विरोधियों को चौंका सकते हैं।

इस बार चैंपियनशिप में भागीदारी के नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। बालक वर्ग में कुल 31 राज्यों की टीमें शिरकत कर रही हैं। प्रविष्टियों की संख्या को देखें तो अंडर-19 श्रेणी में 305 और अंडर-17 श्रेणी में 308 खिलाड़ियों ने नामांकन कराया है। इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों का प्रबंधन आयोजकों के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार टीमों को आठ समूहों में बांटा गया है, जहाँ से प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें नाकआउट चरण में प्रवेश करेंगी। प्रतियोगिता में सोमवार को अंडर-17 बालक वर्ग के ग्रुप-स्टेज एकल मुकाबले खेले जाएंगे। इसके अगले दिन अंडर-19 और डबल्स स्पर्धाओं का आगाज होगा। मुख्य रेफरी ए.एस. क्लेर और प्रतियोगिता प्रबंधक एन. गणेशन की देखरेख में चैंपियनशिप का संचालन किया जा रहा है। टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय मानकों के उपकरणों और ब्लू बैज अंपायरों की सेवाएं ली जा रही हैं, ताकि खेल की निष्पक्षता और गुणवत्ता बनी रहे।

तीनों ही प्रारुप में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं अभिमन्यु मिथुन

मुम्बई

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम एक ऐसा रिकार्ड है। जो किसी अन्य के नाम पर नहीं हैं। अभिमन्यु ने अपने करियर में भारतीय टीम के ओर से केवल 9 मैच खेले हैं पर घरेलू क्रिकेटर में इस क्रिकेटर का करियर लंबा चला है। अभिमन्यु भारत के ऐसे पहले क्रिकेटर हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक लगायी है। उन्होंने रणजी ट्राफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ हैट्रिक ली. विजय हजारे ट्राफी में तमिलनाडु और सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में हरियाणा के खिलाफ हैट्रिक लगायी। ये ऐसा रिकार्ड है जो किसी के भी नाम नहीं है। इस क्रिकेटर को तेज गेंदबाजी और अच्छी लाइन-लेंथ के लिए जाना जाता था। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ गाले में उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट लिए थे। वहीं इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय डेब्यू किया था। मिथुन ने भारत के

लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवीसय मैच खेलते हुए कुल 12 विकेट लिए है। मिथुन एक गेंदबाज के अलावा निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर लेते थे। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 24.00 का रहा. उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और आखिरी एकदिवसीय दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के ही खिलाफ खेला था.

इस क्रिकेटर ने 2021 में भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। भले ही इस क्रिकेटर को भारतीय टीम में अधिक अवसर नहीं मिले, लेकिन कर्नाटक के लिए 300 से ज्यादा फर्स्ट क्लास विकेट और घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक की उपलब्धि इस खिलाड़ी के नाम है। इसके अलावा टी20 के अंतिम ओवर में इस क्रिकेटर के नाम एक ओवर में 5 विकेट लेने का रिकार्ड भी है। अभिमन्यु ने साल 2019 में घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड बनाया। तब कर्नाटक की ओर से खेलते हुए उन्होंने हरियाणा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के सेमीफाइनल में पारी के आखिरी ओवर में पांच विकेट लिए थे। ओवर की पहली चार गेंदों पर उन्होंने लगातार 4 विकेट लिए और आखिरी गेंद पर 5वां विकेट लिया।

हरभजन ने नेहरा को एक शानदार कोच बताया

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन के अनुसार नेहरा बेहद जुनूनी और उत्साही कोच हैं जो टीम को एकजुट बनाये रखते हैं। हरभजन के अनुसार जिस प्रकार नेहरा खिलाड़ियों से लगातार बात करते हैं और उनकी परेशानी दूर करते हैं उसी का कारण है कि टीम भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि नेहरा का स्वभाव व तरीका ऐसा है कि वह कहीं भी और किसी भी प्रकार के हालातों में माहौल को सहज बना सकते हैं। वह जहां भी जाते हैं, अपने आसपास सभी लोगों को सरल स्वभाव से सहज बना देते हैं। वह किसी फुटबाल कोच की तरह नजर आते हैं जो लगातार दौड़ता रहता है। उनकी खेल की समझ काफी अच्छी है जो उन्हें एक बेहतरीन कोच बनाती है। जिस प्रकार उन्होंने गुजरात टाइटंस को तैयार किया है वह तारीफ के काबिल बात है। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल से पहले कार्तिक त्यागी और अशोक शर्मा ने जो कड़ी मेहनत की थी उसी का फल अब इन दोनो को मिल रहा है जिससे ये काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेषकर कार्तिक ने जिस प्रकार से चोट से उबरकर वापसी की है उसकी जितनी प्रशंस की जाये वह कम है।

युद्ध विराम की ख़बरों के बीच इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर

ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध विराम की की ख़बरों के बीच खाद्य तेलों में बाजार मंदी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चने में सुस्ती बनी। वहीं, तुअर में बाजार घटाकर बोले गये। किराना जिंसों में बादाम सहित अन्य सूखे मेवों में बाजार नरमी के रहे।

किराना :

शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। लग्नसरा की चमक-दमक के बीच दिसावरी ग्राहकी ठंडी-ठंडी देखी गयी। शक्कर में हल्के मालों में बिकवाली रही। बाजार घटाकर बोले गये, अच्छे मालों में मजबूती रही। बीते सप्ताह के दौरान शक्कर में बाजार 4080-4170 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। खोपरे गोले में पूछपरख अच्छी रहने से बाजार 390-430 रू. क्वंटिल के बीच मजबूत रहे। हल्दी-धनिये में सप्ताह के दौरान मांग कमजोर रही। जिसके चलते भावों में टिकाव देखा गया। सूखे मेवों में लविाली वाली बात नहीं है। बादाम मगज क्वालिटी 880-950 रू. प्रति किलो पर बने रहे। काजू व तरबूज मगज में बाजार पूर्वस्तर से आंशकि कमजोर पड़े। नारियलों में व्यापार अच्छा है। आवकें मांग के मुकाबले कमजोर पड़ने से भावों में निचले स्तर पर टिकाव बना हुआ है।

तेल तिलहन :

समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध बंदी को लेकर सकरात्मक बातचीत आने के चलते बाजार में मंदी की धारणा रही। समीक्षा सप्ताह के दौरान सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1680-1700 रू. प्रति 10 किलो पर कमजोर देखा गया। सोया व कपास्या तेलों में 30-40 रू. प्रति 10 किलो तक टूट गये। सोया तेल रिफाइंड मालों में 1485-1490 रू. प्रति 10 किलो पर आ गया। खाद्य तेलों में बनी नरमी का असर तिलहनों पर भी देखने को मलिा। तिलहनों में सोयाबीन 5500 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। सरसो व रायडा में बाजार मजबूत रहे।

दाल दलहन :

आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार सामान्य से अधकि नहीं रहा। चने में बाजार 5500-5600 रू. प्रति क्वंटिल पर कमजोर नज़र आये। वहीं, तुअर में बाजार 6000-7000 रू. प्रति क्वंटिल पर कमजोर ही रहे। नये मूंग में आवकें सुधरने से तेजी वाली बात नहीं है। मूंग में बाजार 8200-8400 रू. प्रति क्वंटिल पर बने रहे।

न्यूज़ ब्रीफ

टाटा मोटर्स कई महत्वपूर्ण वाहन लान्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली। स्वदेशी वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स इस साल कई महत्वपूर्ण वाहन लान्च करने की तैयारी में है। इनमें मुख्य रूप से विद्युत चालित वाहनों की लांचिंग भी शामिल हैं। टाटा मोटर्स अपनी नई सिएरा को विद्युत रूप में पेश करने जा रही है। इसके डिजाइन में आधुनिकता और भविष्य की झलक देखने को मिलेगी, जिसमें एक बड़ा कांच क्षेत्र, बिना हैंडल के दरवाजे और एक ऊंचा ढांचा शामिल हो सकता है। सिएरा ईवी की दूरी क्षमता को भी बेहतर बनाने पर काम किया जा रहा है, जिससे यह एक लंबी दूरी तय करने में सक्षम होगी और ग्राहकों को एक नया और आकर्षक विकल्प प्रदान करेगी। इसी क्रम में, टाटा सफारी का विद्युत संस्करण भी बाजार में आने की तैयारी में है। यह टाटा की पहली तीन पंक्तियों वाली विद्युत गाड़ी हो सकती है, जो बड़े परिवारों के लिए एक नया और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प पेश करेगी। इसकी कीमत मध्यम से ऊंची श्रेणी के बीच रहने की संभावना है और इसमें विभिन्न क्षमता वाले बैटरी विकल्प दिए जा सकते हैं, जिससे ग्राहकों को अपनी जरूरत के अनुसार चयन करने का अवसर मिलेगा। यह कदम टाटा को विद्युत एसयूवी सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद करेगा। टाटा की अविन्या भी कंपनी की भविष्य की दिशा को दर्शाने वाली गाड़ी मानी जा रही है। इसे एक प्रीमियम श्रेणी की आधुनिक क्रासओवर गाड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें पारंपरिक ईंधन इंजन का कोई विकल्प नहीं होगा। यह पूरी तरह से विद्युत तकनीक पर आधारित होगी और वर्ष के अंत तक इसके उत्पादन संस्करण के आने की संभावना है।

नए अवतार में बाजार में आने की तैयारी कर रही टाटा टियागो

नई दिल्ली

चार पहिया वाहन निर्माता कंपनी टाटा टियागो जल्द ही एक नए और ताज़ा अवतार में बाजार में आने की तैयारी कर रही है। अपनी लांचिंग से अब तक इस लोकप्रिय हैचबैक को दो बार अपडेट मिल चुका है। अब टाटा मोटर्स इसके एक और महत्वपूर्ण अपडेट पर काम कर रही है। कंपनी मई के आसपास एक नया माडल लान्च कर सकती है ताकि इसे आधुनिक और आकर्षक लुक दिया जा सके। यह कार टेस्टिंग के दौरान कई बार देखी जा चुकी है, जिससे इसके संभावित बदलावों को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। नई टियागो और टियागो ईवी के बाहरी डिज़ाइन में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

इनमें नई डिज़ाइन की हेडलाइट्स, एक ताज़ा ग्रिल और अपडेटेड बंपर शामिल होंगे, जो कार को पहले से कहीं ज़्यादा शार्प और बोल्ड लुक देंगे। पेट्रोल वेरिएंट में नए 15-इंच के अलाय व्हील्स मिलने की संभावना है, जबकि इलेक्ट्रिक वर्जन में 14-इंच के अलाय व्हील्स दिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी कुछ नए और आकर्षक रंग विकल्प भी जोड़ सकती है, जिससे ग्राहकों के पास चुनने के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे और कार को एक नई पहचान मिलेगी। सिर्फ बाहरी हिस्से में ही नहीं, बल्कि कार के केबिन के अंदर भी काफी कुछ नया होने वाला है। खबर है कि डैशबोर्ड को थोड़ा बदला जा सकता है और सीटों के लिए नए फैब्रिक का इस्तेमाल होगा, जिससे अंदरूनी हिस्सा और अधिक प्रीमियम लगेगा। सबसे बड़ा अपडेट इसके फीचर्स में देखने को मिल सकता है, जिसमें 10.25-इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम शामिल होगा, जो आधुनिक कनेक्टिविटी विकल्प प्रदान करेगा। ग्राहकों की पुरानी मांग को पूरा करते हुए, टाटा इस बार रियर एसी वेंट्स और पीछे बैठने वालों के लिए चार्जिंग पोर्ट भी दे सकती है, जो गर्मियों के सफर में यात्रियों को बड़ी राहत देगा और कार की व्यावहारिकता को बढ़ाएगा।

रेनाल्ट ट्राइबर की बिक्री में 26.5 प्रतिशत का उछाल दर्ज

नई दिल्ली। बाजार में ग्राहकों के मध्य 7-सीटर एमपीवी सेगमेंट में रेनाल्ट ट्राइबर ने अपनी खास जगह बनाई है। ट्राइबर ने बीते वित्तीय वर्ष यानी वित्त वर्ष 2026 में 25,174 यूनिट्स की दमदार बिक्री दर्ज की है। बिक्री का यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष (2025) में बेची गई 19,905 यूनिट्स की तुलना में 26.5 प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर्शाता है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। मारुति अर्टिगा और टोयोटा इनोवा जैसी अन्य लोकप्रिय एमपीवी के साथ, ट्राइबर ने 5.76 लाख (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर ग्राहकों का दिल जीता है। डिज़ाइन के मामले में, रेनाल्ट ट्राइबर एक काम्पैक्ट एमपीवी होने के बावजूद काफी मस्कुलर और स्टाइलिश दिखती है। इसमें लगे प्रोजेक्टर हेडलैंप्स और रूफ रेल्स इसे एक स्पोर्टी लुक प्रदान करते हैं, जिससे यह सड़क पर एक अलग पहचान बनाती है। हालांकि, इसकी सबसे बड़ी खूबी इसका बेहद फ्लेक्सिबल सीटिंग अरेंजमेंट है। यात्री अपनी जरूरत के अनुसार इसकी तीसरी लाइन की सीटों को आसानी से हटा सकते हैं, जिससे ढेर सारा सामान रखने के लिए एक विशाल बूट स्पेस मिल जाता है। यह सुविधा इसे बड़े परिवारों और यात्रा प्रेमियों के लिए एक व्यावहारिक विकल्प बनाती है, जो जगह और आराम दोनों चाहते हैं। पावरट्रेन के तौर पर, ट्राइबर में 1.0 लीटर का 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो शहरी ड्राइविंग के लिए काफी स्मूथ और प्रतिक्रियाशील है। यह इंजन 5-स्पीड मैनुअल और एएमटी (आटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन) गियरबाक्स के विकल्पों के साथ आता है, जिससे ड्राइविंग का अनुभव सहज बनता है। हालांकि, भारी लोड के साथ यह थोड़ा सुस्त महसूस हो सकता है, लेकिन इसका माइलेज बेहद प्रभावशाली है। यह कार आसानी से 18 से 20 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज दे देती है, जो पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के इस दौर में मध्यमवर्गीय परिवारों की जेब के लिए बड़ी राहत की बात है।

हीरो स्प्लेंडर बनीं देश की सबसे अधिक बिकने वाली बाइक

नई दिल्ली

बीते मार्च 2026 में, हीरो स्प्लेंडर देश की सबसे अधिक बिकने वाली बाइक बनकर उभरी, जिसने कुल 3,32,227 यूनिट्स की प्रभावशाली बिक्री दर्ज की। यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि के 3,22,529 यूनिट्स की तुलना में 3.01 प्रतिशत की शानदार वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। भारतीय दोपहिया बाजार में हीरो स्प्लेंडर ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित किया है।

हीरो स्प्लेंडर की यह लगातार सफलता बताती है कि विश्वसनीयता, सामर्थ्य और बेहतरीन माइलेज के कारण यह आज भी भारतीय परिवारों की पहली पसंद बनी हुई है। बिक्री की इस दौड़ में होंडा एक्टिवा दूसरे स्थान पर रही, जिसने 36.86 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ कुल 2,59,670 यूनिट्स स्कूटर बेचे।

होंडा शाइन ने भी मजबूत प्रदर्शन किया और 14.53 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 1,73,098 मोटरसाइकिल यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे पायदान पर अपनी जगह बनाई। बजाज पल्सर ने 24.29 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 1,32,248 यूनिट्स बेचकर चौथा स्थान हासिल किया, जो युवाओं के बीच इसकी निरंतर लोकप्रियता को दर्शाता है। पांचवें स्थान पर टीवीएस जुपिटर ने 17.89 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,24,771 यूनिट्स स्कूटर की बिक्री दर्ज की।

इसके बाद हीरो एचएफ डीलक्स रही, जिसने 7.33 प्रतिशत सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 85,088 यूनिट्स की बिक्री की। सुजुकी एक्सेस ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और 9.49 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 72,658 यूनिट्स स्कूटर बेचे।

टीवीएस अपाचे ने 6.48 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 47,081 यूनिट्स बाइक बेचीं, जबकि टीवीएस एक्सएल100 ने 31.30 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ 46,192 यूनिट्स मोपेड की बिक्री की। विशेष रूप से, इलेक्ट्रिक सेगमेंट में टीवीएस आईक्यूब ने 46.26 प्रतिशत की जबरदस्त वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए 38,757 यूनिट्स स्कूटर बेचे, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग का संकेत है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ट्रंप...

कोशिश यह है कि एक अस्थायी समझौता यानी चेण साइन हो जाए, जिससे सीजफायर आगे बढ़ सके और करीब 60 दिन का समय मिल जाए ताकि बड़ा शांति समझौता तैयार किया जा सके। लेकिन यह सब तभी संभव है जब ईरान इसमें हिस्सा ले।

भारतीय जहाजों पर फायरिंग

ईरान ने होर्मुज में 2 भारतीय जहाजों पर फायरिंग की। 14 जहाज रोके गए, 13 लौटे। भारत ने राजदूत को तलब कर विरोध जताया।

ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए स्ट्रेट दोबारा बंद किया। ईरान ने इस्लामाबाद में होने वाले शांति वार्ता के दूसरे दौर में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरान ने अमेरिका की मांगों और नाकेबंदी को इस फैसले का मुख्य कारण बताया है।

तेल की कीमतें बढ़ीं: ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब 6.5% की तेजी के साथ 96.27 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया।

ट्रम्प की चेतावनी: ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के पास शांति समझौते के लिए यह आखिरी मौका है। उन्होंने कहा कि वह पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की तरह वही गलती नहीं दोहराएंगे।

मोदी ने अमेरिका...

ट्रंप और मोदी के रिश्ते पर क्या कहा?

राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप खुलेआम कहते हैं कि जब भी वो प्रधानमंत्री मोदी को फोन करते हैं तो मोदी तुरंत उठाते हैं और उन्हें 'सर' कहते हैं. राहुल ने लोगों से सवाल किया कि सोचिए भारत का प्रधानमंत्री अमेरिका के राष्ट्रपति को 'सर' कह रहा है, यह कितनी शर्मनाक बात है.

तमिलनाडु और मुख्यमंत्री स्टालिन का जिक्र क्यों किया?

राहुल गांधी ने कहा कि जैसे मोदी चाहते हैं कि ट्रंप उन्हें 'सर' कहें, उसी तरह प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि तमिलनाडु का मुख्यमंत्री भी उन्हें 'सर' कहे. लेकिन मुख्यमंत्री स्टालिन ऐसा कभी नहीं करेंगे. इसीलिए भाजपा चाहती है कि तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक की सरकार आए जो प्रधानमंत्री मोदी के इशारे पर चले और फोन उठाकर कहे 'यस सर, बताइए क्या करना है?' राहुल ने कहा कि भाजपा चाहती है कि तमिलनाडु में ऐसा मुख्यमंत्री हो जो पूरी तरह उनके कहने पर काम करे. लेकिन उन्होंने वादा किया कि हम तमिलनाडु में भाजपा को ऐसी सरकार कभी नहीं बनाने देंगे.

बिहार मॉडल क्या है और तमिलनाडु में इसका जिक्र क्यों?

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि बिहार में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाया गया और भाजपा के नेता सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बना दिया गया. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के पास कोई शक्ति नहीं बची, वो बिना कुछ कहे चुपचाप राज्यसभा चले गए. राहुल ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के पुराने कामों की वजह से भाजपा उन्हें पूरी तरह कंट्रोल कर सकती थी.अब भाजपा यही बिहार वाला मॉडल तमिलनाडु में लाना चाहती है यानी अन्नाद्रमुक के जरिए एक ऐसी सरकार बनाना जो पूरी तरह दिल्ली के इशारे पर चले.

" राहुल गांधी ने कहा कि अन्नाद्रमुक के पुराने नेता महान थे और उन्होंने तमिल लोगों की रक्षा की. लेकिन वो पुरानी अन्नाद्रमुक अब मर चुकी है. आज की अन्नाद्रमुक एक खोखला खोल है. अन्नाद्रमुक के नेता भ्रष्टाचार की वजह से भाजपा के सामने झुक गए हैं. अन्नाद्रमुक के जमीनी कार्यकर्ता अच्छे हैं लेकिन पार्टी को कंट्रोल करने वाले लोग पूरी तरह गृह मंत्री अमित शाह और मोदी के हाथों की कठपुतली हैं.

मोदी की झालमुड़ी ...

प्रधानमंत्री ने विक्रम साव से 10 रुपए की बढ़िया झालमुड़ी देने के लिए कहा। विक्रम ने प्रधानमंत्री से पैसे देने के लिए मना भी किया, लेकिन पीएम ने उसे संजीदगी से 10 रुपए दिए।पीएम ने विक्रम से झालमुड़ी खरीदकर अपने आस-पास मौजूद बच्चों को भी खिलाई। इस दौरान झालमुड़ी विक्रेता की दुकान के पास स्थानीय लोगों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा और लोग जय श्री राम के नारे लगाने लगे।

हैदराबाद...

एयरलाइन ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया गया और विमान को होल्ड पर रखना या डायवर्ट करना उद्योग के बेहतरीन मानकों के तहत उठाए गए एहतियाती कदम थे।

फ्लाई91 ने यह भी बताया कि उसके पायलट, केबिन क्रू और ग्राउंड स्टाफ ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह प्रशिक्षित हैं। एयरलाइन ने दावा किया कि उसका सुरक्षा रिकॉर्ड बेदाग रहा है। एयरलाइन ने जनता से अपील की है कि विमान में तकनीकी समस्या बताने वाली रिपोर्टों पर ध्यान न दें, क्योंकि ऐसे दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।

मैं सरेंडर...

जब मामले अदालत के समक्ष आते हैं, तो उनका निर्णय तथ्यों के आधार पर होता है, न कि राजनीतिक आधार पर। कई ऐसे लोग न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होते हैं, जिनकी अपनी कोई विचारधारा हो सकती है या उन्होंने विभिन्न सरकारों का प्रतिनिधित्व किया हो। न्यायपालिका से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह किसी एकांतवास में रहकर देश-दुनिया से पूरी तरह अलग-थलग रहे। क्या किसी न्यायाधीश का कानून से जुड़े किसी कार्यक्रम में शामिल होना पक्षपात का आधार माना जा सकता है?

हितों के टकराव के आरोप पर जस्टिस शर्मा का पलटवार

अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस शर्मा पर आरोप लगाया था कि उनके बच्चे (बेटा- ईशान शर्मा और बेटी- शांभवी शर्मा) केंद्र सरकार के वकीलों के पैनल का हिस्सा हैं और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अंडर लीगल प्रैक्टिस करते हैं, इसलिए हितों के टकराव का संभावित मामला हो सकता है। इस आरोप पर जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा, इस न्यायालय की राय में, भले ही इस न्यायालय के परिजन सरकारी पैनल में हों, वादी को यह दिखाना होगा कि उसका वर्तमान मामले या इस न्यायालय की निर्णय-प्रक्रिया पर क्या प्रभाव पड़ा है। ऐसा कोई संबंध (नैक्सस) प्रदर्शित नहीं किया गया है।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि उनके किसी भी बच्चे का बतौर लीगल एक्सपर्ट शराब नीति मामले से कोई संबंध नहीं है। जस्टिस शर्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि न्यायाधीशों के बच्चों को वकालत करने से रोकना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। उन्होंने कहा, 'यदि किसी नेता की पत्नी नेता बन सकती है, यदि किसी नेता के बच्चे नेता बन सकते हैं, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि किसी न्यायाधीश के बच्चे कानून के पेशे में नहीं जा सकते? ऐसा कहना न्यायाधीशों के परिवार के मौलिक अधिकारों का हनन होगि।

अरविंद केजरीवाल ने उपरोक्त आरोपों का जिक्र करते हुए कहा था कि उनके मन में आशंका पैदा होती है कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत उनके खिलाफ फैसला दे सकती है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान का भी जिक्र किया था। अमित शाह ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था कि अरविंद केजरीवाल को शराब नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ेगा। केजरीवाल के इस तर्क को खारिज करते हुए जस्टिस शर्मा ने कहा कि प्रतिकूल परिणाम की आशंका न्यायाधीश को मामले से अलग होने का औचित्य साबित नहीं कर सकती है। किसी राजनेता द्वारा सार्वजनिक रूप से कही जाने वाली बातों पर इस न्यायालय का कोई नियंत्रण नहीं है।

उन्होंने कहा, 'केवल यह कहना कि अदालत से राहत नहीं मिलेगी, न्यायाधीश को मामले से अलग होने का अनुरोध करने का आधार नहीं हो सकता।' जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने केजरीवाल की याचिका को एक जटिल और दुविधापूर्ण स्थिति बताया। उन्होंने कहा, 'इस मामले में मेरे लिए कैच-22 की स्थिति बन गई है। इस मामले में मुझे ऐसी स्थिति में ला दिया गया है कि मैं खुद को अलग करूं या न करूं (रिक्यूजल), दोनों ही स्थितियों में सवाल उठेंगे। यदि मैं हटती हूं तो कहा जाएगा कि दबाव में हट गई, और यदि नहीं हटती तो पक्षपात का आरोप लगाया जाएगा। आवेदक (केजरीवाल) ने अपने लिए विन-विन की स्थिति बना ली है।

हठताल पर ...

आरटीसी कार्यकर्ताओं से किए गए वादों को तुरंत लागू करे। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि न तो सरकार और न ही प्रबंधन ने अभी तक चर्चा के लिए कार्यकर्ताओं को बुलाया है। उन्होंने कहा,

जेएसी टीजीएसआरटीसी को राज्य सरकार में विलय करने की मांग दोहराते हुए कहा कि सरकार को नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के साथ-साथ श्रमिकों को वेतनमान और नौकरी की सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि इलेक्ट्रिक बसें आरटीसी को सौंपी जानी चाहिए।

जेएसी ने सरकार के सामने मांगों का एक लंबा चार्टर रखा है, जिसमें निम्नलिखित बिंदु शामिल हैं:

आरटीसी कर्मचारियों के लिए सरकारी घोषणापत्र के सभी वादों को लागू करना।

वित्तीय मुद्दों को हल करना और आरटीसी कर्मचारियों को सरकारी सेवा में विलय करना।

2017 से भत्तों में वृद्धि करना और सेवानिवृत्त लोगों सहित सभी लंबित बकाया राशि का भुगतान करना।

30 प्रतिशत फिटमेंट के साथ 2021 वेतन संशोधन लागू करना और 2025 के संशोधन में सरकारी कर्मचारियों के समान वेतन सुनिश्चित करना।

नई बसें खरीदना और निगम का आधुनिकीकरण करना।

सरकार द्वारा आरटीसी के कर्ज को अपने ऊपर लेना और बजट का 3 प्रतिशत वार्षिक आवंटित करना।

इलेक्ट्रिक बसों की खरीद सरकार के माध्यम से करना और नए डिपो स्थापित करना; आरटीसी की जमीन निजी ईवी ऑपरेटरों को देने से बचना।

सीसीएस, एसआरबीएस और पीएफ फंड जारी करना और सीसीएस के लिए चुनाव कराना।

महिलाओं के लिए जीरो-टिकट' योजना के स्थान पर स्मार्ट कार्ड लागू करना और बसों की आवृत्ति बढ़ाना।

400 करोड़ रुपये के मासिक बकाया को बिना किसी कटौती के चुकाना और 2,500 करोड़ रुपये के लंबित एरियर का भुगतान करना।

आश्रितों और संविदा कर्मचारियों की नौकरियों को नियमित करना, आयु सीमा बढ़ाकर 44 वर्ष करना।

रिक्त पदों को भरना और पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति देना।

21 दिन की उपस्थिति प्रोत्साहन राशि प्रदान करना और वर्कशॉप तथा उत्पादन इकाइयों को मजबूत करना।

तारनाका अस्पताल में नियमित स्टाफ नियुक्त करना और सुविधाओं में सुधार करना।

कर्मचारियों के लिए चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाना और सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों में माता-पिता को लाभ देना।

दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना और चिकित्सा परीक्षण का खर्च उठाना।

सेवानिवृत्ति के सभी बकाया का निपटान उसी दिन करना। लेखा विभाग में केंद्रीकरण रद्द कर पुरानी व्यवस्था बहाल करना। सेवानिवृत्त आउटसोर्स अधिकारियों को हटाकर पदोन्नति के माध्यम से पद भरना। ड्राइवर, कंडक्टर और मैकेनिकों की आउटसोर्सिंग बंद करना। सेवानिवृत्ति से पहले 300 दिनों से अधिक की अर्जित छुट्टी के उपयोग की अनुमति देना।

सभी इकाइयों में पीने के पानी और पार्किंग शेड सहित उचित सुविधाएं देना। नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुराने नियमों में संशोधन करना। अनुचित रूप से निलंबित या हटाए गए कर्मचारियों को वापस लेना।

जूनियर असिस्टेंट परीक्षा पास करने वालों को पोस्टिंग देना और विभागीय परीक्षाओं के माध्यम से शेष पद भरना। उच्च पेंशन आवेदनों के लिए एक और मौका देना और ईपीएफ डिमांड नोटिस जारी करना।

2019 की हड़ताल के दौरान दर्ज पुलिस केस वापस लेना। किराये की बसों और उनके कर्मचारियों का आरटीसी में विलय करना। 8 घंटे की कार्य पाली लागू करना और महिला कर्मचारियों के लिए बेहतर स्थिति सुनिश्चित करना। आंध्र क्षेत्र के कर्मचारियों को एपीएस आरटीसी में स्थानांतरित करना।

ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में उचित सत्यापन सुनिश्चित करना (जरूरत पड़ने पर पुन: परीक्षण और रक्त परीक्षण)।

हैदराबाद के स्टाफ को जिलों में काम करने के लिए मजबूर करना बंद करना।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 21 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एनएमडीसी की जमीनी कथाओं ने राष्ट्रीय संबंधों को मजबूत किया, 10 पीआरएसआई पुरस्कार जीते

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड को 'राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस समारोह' के अंतर्गत आयोजित 'पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया' के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में 10 पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ये मान्यताएं कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन्स में एनएमडीसी की बढ़ती ताकत और जमीनी प्रभाव को सार्थक, लोक-केंद्रित आख्यानों में बदलने की इसकी क्षमता को दर्शाती हैं। इस कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों च. प्रियंका, आईएएस, विशेष आयुक्त, आई एंड पीआर विभाग, तेलंगाना सरकार, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी के.वी. रमण चारी, तेलंगाना प्रेस अकादमी के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी, के. नागेश्वर, उस्मानिया विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं पूर्व एमएलसी सहित सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। एनएमडीसी की ओर से कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन्स की टीम ने सम्मान प्राप्त किए। राष्ट्रीय खनिक ने कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन्स एक्सीलेंस, सुस्थिरता रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर), डिजिटल जनसंपर्क, आंतरिक गृहपत्रिका 'खनिज भारती' और कर्मचारी सहभागिता में प्रथम पुरस्कार हासिल किया, जबकि अपने वॉल कैलेंडर, डायरी और डिजिटल और सोशल मीडिया अभियान के लिए द्वितीय पुरस्कार भी जीता। ये मान्यताएं न केवल खनन में एनएमडीसी की परिचालन उत्कृष्टता पर प्रकाश डालती हैं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य-सेवा, स्वच्छता और आजीविका में इसके निरंतर सीएसआर प्रयासों पर भी प्रकाश डालती हैं। साथ मिलकर, वे जिम्मेदारी के साथ विकास की एक बड़ी कथा बुनते हैं। ऐसे समय में जब सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों से तेजी के साथ प्रभाव और जवाबदेही दोनों प्रदर्शित करने की उम्मीद की जाती है, एनएमडीसी का दृष्टिकोण स्पष्ट करता है कि किस प्रकार प्रामाणिक कथा-वाचन सूचना-निर्माण विश्वसनीयता से आगे बढ़ते हुए विश्वास को प्रेरित करने और राष्ट्र के साथ अपने बंधन को मजबूत करता है।

मारवाड़ी युवा मंच महिला शाखा ने किया छांछ वितरण

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद ने अमृतधारा के तहत गर्मी में राहगीरों को शीतल छांछ वितरित की।

अध्यक्ष शशिकला नाहर के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन व पूर्व अध्यक्ष रक्षा जैन के विवाह वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में सदस्याओं ने सेवा भाव से सहयोग किया।

सुनीता डूंगरवाल, मूमल सिरवी, पूनम बोहरा, संतोष गुर्जरानी, लीला जोबनपुत्रा, शांति पांडेय, मंजू बांग, संजू सांखला, खुशबू जैन, दिव्या-पूनम-स्वाति जैन, शिल्पा जोशी, सुनीता बोहरा, पूनम तिवाड़ी आदि उपस्थित रहीं। संयोजिका दीपा सोनी ने आभार व्यक्त किया।

सेवा ही सच्ची मानवता का परिचय : संजय गोयल

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित कर उनकी सहायता की गई।

इस अवसर पर संजय गोयल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किया जा रहा यह सेवा कार्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में प्रेम, करुणा और मानवता का संदेश भी प्रसारित कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर संतोष और मुस्कान दिखाई देती है, तो वही इस सेवा का सबसे बड़ा फल होता है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्चे जीवन का उद्देश्य है और यही भाव समाज को एकजुट करने का कार्य करता है।

कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने पूर्ण समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्य किया। राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, जय प्रकाश सारडा, मनीष चिंडालिया, जगन एलाकुर्थी, गोपाल गोयल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, महेश अग्रवाल एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को सफल बनाया।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा कार्य करते रहेंगे, ताकि समाज के हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंच सके और मानवता की यह ज्योति हमेशा प्रज्वलित बनी रहे।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमार जी आदि ठाणा-2 के सान्निध्य मे हैबिटैट ईलाइट, कवाड़ीगुड़ा मे भिक्षु भजन मंडली द्वारा आयोजित भजन संध्या मे उपस्थित श्रावक समाज एवं भिक्षु भजन मंडली के सदस्य।

प.पु.आ. श्री अभयसेनसुरीश्वरजी म.सा. के सान्निध्य में अक्षय तृतीया के अवसर पर गगनपहाड़ स्थित सत्यम शिवम सुंदरम गौनिवास में गौसेवा करते हुए गौरत्न धरमबाबु रांका, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, मुकेश जैन चौहान, योगेश सोनी,रितेश भंसाली, मणीलाल भाई एवं अन्य।

वर्षीतप के उपलक्ष्य में चाय व इडली वितरण सेवा आयोजित

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूज्य गुरुदेव श्री पुष्पेन्द्र मुनि व दीपेश मुनि के वर्षीतप तथा गुरुणी मैया श्री तरुण शीला जी म.सा. के वर्षीतप एवं मुमुक्षु वैराग्यन बहन खुशी विनायकिया के वर्षीतप के उपलक्ष्य में श्री सत्य नवयुवक मंडल द्वारा चाय व इडली वितरण सेवा आयोजित की। इस सेवा कार्य में चाय के लाभार्थी स्व. गुलाबी देवी (पत्नी स्व. जितमल जी सिंघवी (राखी वाला) रहे, जबकि इडली नाश्ता के लाभार्थी कपूरचंद जी व नरेंद्र कुमार धोका ने लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष कनकराज विनायकिया, उपाध्यक्ष राजेन्द्र खारीवाल, कोषाध्यक्ष अशोक विनायकिया, मंत्री राजेश कवाड़, सह मंत्री राकेश पारख, रणजीत भंसाली, महावीर नाहर, नवीन सोलंकी, नरेंद्र धोका सहित अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया।

अक्षय तृतीया पर्व पर वर्षीतप पारणे का भव्य आयोजन

भारतीय संस्कृति का मूल तप : मुनि दीप कुमार

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद स्थित नेकलेस प्राइड के क्लब हाउस में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी के सानिध्य में अक्षय तृतीया पर्व का आयोजन वर्षीतप करने वालों के पारणे के रूप में तेरापंथी सभा सिकंदराबाद द्वारा किया गया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार कार्यक्रम में महेन्द्रजी लूणावत, मोहनीदेवी कोठारी, मधुदेवी कोठारी ने वर्षीतप के पारणे किए। सभी संस्थाओं द्वारा वर्षीतप करने वालों का सम्मान किया गया।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल तप है। संसार की जितनी समस्याएं हैं, उनका समाधान तपस्या में संभव है। तपस्या अत्यंत पवित्र कार्य है। वर्षीतप एक महान साधना है। जहां आज मनुष्य भोजन के प्रति अत्यधिक आसक्त है, वहां वर्षीतप किसी आश्चर्य से कम नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज का दिन भगवान ऋषभदेव से जुड़ा हुआ है। लगभग 13 महीनों की तपस्या के बाद आज ही के दिन उनके पड़पोते श्रेयांश कुमार के हाथों इक्षु रस के द्वारा पारणा हुआ था। भगवान के पारणे के साथ ही भिक्षा विधि का भी प्रवर्तन हुआ।

मुनिश्री ने आगे कहा कि भगवान ऋषभदेव का जीवन समग्र था। उन्होंने समाज के लिए भी समय दिया और बाद में साधना में भी समय लगाया। वे इस युग के प्रथम राजा, प्रथम मुनि, प्रथम भिक्षाचर और प्रथम तीर्थंकर कहलाए।

उन्होंने कहा कि भगवान ऋषभदेव का अनुसरण करते हुए हजारों लोग वर्षीतप करते हैं, जो अत्यंत प्रशंसनीय है। छह महीने तपस्या और छह महीने पारणे के इस क्रम में यथानुकूलता के अनुसार वर्षीतप को लक्ष्य बनाना चाहिए। साथ ही वाणी संयम का वर्षीतप भी करना चाहिए।

संचालन करते हुए मुनि श्री काव्य कुमारजी ने कहा कि समय और परिस्थितियां बदलती रहती हैं, लेकिन कुछ आदर्श ऐसे होते हैं जो हजारों वर्षों बाद भी मार्गदर्शन करते हैं, और ऐसा ही एक आदर्श भगवान श्री ऋषभदेव हैं।

कार्यक्रम में मंगलाचरण कवाड़ीगुड़ा की महिलाओं द्वारा किया गया। महिला मंडल हैदराबाद द्वारा गीत-संगान प्रस्तुत किया गया। तेरापंथी सभा अध्यक्ष सुशीलजी संचेती एवं तेरापंथी महासभा की ओर से लक्ष्मीपतजी बैद ने अपने विचार व्यक्त किए और सभी का स्वागत किया। अंत में आभार ज्ञापन ऋषभजी दुगड़ द्वारा किया गया।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया भाग

बेगम बाजार क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ आयोजन

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भव्य शोभायात्रा एवं महाआरती का आयोजन बेगम बाजार क्षेत्र में बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम की भव्य आरती से हुआ। इसके पश्चात शोभायात्रा श्री परशुराम मंदिर, बेगम बाजार से प्रारंभ होकर किराना मार्केट, बेगम बाजार, चावला बिल्डिंग, लेबर अड्डा होते हुए पुनः बेगम बाजार छतरी पर सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं भक्तों ने भाग लेकर भगवान परशुराम के जयकारों के साथ शोभायात्रा में शामिल होकर कार्यक्रम को भव्य बनाया तथा प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव, भाजपा महामंत्री एन. गौतम राव, भूतपूर्व पार्षद शंकर यादव, परमेश्वरी सिंह, पं. पुरुषोत्तम लाला, रामदेव लागला, पवन मिश्रा, लड्डू ओझा, विशाल शर्मा, महेश अवस्थी, बजरंगलाल शर्मा, जुगलकिशोर शर्मा, श्रवण कुमार दधिच, बाबुलाल खटोड, सुरेश कुमार व्यास पारीक, जुगल किशोर खटोड, हरिकिशन ओझा, शंकर यादव, अरविंद नारानीया, श्रीलाल पारीक, डॉ. मोहन गुप्ता, भरत चाण्डा, अर्जुन थानवी, सागर चाण्डा, मुरारी बोहरा, नवीन चांडक, राकेश व्यास, सुनील कल्ला, ओमप्रकाश उपाध्याय एवं डॉ. प्रेम प्रकाश शर्मा तथा प्रद्युम्न मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया गया।

आयोजन समिति ने सभी उपस्थित भक्तों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

पीआरएसआई का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
होटल टूरिज्म प्लाजा में 'राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस समारोह' के अंतर्गत 'पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया' का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में लगभग 200 प्रतिनिधियों, संचार पेशेवरों, शिक्षाविदों, छात्रों और मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन का थीम- तेलंगाना राइजिंग 2047: कम्युनिकेशन, इनोवेशन एंड एम्पावरमेंट था।

पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के चेयरमैन डॉ. यदगिरी कांभांपति ने सभी का स्वागत किया और कहा कि हैदराबाद चैप्टर प्रभावशाली सम्मेलनों और व्यावसायिक कार्यक्रमों को आयोजित करने की गौरवपूर्ण विरासत रखता है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन तेलंगाना के भविष्य के विकास के लिए संचार प्रथाओं को मजबूत करने का रोडमैप प्रदान करेगा।

पब्लिक रिलेशंस वॉयस जर्नल के एडिटर वाई. बाबजी ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संचार पेशेवरों को जन जागरूकता, विश्वास और विकास की कहानियों को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए तथा उद्योग, सरकार, शिक्षा और युवाओं को जोड़ना चाहिए।

मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना मीडिया अकादमी के चेयरमैन के. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना दूरदर्शी नेतृत्व और प्रभावी सार्वजनिक संचार के माध्यम से एक प्रगतिशील राज्य के रूप में उभरा है। उन्होंने मीडिया और पीआर पेशेवरों से सच्ची और विकासोन्मुखी कहानियों को बढ़ावा देने की जिम्मेदारीपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की।

सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें कम्युनिकेशन, इनोवेशन और एम्पावरमेंट पर चर्चा हुई।

प्रो. के. नागेश्वर ने तेलंगाना ग्रोथ स्टोरी: कम्युनिकेशन स्ट्रैटेजीज फॉर अ डेवलप्ड तेलंगाना बाय 2047 विषय पर कीनोट एड्रेस देते हुए कहा कि संचार को आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेश और लोकतांत्रिक भागीदारी का रणनीतिक उपकरण बनाना चाहिए।समापन सत्र में सरकारी सलाहकार (पीआर, मीडिया एवं पब्लिक अफेयर्स) के.वी. रामणा चारी ने कहा कि पब्लिक रिलेशंस शासन, विकास और राष्ट्र निर्माण में एक रणनीतिक शक्ति बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की प्रगति की कहानी को विश्वसनीय और जन-केंद्रित तरीके से संचारित किया जाना चाहिए।

यू.एस. शर्मा (नेशनल वाइस प्रेसिडेंट साउथ, पीआरएसआई) और सम्मेलन डायरेक्टर वाई. बाबजी ने भी संबोधित किया। सम्मेलन को-डायरेक्टर पी. मोहन राव ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

नेशनल पब्लिक रिलेशंस डे के अवसर पर पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर ने प्राइड ऑफ तेलंगाना ऑनर्स से के. श्रीनिवास रेड्डी, प्रो. के. नागेश्वर और प्रसन्न कुमार मोटुपल्ली को सम्मानित किया।

चार पूर्व चेयरमैन ' पी.एल. राघुराम, मैथ्यू जोसेफ, सी. रामकृष्ण और आर. नीलमेघम ' को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया।

इसके अलावा 50 से अधिक उत्कृष्टता पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों में दिए गए, जिनमें एनएमडीसी लिमिटेड, सिंगरेनी कोलियरीज, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई बोर्ड, इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया आदि प्रमुख संस्थाएं शामिल थीं।

सेवा से ही संस्कार मिलते हैं : वंश अग्रवाल

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित सेवा कार्यक्रम में मानवता, सेवा और समर्पण का भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को अन्न वितरण कर सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वंश अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही वह मार्ग है, जिससे व्यक्ति के जीवन में सच्चे संस्कारों का निर्माण होता है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा न केवल दूसरों के जीवन में खुशियां लाती है, बल्कि हमारे अंतर्मन को भी शांति और संतोष प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में सेवा की भावना को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यही भावना समाज को जोड़कर रखने का कार्य करती है।

उन्होंने आगे बताया कि राधे-राधे ग्रुप लगातार ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। यह सेवा केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली साधना है, जिसमें प्रत्येक सदस्य अपनी सहभागिता निभाकर समाज के प्रति अपने दायित्व को पूरा करता है। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सेवा कार्य में भाग लिया। जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक अन्न वितरित किया गया और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया गया। इस दौरान सेवा के साथ-साथ आपसी सहयोग और भाईचारे का भी संदेश दिया गया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, वंश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया।

नायडू का 76वां जन्मदिन मनाया गया

भाग्यलक्ष्मी मंदिर में की गई विशेष पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सोमवार को चारमीनार क्षेत्र में, तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू .के 76वें जन्मदिन के अवसर पर भाग्यलक्ष्मी मंदिर में उनके गोत्र पुनुगुनिल्ल के नाम से विशेष पूजा-अर्चना की गई।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में तेलुगु देशम पार्टी के कार्यकर्ता एवं नेता शामिल हुए। इस अवसर पर के.डी. दिनेश ने संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के समय में तेलंगाना का विकास यदि हुआ है, तो वह टीडीपी और चंद्रबाबू नायडू जी के कारण ही संभव हुआ। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तेलंगाना में कार्यकर्ताओं की ताकत मौजूद है और यदि नायडू जी का मार्गदर्शन मिला तो पार्टी फिर से अपने पुराने वैभव को प्राप्त करेगी। साथ ही उन्होंने नायडू जी के स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना की।

इस मौके पर तेलुगु देशम पार्टी के तेलंगाना नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केक काटकर लोगों में वितरित किया। नारा चंद्रबाबू नायडू जी को एक दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा गया कि वे केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक शक्ति हैं, और आने वाले समय में आंध्र प्रदेश के विकास को और आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने अपने वादों को निभाने का गौरव प्राप्त किया है।

इसके साथ ही तेलंगाना में भी विशेष ध्यान देने और नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं जनता को भरोसा दिलाने के लिए चंद्रबाबू नायडू जी एवं कार्यकारी अध्यक्ष श्री नारा लोकेश जी से अनुरोध किया गया।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों में हैदराबाद पार्लियामेंट इंचार्ज नागु नागेश, गोशामहल विधानसभा के एड-हॉक कमेटी सदस्य के.डी. दिनेश, जोगेंद्र सिंह, बी.वाई. श्रीकांत, प्रेम प्रकाश शर्मा, सुरेंद्र सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल थे।

कनेक्शंस आईमैग को पीआरएसआई उत्कृष्टता पुरस्कार

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रणी एकीकृत विपणन संचार एजेंसी कनेक्शंस आईमैग को 'राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस समारोह' के अंतर्गत आयोजित 'पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया' के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिष्ठा प्रबंधन और संकट संचार श्रेणी में उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मेलन पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर द्वारा आयोजित किया गया था। यह पुरस्कार आंध्र प्रदेश सरकार के सूचना और लोक संबंध विभाग के सेवानिवृत्त आयुक्त डॉ. के.वी. रमणाचारी और पीआरएसआई के दक्षिण क्षेत्र के उपाध्यक्ष यू.एस. शर्मा द्वारा उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

इस उपलब्धि पर कनेक्शंस आईमैग की निदेशक (संचार) श्रीमती मुक्ता कुमार ने कहा हम पीआरएसआई द्वारा यह मान्यता प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहे हैं। कनेक्शंस आईमैग में हमने हमेशा यह माना है कि प्रतिष्ठा समय के साथ आकर्षक कथाओं के निर्माण से बनती है। इसके अतिरिक्त, कनेक्शंस आईमैग के निदेशक (संचालन) अनुराग कुमार ने कहा कि कनेक्शंस आईमैग में संचार गति, स्पष्टता और टीमों के बीच मजबूत समन्वय से संचालित होता है। हम निगरानी और सटीक वितरण के लिए एआई-सक्षम प्लेटफॉर्मों का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं। एजेंसी ने इस उपलब्धि के लिए पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर, कार्यक्रम साझेदारों और अपनी टीम के निरंतर समर्थन और योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त की।

सोमवार को डॉ पंकित मेहता और डॉ प्रियांक सालेचा द्वारा स्थापित नए कार्यालय लक्ष्मी एफ. एक्स. ट्रस्टलाइन इंडिया प्रा. लिमिटेड का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री गुजराती प्रगति समाज के उपाध्यक्ष महेश पटेल, मंत्री राहुल छेड़ा, अंबालाल पटेल, संतोषी मेहता, दिनेश गोसर, घनश्याम पटेल, गोपाल पटेल, भारती पटेल, अरविंद पटेल, रिद्धिश जागीरदार एवं अन्य उपस्थित थे।

गुरु नानक संस्थानों में विज़नएक्स समिट-2026 का भव्य आयोजन संपन्न

हैदराबाद, 20 अप्रैल। गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस ने गुरु नानक विश्वविद्यालय के सहयोग से विज़नएक्स समिट-2026 का अत्यंत भव्य, प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक आयोजन किया। यह समिट विद्यार्थियों के लिए एक सशक्त मंच बनकर उभरा, जहाँ उन्हें फ़िल्म जगत, कॉरपोरेट क्षेत्र तथा सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों से सीधे संवाद करने, उनके अनुभवों से सीखने और अपने भविष्य को नयी दिशा देने का अवसर प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस के वाइस चेयरमैन एवं गुरु नानक विश्वविद्यालय के चांसलर सरदार गगनदीप सिंह कोहली तथा गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं गुरु नानक विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. एच. एस. सैनी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, विभागाध्यक्षों तथा प्रबंधन प्रतिनिधियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।

तेलंगाना सब-जूनियर पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप आयोजित

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सनतनगर में तेलंगाना राज्य सब-जूनियर पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप (बालक-बालिका) का सफल आयोजन ओमप्रकाश बिडलान फिटनेस सेंटर एवं मेडिकल मलकानगिरी जिला द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि तेलंगाना स्टेट पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन कोषाध्यक्ष रवि सिंह बिडलान (एशिया चैंपियन, स्ट्रॉन्गमैन एशिया 2023) रहे। अन्य अतिथियों में चि. विनोद सिंह, करण सिंह, राहुल कुमार टांक, डी. विशाल उपस्थित रहे।

बालक-बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया।

जान में जान आई, पर दहशत बरकरार

पुंछ में युद्ध जैसी आपात स्थिति के लिए मेगा ब्लैकआउट-एयर रेड माक ड्रिल रद्द

जम्मू, 20 अप्रैल। एलओसी से सटे पुंछ जिले में पुंछ में युद्ध जैसी आपात स्थिति के लिए मेगा ब्लैकआउट-एयर रेड माक ड्रिल को अंतिम समय इसलिए रद्द कर दिया गया है क्योंकि इस घोषणा ने लोगों के बीच भय और दहशत का माहौल पैदा कर दिया था। हालांकि माक ड्रिल की नई तारीखों का एलान नहीं हुआ है पर सीमावासियों में दहशत का माहौल बरकरार है। पुंछ के डिप्टी कमिश्नर ने रविवार देर रात को एक तय सिविल डिफेंस माक ड्रिल को रद्द करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि यह अभ्यास रोजमर्रा की तैयारियों का ही एक हिस्सा था। एक्स पर एक पोस्ट में, डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि सिविल डिफेंस और एडीआरएफ द्वारा 20 अप्रैल से 24 अप्रैल तक के लिए तय की गई माक ड्रिल को रद्द कर दिया गया है।

उन्होंने साफ किया कि यह अभ्यास तैयारियों और तालमेल को बेहतर बनाने के मकसद से किया जाने वाला एक सामान्य अभ्यास था। उन्होंने यह भी कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है और लोगों से सुरक्षित और सतर्क रहने की अपील की।

इससे पहले, जिला प्रशासन ने इसी दौरान पूरे जिले में सिविल डिफेंस की एयर रेड (हवाई हमले) और ब्लैकआउट माक ड्रिल आयोजित करने के संबंध में एक सूचना जारी की थी, जिसका मकसद आपातकालीन स्थितियों से निपटने के तंत्र को मजबूत बनाना था।

इस घोषणा के कारण एलओसी से सटे इलाकों में एक बार फिर डर और दहशत का माहौल पैदा हो गया था।

गीत चाँदनी की मूल्यांकन कवि गोष्ठी में लोकलहर पत्रिका पर सार्थक विमर्श

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नगरद्वय के कवियों की सक्रिय, लोकप्रिय एवं प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संस्थान के तत्वावधान में प्रतिमाह आयोजित होने वाली मूल्यांकन कवि गोष्ठी का आयोजन मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलार सभागृह में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्यकारों, कवियों, पाठकों तथा हिंदी प्रेमियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। इस माह की गोष्ठी का मुख्य आकर्षण नई दिल्ली से श्री राजेंद्र शर्मा के संपादन में प्रकाशित लोकलहर (भारत की कम्युनिस्ट पार्टी : मार्क्सवादी का साप्ताहिक मुखपत्र) के वर्ष 48, अंक 13 (23 मार्च से 29 मार्च, 2026) में प्रकाशित विविध सामग्री पर विस्तृत समीक्षा एवं विचार-विमर्श रहा। इस अवसर पर हैदराबाद के सुप्रसिद्ध साहित्यकारों एवं चिंतकों ने पत्रिका की सामग्री, विचारधारा, समसामयिकता तथा प्रस्तुति पर अपने विचार रखे।

मूल्यांकन सत्र में कवयित्री आशा ठाकुर, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, गोविंद अक्षय, चंपालाल बैद तथा सुनील मिश्रा ने अपने विचार प्रस्तुत किये। वक्ताओं ने पत्रिका के संपादकीय, समसामयिक विषयों तथा वैचारिक दृष्टिकोण का गंभीर विश्लेषण किया।

अमेरिकी सैन्य युद्ध मशीन का खेल समझो शीर्षक संपादकीय पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में वरिष्ठ साहित्यकार श्री अनिल कुमार झा (झारखंड) ने तीखे एवं तार्किक प्रश्न उठाते हुए कहा कि

आधुनिक वैज्ञानिक युग में भी यदि युद्ध को खेल की संज्ञा दी जाए तो यह मानवीय पीड़ा और विनाश के प्रति असंवेदनशील दृष्टिकोण माना जाएगा। उन्होंने कहा कि आज का सभ्य समाज न्यूनतम जनहानि और शांति की अपेक्षा करता है, अतः युद्ध किसी भी स्थिति में खेल नहीं हो सकता। उन्होंने अमेरिका0ईरान संबंधों के संदर्भ में संपादकीय के कुछ बिंदुओं से सहमति व्यक्त करते हुए भारत की ऐतिहासिक गुटनिरपेक्ष नीति का उल्लेख किया तथा 1965 और 1971 के युद्धों में ईरान के रुख को स्मरण करते हुए भारत सरकार की संतुलित और संयमित विदेश नीति को उचित बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी वैचारिक पत्रिका को एकांगी दृष्टिकोण से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय सरोकारों को भी स्थान देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, कवि एवं गोलकोण्डा दर्पण के संपादक श्री गोविंद अक्षय ने प्रभावपूर्ण ढंग से किया। उन्होंने संस्था की गतिविधियों, उद्देश्यों और दीर्घकालीन साहित्यिक योगदान की जानकारी दी। प्रथम सत्र की अध्यक्षता (झारखंड) से पधारे वरिष्ठ गीतकार श्री अनिल कुमार झा ने की, जबकि द्वितीय सत्र अर्थात कवि गोष्ठी की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने की।

कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि गीत चाँदनी तथा सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संस्थान का उद्देश्य साहित्य और संस्कृति के माध्यम से समाज में संवेदनशीलता, विचारशीलता और रचनात्मक ऊर्जा का संचार करना है। संस्था पिछले 45 वर्षों से निरंतर प्रतिमाह ऐसी मूल्यांकन कवि गोष्ठियों का आयोजन करती आ रही है, जिनमें नये और वरिष्ठ रचनाकार समान रूप से भाग लेते हैं।पत्रिका मूल्यांकन के उपरांत आयोजित कवि गोष्ठी में हैदराबाद के कवियों ने देश की समसामयिक परिस्थितियों, सामाजिक सरोकारों, मानवीय मूल्यों तथा जीवन के विविध रंगों पर आधारित गीत, ग़ज़ल, कविताएँ एवं हास्य-व्यंग्य रचनाएँ प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध दिया। काव्य पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री राजकुमार यादव, सत्यनारायण काकड़ा, अनिल कुमार गुप्ता, तश्कील रज़्ज़ाकी, सुनील मिश्रा, खलिश हैदराबादी, सोहेल अज़ीम, विश्वनाथ पेंडारकर, अनिल कुमार झा (झारखंड), चंपालाल बैद, अनुप कुमार, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आशा ठाकुर आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर आर्य प्रतिनिधि सभा, आंध्र प्रदेश0तेलंगाना के वरिष्ठ उप-प्रधान एवं पूर्व प्रधान, आर्य समाज के समर्पित कार्यकर्ता आदरणीय श्री ठाकुर लक्ष्मण सिंह आर्य के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया।

कादम्बिनी क्लब की 405वीं मासिक गोष्ठी में 'नवगीत' पर गहन विमर्श

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार, 19 अप्रैल को क्लब की 405वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन माध्यम 'गूगल मीट' पर संपन्न हुआ।

प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए कार्यकारी अध्यक्ष मीना मुथा एवं महासचिव प्रवीण प्रणव ने बताया कि प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. मंजु रुस्तगी (डॉ. अहिल्या मिश्र सम्मान 2025 से सम्मानित, चेन्नई निवासी) ने की।

मीना मुथा ने पटल पर उपस्थित सभी गणमान्य साहित्यकारों का शब्दकुसुमों से स्वागत करते हुए शुभ्रा मोहंतो को सरस्वती वंदना प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया।

तत्पश्चात संगोष्ठी सत्र का आरंभ करते हुए प्रवीण प्रणव ने कहा कि आज मुख्य वक्ता के रूप में प्रबुद्ध साहित्यकार अनिल कुमार झा (देवघर, झारखंड) हमारे बीच उपस्थित हैं। उनकी कई कृतियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं। झा जी कविता, कहानी, रेडियो-नाटक, आलोचना आदि लेखन के जाने-माने हस्ताक्षर हैं। आज वे 'नवगीत' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। अनिल कुमार झा ने अपने वक्तव्य में कहा कि अहिंदी भाषी क्षेत्र में कादम्बिनी क्लब की लंबी यात्रा निश्चित ही सराहनीय है। उन्होंने क्लब के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अहिल्या मिश्र एवं उनकी टीम को साधुवाद दिया।

नवगीत के संबंध में उन्होंने आजादी से पूर्व और बाद की साहित्यिक मानसिकता पर प्रकाश डाला। भारतेंदु युग, द्विवेदी युग और छायावाद के दौर में साहित्य की विभिन्न धाराओं का विकास हुआ, जबकि पश्चिमी प्रभाव के चलते रूमानियत का प्रभाव भी देखा गया। वर्ष 1950 के आसपास 'नवगीत' के रूप में गीतों का एक नया स्वरूप सामने आया।

उन्होंने बताया कि गीत में हम अपने मनोभावों को व्यक्त करते हैं। गीत भीतर से निकलकर बाहरी परिवेश में समाहित हो जाता है तथा इसमें संक्षिप्तता होती है। समय के साथ मुक्तछंद और छंदमुक्त अभिव्यक्तियाँ सामने आईं, जिससे कविता की परिभाषा में भी परिवर्तन आया।उन्होंने स्पष्ट किया कि हर नवगीत, गीत होता है, लेकिन हर गीत नवगीत नहीं होता। नवगीत एक लोकप्रिय शैली के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें तत्परता, तन्मयता और ईमानदारी से लेखन किया जा रहा है। इसमें अंग्रेजी, संस्कृत और लोकभाषाओं के शब्दों का भी प्रयोग संभव है तथा अभिव्यक्ति की व्यापक संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला समय नवगीत का है। इस दौरान उन्होंने नवगीतकार रमेश रंजक की पंक्तियों के माध्यम से उदाहरण भी प्रस्तुत किया। दर्शन सिंह, मीरा ठाकुर आदि ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्रश्नोत्तर के माध्यम से किया।

डॉ. मंजु रुस्तगी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि गीत और नवगीत के बीच के अंतर को अनिल कुमार झा ने बहुत सरलता से स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि नवगीत में आधुनिक और समसामयिक विषयों को प्रमुखता दी जाती है तथा इसमें रूपक का प्रयोग होता है, जिससे भाषा अपेक्षाकृत सरल रहती है।उन्होंने आगे कहा कि नवगीत समष्टिपरक दृष्टिकोण को लेकर चलता है और कविता का मूलभाव संवेदना ही होता है। गीत में मुखड़ा और अंतरा आवश्यक होता है, जबकि नवगीत में मुखड़ा न भी हो तो चलता है। उन्होंने कुँवर बेचैन की पंक्तियों के साथ अपने विचारों को विराम दिया। संगोष्ठी सत्र के संयोजक प्रवीण प्रणव ने सत्र का संचालन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।दूसरे सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन अनिल कुमार झा की अध्यक्षता में किया गया। इसमें उषा शर्मा, आर्या झा, डॉ. सुरभि दत्त, मीरा ठाकुर, प्रियंका पांडे, जी. परमेश्वर, दर्शन सिंह, डॉ. मंजु रुस्तगी, डॉ. रमा बहेड़, उमा सोनी, डॉ. राशि सिन्हा, अंशु श्री सक्सेना, रेखा अग्रवाल, शिल्पी भटनागर, मोहिनी गुप्ता, डॉ. स्वाति गुप्ता, निधि झा, डॉ. आशा मिश्र 'मुक्ता', प्रवीण प्रणव, प्रियंका पांडे, भावना पुरोहित एवं मीना मुथा सहित अनेक रचनाकारों ने काव्यपाठ किया।

उधमपुर में बस के सड़क से फिसलने से 19 की मौत, कई घायल

मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की मदद का ऐलान

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 20 अप्रैल ।

उधमपुर जिले के रामनगर कस्बे में एक बस हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई है। कई अन्य जख्मी हैं। अधिकारियों ने इस हाइसे की पुष्टि करते हुए बताया कि सोमवार को उधमपुर जिले के रामनगर के कागोर्ट गांव में एक पैसेंजर बस के सड़क से फिसल जाने से कम से कम उन्नीस लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद, पुलिस, रेस्क्यू टीम और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उधमपुर-रियासी रेंज के डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने बताया कि घटनास्थल पर बहुत तीखा मोड़ है। उन्होंने बताया कि तेज मोड़ पर ड्राइवर का शायद कंट्रोल खो गया होगा। गाड़ी एक पैरापेट से टकराई और खाई में लुढ़क गई।गाड़ी ओवरलोड थी या नहीं, इस बारे में उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है। इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में हादसे में हुई मौतों पर दुख जताया। उन्होंने लिखा कि जम्मू कश्मीर के उधमपुर में बस हादसे में हुई मौतों के बारे में सुनकर दुख हुआ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने हादसे में मरने वालों के परिवार वालों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की मदद का भी ऐलान किया। केंद्रीय मंत्री डा जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस दुखद सड़क हादसे में 16 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर हैं और बचाव और लोगों को निकालने का काम चल रहा है। घायलों को तुरंत इलाज के लिए उधमपुर अस्पताल भेजा जा रहा है। मैं और मेरा आफिस लगातार संपर्क में हैं।लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि दुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। भगवान उन्हें हिम्मत दे। घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। मैंने जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और हेल्थ डिपार्टमेंट को प्रभावित लोगों को हर मुमकिन मदद देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी गहरा दुख जताते हुए कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और हर जरूरी मदद दी जा रही है।

गीतों के माध्यम से भावनाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण

मसाप की 68वीं वर्षगांठ भव्य रूप से मनाई गई

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मराठी साहित्य परिषद् (मसाप) तेलंगाना, हैदराबाद की 68वीं वर्षगांठ के मौके पर, इसामिया बाजार स्थित मराठी ग्रंथ संग्रहालय के सभागार में रविवार को भावनाओं पर आधारित अनोखे संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के साथ मसाप की वर्षगांठ भव्य रूप से मनाई गई। किशन वतनी और कविता वतनी ने यह कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम को सुनना एक अनोखा भावनात्मक अनुभव रहा। इस कार्यक्रम में किशन वतनी ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता (भावनात्मक गुणांक) के वैज्ञानिक तत्वों और इनके अलग-अलग पहलुओं पर भाव व्यक्त किए, जबकि कविता वतनी ने उन भावनाओं के अनुरूप गीत प्रस्तुत किए। उन्होंने गीतों के माध्यम से उन भावनाओं को बहुत अच्छे तरीके से श्रोताओं तक पहुंचाया।

कार्यक्रम की शुरुआत अर्चना अचलेरकर ने सरस्वती वंदना से की। साथ ही ना.गो. नांदापुरकर का लिखा एक मराठी गीत बहुत खूबसूरती से प्रस्तुत किया, जिससे कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण वातावरण बन गया।

मसाप की अध्यक्षा डॉ. विद्या देवधर ने अपने प्रास्ताविक भाषण में मराठी साहित्य परिषद हैदराबाद, मराठी महाविद्यालय और त्रैमासिक 'पंचधारा' के बारे में जानकारी दी। साथ ही प्रसिद्ध साहित्यकार द.दि. पुंडे की माताजी शारदा पुंडे के नाम पर दिए जाने वाले श्रेष्ठ पाठक पुरस्कार के बारे में बताते हुए 88 वर्षीय पुंडे द्वारा भेजे गए शुभकामना संदेश का वाचन किया। इस वर्ष का उत्तम पाठक पुरस्कार किशन व कविता वतनी के हाथों प्रिया तुलजापुरकर और नारायण पूजार को प्रदान किया गया।

किशन वतनी ने मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि मनुष्यों में मुख्य रूप से आठ भावनाएं होती हैं, जिनमें 1) अपेक्षा (उम्मीद), 2) आश्चर्य, 3) खुशी, 4) दुख, 5) क्रोध, 6) भय, 7) विश्वास और 8) घृणा शामिल हैं। इन मूल भावनाओं से मिश्रित भावनाएं बनती हैं, जैसे खुशी और प्रेम। जीवन में सफल होने के लिए किसी भी भावना की अति से बचना बहुत आवश्यक है।

भावनाएं मनुष्य के चेहरे के साथ-साथ शरीर की भाषा से भी प्रकट होती हैं। इसी बात को कविता वतनी ने 'मोरा मन दर्पण कहलाए' गीत गाकर और स्पष्ट किया।

किशन वतनी ने कहा कि संतुलित भावनाएं ही ई.क्यू. की नींव हैं। इसके अभाव में निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है। क्रोध ई.क्यू. का मुख्य शत्रु है। यदि कोई व्यक्ति क्रोध में निर्णय लेता है, तो उसका भविष्य प्रभावित हो सकता है। इसके विपरीत खुशी ई.क्यू. का प्रेरक तत्व है। प्रसन्नचित्त मन संवाद कौशल को बढ़ाता है।

इसी भावना को व्यक्त करने के लिए कविता वतनी ने 'पंछी बनूं उड़ती फिरूं मस्त गगन में' गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने मराठी गीत 'दारा वरून चालली ही वरात' के माध्यम से दुख की भावना को व्यक्त किया तथा 'कभी दीप जले कभी दिल' गीत के माध्यम से भय की भावना को दर्शाया।

किशन वतनी ने कहा कि दुख जीवन का हिस्सा है, लेकिन उसमें उलझे बिना आगे बढ़ना ही वास्तविक ई.क्यू. है।

प्रेम की मिश्रित भावना को प्रस्तुत करने के लिए कव्वाली 'निगाहें मिलाने को जी चाहता है' प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में प्रस्तुत गीतों के माध्यम से भावनाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया।

श्री वतनी ने कहा कि ई क्यू, आई क्यू से अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि आई क्यू कितना भी अधिक क्यों न हो, यदि भावनाएं असंतुलित हों तो जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। उन्होंने करियर मार्गदर्शक के रूप में अपने अनुभव साझा किए। कुछ रोचक उदाहरणों से सभागार में हंसी का वातावरण भी बना।

हारमोनियम और कीबोर्ड पर संदीप केलकर तथा तबले पर महेश कल्याणकर ने संगत दी।

मसाप की महासचिव शैलजा जोशी ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि वेंकटेश कुलकर्णी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एएससीआई ने 'आत्मनिर्भरता-कर्मयोगी लीडरशिप प्रोग्राम' शुरू किया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई) ने सोमवार से अपने बेला विस्टा कैंपस में 'आत्मनिर्भरता-कर्मयोगी लीडरशिप प्रोग्राम' के दूसरे संस्करण की शुरुआत की जिसका मकसद रक्षा, सार्वजनिक उपक्रमों और रणनीतिक उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों की नेतृत्व क्षमता और रणनीतिक सोच को बदलते समय के अनुसार और मजबूत करना है।

पूर्व एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी ने 20 अप्रैल से 24 अप्रैल तक चलने वाले इस पांच दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसमें रक्षा क्षेत्र, सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) और रणनीतिक उद्योगों के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेने वाले हैं।

इस दौरान कार्यक्रम निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल के. सुरेंद्रनाथ (रिटायर्ड) ने स्वागत भाषण दिया और एएससीआई के महानिदेशक डॉ. एन. रमेश कुमार (सेवानिवृत) भी वहां मौजूद रहे। यह कार्यक्रम भारत सरकार की 'कर्मयोगी भारत' पहल और 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

इस प्रशिक्षण में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल), हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और एलएंडटी जैसी बड़ी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। सत्र के दौरान सेना के अनुभवी अधिकारी और विशेषज्ञ राष्ट्रीय सुरक्षा, उभरती हुई तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा और समुद्री चुनौतियों जैसे विषयों पर जानकारी देंगे।

विशेषज्ञों ने आधुनिक युद्ध की बदलती चुनौतियों, रक्षा बजट, खरीदारी की प्रक्रियाओं और तकनीक के मामले में आत्मनिर्भर बनने पर भी जोर दिया। इस दौरान अंतरिक्ष तकनीक, क्वांटम एडवांसमेंट और बायो-सिक्योरिटी से जुड़े खतरों पर भी चर्चा की जाएगी।

सेवा ही सच्ची मानवता का मार्ग : मनोज डालमिया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा और समर्पण की मिसाल बनकर सामने आया। इस अवसर पर ग्रुप से नए जुड़े सदस्य मनोज डालमिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही सच्ची मानवता का मार्ग है और राधे-राधे ग्रुप इस मार्ग पर निरंतर अग्रसर है।उन्होंने कहा कि आज के समय में जब अधिकांश लोग केवल अपने हित तक सीमित हो जाते हैं, ऐसे दौर में राधे-राधे ग्रुप का यह निस्वार्थ प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक है। जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना केवल एक कार्य नहीं, बल्कि एक पुनीत जिम्मेदारी है, जिसे यह ग्रुप पूरी निष्ठा के साथ निभा रहा है। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि इस सेवा कार्य से जुड़कर उन्हें आत्मिक संतोष की अनुभूति हो रही है।

इस दौरान सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश शारदा, उमाकांत गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाया और आगे भी इसी तरह सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

शंकरपल्ली स्थित के कन्वेंशन में डीआरएस ग्रुप के दयानंद अग्रवाल व शशिकला अग्रवाल परिवार के वैवाहिक समारोह में भाग लेते हुए टीम एके के विकास केशान, रूपेश अग्रवाल, अचल गुप्ता व अन्य।

चंद्रबाबू ने महिला आरक्षण विधेयक रोकने के लिए द्रमुक-कांग्रेस की आलोचना की

कोयंबटूर, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने महिला आरक्षण विधेयक को रोकने के लिए तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी द्रमुक, कांग्रेस समेत 'इंडिया' गठबंधन के सभी दलों पर सोमवार को हमला बोला। विजयवाड़ा से आज दोपहर यहां पहुंचे श्री नायडू अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले राजग उम्मीदवारों के प्रचार के लिए आये थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संसद में पेश किये गये परिसीमन प्रस्तावों और महिला आरक्षण विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विधेयक का विरोध करने के लिए विपक्षी दलों पर महिलाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों का विरोध करके द्रमुक और उसके सहयोगियों ने राजग को नहीं, बल्कि 'महिलाओं को हराया' है। श्री नायडू ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के वास्तविक इरादे से लाया गया था लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस-द्रमुक ने राजनीतिक कारणों से इसे पारित होने से रोक दिया।

उन्होंने आगे कहा, ''इस विधेयक को अवरुद्ध कर, कांग्रेस और द्रमुक ने उन महिलाओं के साथ अन्याय किया है जो लंबे समय से समान प्रतिनिधित्व का इंतजार कर रही थीं। उन्होंने मांग की कि द्रमुक महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करने पर अपना रुख स्पष्ट करे और महिलाओं के अधिकारों के प्रति अपने दृष्टिकोण की व्याख्या करे।

राजग गठबंधन की सहयोगी तेदेपा अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों में संसदीय सीटें बढ़ जातीं। उन्होंने सवाल किया कि द्रमुक ने उस कदम का विरोध क्यों किया जिससे इन राज्यों को लाभ हो सकता था। उन्होंने आगे कहा कि उनके इस रुख के कारण महिलाओं और दक्षिण क्षेत्र, दोनों को नुकसान उठाना पड़ा है।

श्री नायडू ने तमिलनाडु में वर्तमान द्रमुक शासन की भी आलोचना की और दावा किया कि यह राज्य, जिसे कभी प्रगतिशील माना जाता था, अब आर्थिक गिरावट और कई घोटालों का सामना कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री का इरादा 2029 के चुनावों तक महिला आरक्षण लागू करने का था और इस तरह के सुधारों में देरी करने से केवल लोकतांत्रिक समावेशिता को नुकसान पहुंचता है।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने तेलुगु गंगा जैसी परियोजनाओं को याद किया, जो तमिलनाडु को पानी की आपूर्ति करती है। उन्होंने आंध्र प्रदेश में नदियों को जोड़ने की परियोजनाओं का उल्लेख किया और देशभर में पानी की कमी को दूर करने के लिए गंगा-कावेरी जुड़ाव सहित राष्ट्रीय स्तर पर नदियों को जोड़ने की बात कही।

पुरोगामी पत्रकार संघ (भारत) के कामारेड्डी जिला अध्यक्ष बने विश्वंभर कुलकर्णी

कामारेड्डी, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुरोगामी पत्रकार संघ (भारत) ने विश्वंभर कुलकर्णी को तेलंगाना राज्य विभाग के अंतर्गत कामारेड्डी जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में तेलंगाना राज्य अध्यक्ष गजानन बिडकर ने 19 अप्रैल, 2026 को नियुक्ति पत्र जारी किया।

समुदाय के प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्होंने ये जिम्मेदारियां इस विश्वास के साथ सौंपी हैं कि वह समुदाय को मजबूत करने और पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

तेलंगाना राज्य के सचिव गौरव बिडकर ने भी इस अवसर पर हस्ताक्षर किए और बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन किया जाएगा और समुदाय को मजबूती मिलेगी।

इस नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए विश्वंभर कुलकर्णी ने समुदाय के नेतृत्व को धन्यवाद दिया और कहा कि वह पत्रकारों के कल्याण के लिए काम करेंगे।

वाइब्रेंट निसान की बड़ी उपलब्धि: एक ही दिन में 100 निसान ग्रेविट कारों की डिलीवरी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में एक मील का पत्थर स्थापित करते हुए, वाइब्रेंट निसान ने अपनी नई पेशकश 'ऑल न्यू निसान ग्रेविट' की 100 इकाइयों की डिलीवरी का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। सोमवार को सिकंदराबाद में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान इन कारों को उनके गौरवशाली मालिकों को सौंपा गया। इस विशेष अवसर पर निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक श्री सौरभ वत्सा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने वाइब्रेंट निसान के प्रबंध निदेशक सिराज बाबूखान के साथ मिलकर ग्राहकों को उनकी नई कारों की चाबियाँ भेंट कीं। सिकंदराबाद में आयोजित इस 'ग्रैंड लैंडमार्क इवेंट' ने न केवल निसान की नई एसयूवी की लोकप्रियता को दर्शाया, बल्कि वाइब्रेंट निसान की बेहतरीन ग्राहक सेवा और बाजार में मजबूत पकड़ को भी सिद्ध किया।

कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों के बीच भारी उत्साह देखा गया और प्रबंधन ने इस उपलब्धि को कंपनी के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बताया।

कालेश्वरम घोटाले के लिए केसीआर को फांसी दी जानी चाहिए: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कालेश्वरम परियोजना पर जनता के 1 लाख करोड़ रुपये बर्बाद करने के लिए अगर केसीआर को फांसी भी दे दी जाए, तो यह कोई पाप नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान उद्घाटन के तीन साल के भीतर ही यह परियोजना ढह गई।

रेवंत रेड्डी ने टिप्पणी की कि यदि यह निजाम काल जैसा पुराना समय होता, तो कालेश्वरम घोटाले के लिए राव को फांसी पर लटका दिया जाता। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि हम कानून द्वारा शासित लोकतांत्रिक व्यवस्था में हैं, इसलिए राज्य सरकार ने इस परियोजना की अनियमितताओं की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं।

2029 में केसीआर से छीन लेंगे विपक्ष के नेता का दर्जा: रेवंत की चुनौती

भूपालपल्ली जिले के कटारम मंडल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने यह बातें कहीं। यह सभा वर्तमान यासांगी सीजन के लिए 'रायथु भरोसा' निधि की दूसरी किस्त वितरण के अवसर पर आयोजित की गई थी। इस दौरान रेवंत रेड्डी ने एक खुली चुनौती देते हुए कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि चंद्रशेखर राव 2029 के चुनावों में विपक्ष के नेता का अपना वर्तमान दर्जा भी खो दें।

केसीआर के उस दावे पर पलटवार करते हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि बीआरएस की विजय यात्रा जगतियाल से शुरू होगी, रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह अगले चुनावों में जगतियाल में ही बीआरएस और राव दोनों को 100 मीटर गहरा राजनीतिक रूप से दफन कर देंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली ''प्रजा पालन'' सरकार 2029 में दूसरा कार्यकाल हासिल करेगी और 2034 तक सत्ता में बनी रहेगी।

किसानों के लिए 9,000 करोड़ रुपये का प्रावधान और चुनावी गणित

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि रायथु भरोसा की 2,200 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त से 45 लाख से अधिक किसानों को लाभ हुआ है। पिछले महीने जारी 3,500 करोड़ रुपये की पहली किस्त को मिलाकर अब तक कुल 5,700 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार मई में 3,300 करोड़ रुपये की तीसरी और अंतिम किस्त जारी करेगी, जिससे इस सीजन के लिए कुल वितरण 9,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

राजनीतिक रुझानों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 1994 से 2024 के बीच का इतिहास गवाह है कि राज्य में पार्टियां आमतौर पर 10 साल तक सत्ता में रहती हैं। उन्होंने संकल्प लिया कि वह कांग्रेस को लगातार दो बार जीत दिलाकर इस पैटर्न को दोहराएंगे।

टी. जीवन रेड्डी के दलबदल पर बरसे मुख्यमंत्री; विश्वासघात का लगाया आरोप

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस छोड़कर बीआरएस में शामिल हुए वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी पर भी जमकर प्रहार किया। उन पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि बार-बार हार के बावजूद कांग्रेस ने जीवन रेड्डी को 14 बार विधानसभा, लोकसभा और परिषद चुनाव लड़ने के अवसर दिए। जगतियाल के कार्यकर्ताओं ने लगभग चार दशकों तक उनका अटूट समर्थन किया।

उन्होंने जीवन रेड्डी द्वारा कांग्रेस सरकार के स्थान पर बीआरएस सरकार के नारे की आलोचना की। रेवंत ने सवाल किया कि प्रजा पालन (जनता का शासन) सरकार क्यों जानी चाहिए और पापला भैरवडु (राव के संदर्भ में) सत्ता में क्यों वापस आना चाहिए? मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जीवन रेड्डी का कांग्रेस छोड़ना व्यक्तिगत निराशा का परिणाम था, क्योंकि 2023-24 के दौरान छह महीने के भीतर विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनाव हारने के बाद, एमएलसी मनोनीत होने पर उन्हें कैबिनेट में शामिल नहीं किया गया था।

रेवंत ने कालेश्वरम मंदिर में 200 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की नींव रखी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार शाम को जयशंकर भूपालपल्ली जिले के कालेश्वरम स्थित श्री कालेश्वर मुक्तेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ 200 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की नींव रखी।

मुख्यमंत्री का मंदिर में पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया, जहां वह अभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना में शामिल हुए। उन्हें दर्शन के बाद मंदिर प्रशासन ने प्रसाद भेंट किया, जबकि पुजारियों ने उन्हें वैदिक आशीर्वाद दिया।

बसवेश्वर जयंती पर भव्य समारोह आयोजित

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। महात्मा बसवेश्वर की 893वीं जयंती सोमवार को रविंद्र भारती में भव्य रूप से मनाई गयी, जिसमें कई गणमान्य व्यक्तियों और नेताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर और वकिटी श्रीहरी, ज़हीराबाद के सांसद सुरेश शेतकर और अन्य प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया और 12वीं सदी के महान समाज सुधारक को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मंत्री वकिटी श्रीहरी ने बसवेश्वर को समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों का प्रचार करने वाला महान व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कायकवे कैलासम (कार्य ही पूजा है) के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत ही महानता का मार्ग है।

उन्होंने कहा कि बसवेश्वर ने जाति, धर्म और वर्ग से परे समाज की कल्पना की थी तथा लैंगिक समानता और समान अवसरों की वकालत की थी। उनके विचार आज भी सामाजिक जागरूकता को प्रेरित करते हैं और प्रगतिशील बदलाव का मार्ग दिखाते हैं।

मंत्री ने कहा कि समाज में अब भी असमानताएं मौजूद हैं, ऐसे में बसवेश्वर के आदर्श पहले से अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविक विकास तभी संभव है जब समानता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों को व्यवहार में अपनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और समावेशी नीतियों के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास कर रही है।

श्री वकिटी श्रीहरी ने लोगों से बसवेश्वर के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने और एक समान एवं सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का आह्वान किया।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष ने बसवेश्वर की 895वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने सोमवार को संत बसवेश्वर की 895वीं जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

श्री राव ने यहां टैंक बंड पर आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना के लोगों, बसवेश्वर के अनुयायियों और विशेष रूप से लिंगायत समुदाय को अपनी शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं ने बसवेश्वर के जीवन और उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा ली है। उन्होंने संसद में बसवेश्वर जयंती के आयोजन, लंदन में बसवेश्वर की प्रतिमा के अनावरण और महिला सशक्तिकरण के उपायों सहित अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों में उनके आदर्शों की झलक जैसी पहलों का उल्लेख किया। श्री राव ने कहा कि बसवेश्वर ने राजदरबार में एक मंत्री के रूप में भी अपने कार्यकाल के दौरान न्याय और सामाजिक समानता सुनिश्चित करने के लिए कार्य किया था। उन्होंने लोगों से उनके बताये मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने समानता, सामाजिक सद्भाव और जाति एवं धार्मिक भेदभाव से मुक्त समाज पर संत बसवेश्वर की शिक्षाओं पर जोर दिया।

कुछ दल और नेता कर रहे हैं करीमनगर के विकास में बाधा डालने की कोशिश: बंडी संजय

करीमनगर, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोमवार को आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल और नेता करीमनगर के विकास में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन विकास के कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रहेंगे।

करीमनगर नगर निगम के तहत विकास कार्यक्रमों में भाग लेते हुए श्री कुमार ने महापौर कोलगानी श्रीनिवास, उप महापौर सुनील राव, राज्य शहरी विकास एजेंसी (एसयूडीए) के अध्यक्ष कोमाटिरेड्डी नरेंद्र रेड्डी, नगर आयुक्त प्रपाल देसाई, पार्षदों और भाजपा नेताओं के साथ मिलकर कई कार्यों की आधारशिला रखी। इस अवसर उन्होंने कहा कि निगम की सीमा के भीतर मुख्य सड़कें पहले ही पूरी हो चुकी हैं और अब ध्यान आंतरिक और गली-मोहल्ले की सड़कों के निर्माण पर केंद्रित होगा।

उन्होंने आश्वासन दिया कि बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने के लिए जल्द ही नयी सड़क निर्माण परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। अटल नवीनीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (एएमआरयूडी) 2.0 योजना के तहत शुरू की गयी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रेकुर्थी झीलों के जीर्णोद्धार के लिए 5.82 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। इस पहल के हिस्से के रूप में, हरियाली विकास और सौंदर्यीकरण सहित जीर्णोद्धार कार्यों की आधारशिला रखी गयी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जल निकायों को पुनर्जीवित करने से विनायक और बथुकम्मा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को होने वाली दिक्कतों को दूर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को बेहतर तटबंधों और लैंडस्केपिंग के साथ एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

श्री कुमार ने समन्वित प्रयासों पर ज़ोर देते हुए कहा कि विकास को राजनीति से ऊपर होना चाहिए, और संबंधित पक्षों से मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि करीमनगर को एक आदर्श शहर में बदलने के लिए केंद्र और राज्य, दोनों से मिलने वाले निधि का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाएगा।

टेड एक्स हैदराबाद में 1200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने की शिरकत

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। टेड एक्स हैदराबाद 2026 को रविवार को ज़बरदस्त सराहना मिली जब वट्टिनागुलापल्ली के अक्षय कन्वेंशन में 14 वक्ता और 1,200 से ज़्यादा प्रतिभागी एक साथ आए और चार प्रस्तुतियां पेश की गयीं।

फायर-अपे थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और शासन जैसे क्षेत्रों से जुड़े सशक्त विचारों को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में फ़िल्म निर्माता अल्लू अरविंद सहित कई जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की। यह टेड एक्स हैदराबाद का 11वां आयोजन था। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सोमा राजू ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला और इसे डॉक्टरों के विकल्प के बजाय एक शक्तिशाली दूसरी राय बताया।

दूसरी ओर, पर्यावरण कथाकार उदय कृष्ण ने भारत के विरासत वृक्षों पर अपनी अंतर्दृष्टि से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि किसी भी शहर की असली दौलत उसके वृक्षों में ही चुपचाप खड़ी रहती है। उन्होंने देश भर में 5,000 से अधिक वृक्षों को बचाने के अपने प्रयास भी साझा किए।

कई वक्ताओं ने महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर बात की, जिनमें पैलिएटिव केयर में कमियां, गुमराह करने वाले हेल्थकेयर उत्पाद, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समावेशी डिज़ाइन की ज़रूरत और कौशल-आधारित सशक्तिकरण का महत्व शामिल था।

राजनीतिक सुधार और नैतिक नेतृत्व भी प्रमुखता से उभरे, जिसमें वक्ताओं ने लोकतंत्र में अधिक गहन और मूल्यों पर आधारित भागीदारी का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सामाजिक नवाचार प्रदर्शनियां भी शामिल थीं, जिन्होंने स्थिरता, कला और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में की गयी पहलों को उजागर किया।

आयोजकों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि टेड एक्स हैदराबाद उन विचारों के लिए एक मंच के रूप में काम करता रहेगा जो कार्रवाई और वास्तविक दुनिया में असर डालने के लिए प्रेरित करते हैं।

कविता ने जगद्गुरु बसवेश्वर को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने सोमवार को जगद्गुरु बसवेश्वर की 839वीं जयंती के मौके पर टैंक बंड में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और समाज सुधारों की उनकी हमेशा रहने वाली विरासत पर रोशनी डाली। सुश्री कविता ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जगद्गुरु बसवेश्वर के जन्म से एक सामाजिक क्रांति की शुरुआत हुई और समानता और न्याय पर उनकी शिक्षाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। उन्होंने जाति, रंग और लिंग के आधार पर भेदभाव के खिलाफ उनके मज़बूत निर्णय को याद किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि समाज को इन मूल्यों को भावना और व्यवहार दोनों में बनाए रखना चाहिए।

सुश्री कविता ने मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि मौकों के बावजूद समाज सच्ची समानता पाने में पीछे लगता है। उन्होंने महिला आरक्षण अधिनियम पास होने में देरी की भी आलोचना की, और आरोप लगाया कि कई ताकतों ने संसद में इसे रोकने की साज़िश की थी। उन्होंने राजनीति में महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर ज़ोर देते हुए बताया कि हाल के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को बहुत कम सीटें दी गईं, जिसके कारण कुछ ही महिला विधायक बनीं।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने बसवेश्वर जयंती पर समानता बनाए रखने का किया आह्वान

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी ने जगदगुरू बसवेश्वर की जयंती के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए इस पूजनीय दार्शनिक और समाज सुधारक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में महात्मा बसवेश्वर की शिक्षाओं को समानता, सत्य और न्याय पर आधारित बताते हुए कहा कि वे आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही हैं। उन्होंने बसवन्ना (जगदगुरू बसवेश्वर) के उस कालजयी संदेश को रेखांकित किया कि 'कर्म ही पूजा है'। उन्होंने उनके इस संदेश को श्रम की गरिमा को प्रतिष्ठित करने वाला बताते हुए सच्ची भक्ति की भावना को जगाने वाला बताया।

श्री रेड्डी ने कहा कि जगदगुरू बसवेश्वर को दी जाने वाली सबसे अच्छी श्रद्धांजलि यही होगी कि हम जाति और पंथ की बाधाओं को पार करते हुए अपने विचारों तथा कार्यों दोनों में समानता और मानवतावाद के आदर्शों को अपनाएं। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे इन मूल्यों को अपने रोजाना के जीवन में आत्मसात करें और एक न्यायपूर्ण तथा समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में मिलकर काम करें।

बीआरएस अंतर्कलह का सामना कर रही है, पार्टी का भविष्य संदेह में : रेड्डी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भुवनगिरी लोकसभा सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने सोमवार को कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) आंतरिक मतभेदों का सामना कर रही है और इसका भविष्य अनिश्चित दिखाई दे रहा है।

अपने वीडियो बयान में, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष और मीडिया प्रभारी रेड्डी ने दावा किया कि विशेष रूप से जीवन रेड्डी जैसे नेताओं को पार्टी में शामिल करने को लेकर वरिष्ठ नेताओं के बीच मतभेद उभरने लगे हैं।

उनके अनुसार, बीआरएस के कई नेता और कार्यकर्ता इस तरह के घटनाक्रमों से नाखुश हैं, जो पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष का संकेत है।

सांसद ने केटी रामा राव (केटीआर) और टी हरीश राव सहित प्रमुख नेताओं के बीच कथित दूरियों की ओर भी इशारा किया, जिससे हालिया राजनीतिक गतिविधियों में समन्वय और एकजुटता की कमी का पता चलता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ये घटनाक्रम पार्टी के नेतृत्व ढांचे के भीतर गहरी समस्याओं को दर्शाते हैं और वरिष्ठ नेताओं की दिल्ली यात्राओं सहित उनकी गतिविधियों ने पार्टी कैडर के बीच भविष्य की रणनीतियों और नेतृत्व की दिशा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उन्होंने टिप्पणी की कि पार्टी की स्थिति बिगड़ रही है और उन्होंने इसे डूबता जहाज बताया। सांसद ने दावा किया कि तेलंगाना के लोग बदलते राजनीतिक हालात को करीब से देख रहे हैं और आने वाले दिनों में उसी के अनुसार जवाब देंगे।

टीटीडी ने चंद्रबाबू नायडू को उनके 76वें जन्मदिन पर आशीर्वाद दिया

तिरुमाला, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने अमरावती स्थित मुख्यमंत्री शिविर कार्यालय में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को उनके 76वें जन्मदिन के अवसर पर आशीर्वाद प्रदान किया।

टीटीडी के पुजारियों ने इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 'वेद आशीर्वादम' किया और भगवान वेंकटेश्वर के आशीर्वाद की कामना की। टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सी.एच. वेंकैया चौधरी ने मुख्यमंत्री को तीर्थम, प्रसादम और भगवान वेंकटेश्वर का चित्र भेंट किया। पुजारियों ने अपना आशीर्वाद देते हुये कामना की कि भगवान वेंकटेश्वर की दिव्य कृपा सदैव उन पर बनी रहे। इस कार्यक्रम के दौरान टीटीडी के अधिकारी, पुजारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

चंद्रबाबू नायडू का 76वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू का 76वां जन्मदिन सोमवार को हैदराबाद के एनटीआर भवन में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

इस खास मौके पर आयोजन स्थल पर श्री नायडू का 76 फुट ऊंचा कटआउट लगाया गया था और ड्रोन के जरिए उन पर फूलों की बारिश की गई। जश्न के दौरान 76 किलोग्राम का केक भी काटा गया। पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भारी संख्या में जुटकर गुब्बारे उड़ाए और अपने नेता को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

इससे पहले, टीडीपी नेताओं ने जुबली हिल्स स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और वहां से एनटीआर भवन तक रैली निकाली। वरिष्ठ नेताओं ने श्री नायडू के राजनीतिक योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि हैदराबाद को एक बड़ा आर्थिक केंद्र बनाने और आईटी व बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के विकास में उनकी अहम भूमिका रही है।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने श्री नायडू के लंबे राजनीतिक करियर और शिक्षा व समाज कल्याण से जुड़ी उनकी योजनाओं की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनका नेतृत्व आगे भी पार्टी और जनता का मार्गदर्शन करता रहेगा।

इस बीच, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से श्री नायडू को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने श्री नायडू के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करते हुए विश्वास जताया कि उनका अनुभव और नेतृत्व सार्वजनिक जीवन तथा राष्ट्र के विकास में योगदान देता रहेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.